



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राप्तिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 1, 1981 (श्रावण 10, 1903)

**NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 1, 1981 (SRAVANA 10, 1903)**

इस भाँग में भिन्न पूछ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलैग सकल के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

सामग्री—खण्ड 1

**PART III—SECTION 11**

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 जून 1981

सं० ए० 32014/3/79-प्रश्ना०-I—संघ लोक सेवा प्रायोग के संबंध में निम्नलिखित स्थायी वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों (के० स० स्ट० से० का ग्रेड छ) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निर्दिष्ट सारीख से प्रथमा भ्रागामी भ्रावेशों तक, जो भी पहुँचे हो, उसी संबंध में पूर्णतः अनंतिम, प्रस्थायी और तदर्थ ग्राधार पर निझी सचिव (के० स० स्ट० से० का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियक्त किया जाता है :—

गुह मंत्रालय

का० एवं प्र० स० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यरो

नई दिल्ली, दिनांक 3 जलाई 1981

सं० एम० 5/73-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री एम० जी० कदे, भारतीय पुलिस सेवा (महाराष्ट्र-1952) संयुक्त निवेशक/केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, की सेवाएं दिनांक 3-6-1981 के अपराह्न से महाराष्ट्र सरकार को वापस सौंप दी गईं।

दिनांक 10 जूलाई 1981

सं० एम० 68/66-प्रश्ना०-5—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एम० डी० अगरकर, पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई, दिनांक 30-6-1981 के अपराह्न से पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो विशेष पुलिस स्थापना के कार्यभार से मुक्त हो गये।

दिनांक 13 जूलाई 1981

सं० ए० 19021/2/80-प्रश्ना०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री पी० सी० डोगरा, भारतीय पुस्तिकाल सेवा (पंजाब-

1964) को दिनांक 6 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर  
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ओ० दो० 992/72-स्थापना-I—श्री कुलदीप सिंह की सेवाएं नैशनल पुलिस कमिशन द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को निर्वाचित करने के फलस्वरूप, उप-पुलिस अधीक्षक के पद पर विनांक 03-6-1981 (पूर्वाह्न) से 48वीं बाहिनी में नियुक्त किए जाते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० ओ० पो० 1444/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इत्तेखारु निसा बेगम को 29-6-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० ओ० दो० 1584/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० तेज सिंह विमल को 4-7-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया गया है।

ए० के० सूरी  
सहायक निदेशक  
(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय श्रौद्धोगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० ई०-38013 (3)/21/79-कार्मिक—पारादीप से स्थानांतरण होने पर श्री यू० पी० बहेरा ने 25 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट आर० एस० पी० राऊरकेला के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 16013(1)/1/80-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने से, श्री एम० मुखर्जी आई० पी० एस०

(उडीसा-62) ने 10-6-81 के पूर्वाह्न से उप महानिरी क्षक के० ओ० सु० ब० यूनिट, आर० एस० पी० राऊरकेला के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-16013 (1)/1/81-कार्मिक—प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने से, श्री आर० राधाकृष्णन आई० पी० एस० (केरल 62) ने 6 जून, 1981 के अपराह्न से श्री राजा श्रीधरन आई० पी० एस० (मध्य प्रदेश-57) के स्थान पर, उप महानिरीक्षक (दक्षिणी क्षेत्र) के० ओ० सु० ब० मद्रास के पद का कार्यभार सम्भाल लिया और उसी तारीख से श्री राजा श्रीधरन ने राज्य संवर्ग को प्रत्यावर्तित होने पर उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री एस० एस० कादियां ने 30-3-81 के पूर्वाह्न से दक्षिणी क्षेत्र प्रशिक्षण रिजर्व बल, के० ओ० सु० ब० मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—पटना से स्थानांतरण होने पर श्री एस० पी० द्विवेदी ने 2 मई 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० आई० ओ० पी० डिपो-14, किरन्दुल के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई० 38013 (4)/5/81-कार्मिक—हरिद्वार को स्थानांतरण होने पर, श्री नीलमणि ने 25 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—मद्रास से स्थानांतरण होने पर, श्री एन० जी० शुक्ल ने तारीख 19 मई, 1981 के अपराह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, ए० एस० पी० दुर्गापुर, के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—पदोन्नति पर, श्री डी० एन० नवाली ने 20 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० एस० आर० ओ० युम्बा के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—झरिया से स्थानांतरण होने पर, श्री नीलमणि ने 2 जून, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, बी० एस० ई० एल० हरिद्वार के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013 (4)/5/81-कार्मिक—ओकारो से स्थानांतरण होने पर, श्री आर० पी० द्वबे ने 30 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० ओ० सु० ब० यूनिट, आई० डी० पी० एल० गुडगांव, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सुरेन्द्र नाथ  
महानिदेशक

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० 11/102/79-प्रशा०-1 (2) — राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक जनगणना कार्य निदेशकों को, उनके नामों के सामने दर्शित राज्यों के जनगणना कार्य निदेशालयों में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों पर पदोन्नति द्वारा पूर्णतः अस्थाई और तदर्थे आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत है
सं०		
1.	श्री सी० डी० भट्ट	जनगणना कार्य निदेशालय, हिमाचल प्रदेश।
2.	श्री एस० एल० बहल	जनगणना कार्य निदेशालय, हरियाणा, चण्डीगढ़।

सं० 11/102/79-प्रशा०-1 — राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक जनगणना कार्य निदेशकों (तकनीकी) को उनके नामों के सामने दर्शित कार्यालयों में तारीख 28 फरवरी, 1982 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाएं, जो भी अवधि पहले हो, विद्यमान शर्तों के आधार पर पूर्णतः अस्थाई और तदर्थे आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

क्र०	अधिकारी का नाम	कार्यालय जिसमें कार्यरत है
सं०		

1	2	3
1.	श्री ओ० पी० शर्मा	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
2.	श्री एम० पंचापकेशन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिलनाडु, मध्यास
3.	श्री एस० पी० शर्मा	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, अपृष्ठमान और निकोबार द्वीपसमूह, पोर्ट ब्लेयर
4.	श्री आर० पी० तोमर	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़
5.	श्री एम० के० आहूजा	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
5.	श्री बी० पी० रस्तोगी	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
7.	श्री ए० के० विश्वास	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली

1	2	3
8.	श्री ए० पिरयु	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, असम, गोहाटी
9.	श्री वाई० जी० कृष्णमूर्ति	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद
10.	श्री आर० के० सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़
11.	श्री एस० पी० ग्रोवर	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पंजाब, चण्डीगढ़
12.	श्री राम सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, मध्य प्रदेश, भोपाल
13.	श्री डी० एन० महेश	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, राजस्थान, जयपुर
14.	श्री एस० पी० सक्सेना	भारत के महापंजीकार का कार्यालय, नई दिल्ली
15.	श्री अंजीत सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
16.	श्री एम० नागप्पण	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, तमिलनाडु, मद्रास
17.	श्री फूल सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ
18.	श्री ए० के० दत्त	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, लक्ष्मीपुर
19.	श्री आर० बी० सिंह	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, बिहार, पटना
20.	श्री एच० एल० कल्ला	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर
21.	डा० के० एस० डे	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, पश्चिम बंगाल कलकत्ता
22.	श्री डी० पी० ग्रोवरागडे	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, महाराष्ट्र, बम्बई
23.	श्री एस० के० स्वैन	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, उड़ीसा, कटक
24.	श्री बी० सत्यनारायण	जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय, आनंद प्रदेश, हैदराबाद

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय  
आधिकारीक कार्यविभाग  
चलार्थ पत्र मुद्रणालय  
नासिक रोड, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 177-प्र०/1—महाप्रबंधक, चलार्थ पत्र मुद्रणालय, नासिक रोड, एततद्वारा श्री मु० ल० सोनवणे, अनुभागीय अधिकारी, चलार्थ पत्र मुद्रणालय को श्रय अधिकारी पत्र, जिसका वेतनमान रु० 840-1200 है, पर एक वर्ष अथवा पद के नियमितरूप से भरे जाने पर, जो भी पहले हो, तदर्थ प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

सु० द० इडगुंजी  
महाप्रबंधक

हरियाणा के जनगणना कार्य निदेशक का कार्यालय

चण्डीगढ़-160022, दिनांक 24 जून 1981

आदेश

सं० ए० 20067/1/77-प्रशा०—यतः चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक हरियाणा के कार्यालय में प्रूफ रीडर, श्री रामेश्वर दास वर्मा, सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के बिना 14 अप्रैल 1981 से कार्यालय से लगातार अनुपस्थित रहे;

और यतः इस प्रकार लगातार डियूटी से अनुपस्थिति घोर कदाचार है जिससे श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा, उनके विरुद्ध बनाए गए आरोप पत्र सहित रजिस्ट्री द्वारा भेजे गए सरकारी पत्राचार को लेने से जानबूझ कर बचते रहे;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध लगातार अपनी डियूटी से 14 अप्रैल 1981 से अनधिकृत रूप में अनुपस्थित रहने और सरकारी पत्राचार को लेने से जानबूझ कर बचते रहने से उत्तम अनधीनता और अपने वरिष्ठ अधिकारियों के कानूनी आदेशों का जानबूझ कर उल्लंघन करने के आरोपों की, केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण और अपील) नियम, 1965 के अधीन जांच की गई;

और यतः उक्त श्री रामेश्वर दास वर्मा ने जानबूझ कर कार्यवाही में भाग नहीं लिया जिसके फलस्वरूप उपरोक्त आरोपों की एक-पक्षीय जांच करनी पड़ी;

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने जांच प्राधिकारी की सिफारिशों को इस निर्णय के साथ स्वीकार किया कि उक्त श्री रामेश्वर दास वर्मा के विरुद्ध लगाए गए आरोप पूरी तरह से साबित हुए हैं;

और यतः अधोहस्ताक्षरी ने चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशक हरियाणा के कार्यालय के प्रूफ रीडर श्री रामेश्वर

दास वर्मा की सेवाएं 16-6-1981 से समाप्त कर दी हैं;

और यतः श्री रामेश्वर दास वर्मा ने डाक प्राधिकारियों से अपनी सेवा समाप्ति के आदेश लेने से इनकार किया जो, कि लिफाफे पर डाक प्राधिकारियों द्वारा दी गई “ठीक समय पर सूचित किया गया लेकिन पंजीकृत पत्र लेने से दालमटील किया गया” टिप्पणी से सर्वथा स्पष्ट है;

यतः अब अधोहस्ताक्षरी इन परिमितियों में इस अधिसूचना के माध्यम से श्री रामेश्वर दास वर्मा को 16 जून 1981 से नौकरी से हटाने की घोषणा करते हैं।

श्रो० पी० भारद्वाज  
निदेशक, जनगणना कार्य हरियाणा  
चण्डीगढ़

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार कार्यालय-I, कर्नाटक

बंगलोर, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० I (स्था०-ए / 4 / 81-82 / 389—महालेखाकार इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारियों सर्वश्री एन० आर० शेषा भट्टा और एम० के० श्रीनिवासन को उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रधाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक, लेखा अधिकारी पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने के दिनांक से केवल अस्थायी रूप से पदोन्नत करते हैं।

वि० अ० महाजन  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार, उत्तर प्रदेश द्वितीय कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० कल्याण / 864—श्री श्रो० पी० नागपाल का जो महालेखाकार, उत्तर प्रदेश द्वितीय कार्यालय, इलाहाबाद में लेखाकारी थे, 16 जून 1981 को निधन हो गया।

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र विभाग

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 16 मई 1981

सं० ई० एस० टी० 1-2(547)/1351—वस्त्र आयुक्त के कलकत्ता स्थित प्रादेशिक कार्यालय के सहायक निवेशक, द्वितीय श्रेणी, श्री० के० एन० पाल सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30 अप्रैल 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

आंजमेया  
उप-निवेशक (प्रशासन)

## विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 18 जून 1981

सं० आर० 4(1)26—इस विभाग के 1 जनवरी, 1968 के अधिसूचना सं० आर० 4(1)26 के अधिक्रमण होने से मुख्य विस्फोटक नियंत्रक ने दिनांक 1-1-1981 से संलग्न सूची के पहले परिच्छेद में विशेष रूप से दिये गये अधिकारियों को नियम 91 तथा सूची 4 के विनियम 3 तथा 5 विस्फोटक नियम, 1940 में दिये गये अधिकारों का प्रयोग करने को प्राधिकृत किया है। राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र के पसिस्त में जिसकी विशेष रूप से अनुकूल प्रविष्टि संलग्न सूची के परिच्छेद में दिया गया है।

सूची

अधिकारी	क्षेत्र
उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, उत्तर अंचल, आगरा	उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा हिमाचल प्रदेश, जम्मू तथा काश्मीर, राजस्थान, मध्य प्रदेश, दिल्ली तथा चण्डीगढ़ के संघ शासित क्षेत्र।
उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, दक्षिण अंचल, मद्रास	तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश, पांडीचेरी तथा लक्ष्मीगढ़ के संघ शासित क्षेत्र, भिन्नीकाय तथा अमिनीदेवा द्वीप।
उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पूर्वी अंचल, कर्नाटका	पश्चिम बंगाल, बिहार, ओरिसा, आसाम, मणिपुर, किंपुरा, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोराम, नागालैण्ड तथा अंडमान निकोबार द्वीप।
उपमुख्य विस्फोटक नियंत्रक, पश्चिम अंचल, बम्बई	गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, दामन तथा दिओ तथा दादरा तथा हवेली।
	चरणजीत लाल मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पात और जान मंदालय

(जान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकाता-700016, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० 3971 B/ए०-19012 (3-एस० सी० के०)/80-19 बी०—श्री सुबल चन्द्र कर को सहायक रसायनश के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-

40-1200 र० के वेतनमात्र में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3-4-1981 के पूर्वाल्ल से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3971 B/ए० 19011 (जे० एस० बी०)/79-19 ए०—राष्ट्रपति जी, श्री जे० एस० भाटिया को क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 1300-50-1700 र० के वेतनमात्र में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2-5-1981 के पूर्वाल्ल से नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 4000B/ए०-32014/1-सहायक भूवैज्ञानिक/80-19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूविज्ञान) को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 र० के वेतनमात्र में, स्थानापन्थ क्षमता में, आगामी आदेश होने तक प्रत्येक के सामने दर्शाई गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है:—

1. श्री प्रकाश रंजन मुखोपाध्याय 25-5-1981 (पूर्वाल्ल)
2. श्री के० बुल्ली राजू 26-5-1981 (पूर्वाल्ल)
3. श्रीमती ममता वत्त गुप्ता 25-5-1981 (पूर्वाल्ल)
4. श्रीमती जानहृषी राय 26-5-1981 (पूर्वाल्ल)
5. श्रीमती भारती अधिकारी 23-5-1981 (पूर्वाल्ल)

वी० एस० कुण्डलीमामी  
महा निदेशक

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जुलाई 1981

सं० 14/5/81 स्मा० (पर्य०)—प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्त्वीय स्थल एवं प्रक्षेप नियम, 1959 के नियम 6 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए मैं, जगतपति जोशी, निदेशक (अन्वेषण) यह निदेश जारी करता हूं कि आजाद हिन्दू फौज के प्रधान नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा बर्मा में अवधारणा के अभिनन्दन समारोह के भ्रवसर पर मंगलवार दिनांक 7 जुलाई, 1981 को लाल किला, विल्ली के पुरातत्त्वीय क्षेत्र में प्रवेश के लिए दर्शकों से शुल्क नहीं लिया जायेगा।

जगतपति जोशी  
निदेशक (अन्वेषण)

## आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० 4 (31)/81-एस० एक—श्री कमल सिंह, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, अम्बिकापुर ने 15 जून, 1981 के अपराह्न से अपनी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया है।

एच० सी० जयाल  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1981

सं० 3/15/61—महानिदेशक आकाशवाणी एतद् द्वारा श्री यू० के० सेटे, वरिष्ठ लेखाकार आकाशवाणी बम्बई को 29-5-1981 (प्रपराह) से प्रशासनिक अधिकारी तदर्थे आधार पर दूरदर्शन के केन्द्र, बम्बई के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री  
उपनिदेशक प्रशासन  
हृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० 10/57/80-एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री सैम्बद्ध हसन सफदर को आकाशवाणी, कलकत्ता में सहायक इंजीनियर के पद पर 16-6-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

एच० एन० विश्वास  
प्रशासन उपनिदेशक  
हृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जुलाई 1981

सं० ए० 31013/1/81-प्रदर्शनी (क)—राष्ट्रपति, विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय के स्थानापन्न प्रदर्शनी विरीक्षक श्री वी० एन० चारी को 19 जून 1981 से स्थायी तौर पर नियुक्त करते हैं।

शिशिर कुमार नाथक  
उप सचिव

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० 12026/2/81-स्था—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री ए० के० शर्मा को निदेशालय में 30 जून 1981 के पूर्वाह्न के अगले आवेश तक तदर्थे आधार पर सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) के पद पर नियुक्त करते हैं।

जनकराज लिखी  
उप निदेशक (प्रशासन)  
हृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० ए० 31014/2/81 ए० आई० आई० पी० एम० आर० प्रशा०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती श्री० एम० भवरिया को अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा और पुनर्वासि संस्थान, बम्बई में चिकित्सा

समाज कार्य विभाग में 10 अप्रैल, 1980 से स्थायी आधार पर चीफ के पद पर नियुक्त किया है।

दिलोक चन्द्र जैन,  
उप निदेशक प्रशासन (ओ० एण्ड एम०)

प्रामीण पुर्न निर्माण मंत्रालय  
विष्णन एवं निरीक्षण निदेशालय  
फरीदाबाद, दिनांक जुलाई 1981

सं० ए० 19025/42/80-प्र० त०—निम्नलिखित सहायक विष्णन अधिकारियों (वर्ग 1) की तदर्थे नियुक्ति को 30-9-1981 तक, या जब तक पद नियमित आधार पर भरे जाते हैं, वोनों में से जो भी पहले हो, पुनः बढ़ाया गया है:—

सर्वश्री

- वाई० जे० पीटर
- टी० एस० जोनी
- एन० के० मिश्र
- पी० सत्यानारायण
- ए० के० वास
- एच० सी० वत्सल
- ए० एस० शर्मा
- ए० आर० मित्रा

दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० ए० 19025/7/81 प्र० त०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री वी० नारायणस्वामी, वरिष्ठ निरीक्षक (शीतागार) को इस निदेशालय के अधीन बम्बई में दिनांक 2-5-81 (पूर्वाह्न) से अगले आवेश होने तक स्थानापन्न सहायक विष्णन विकास अधिकारी (शीतागार प्रशीतन) नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार  
निदेशक प्रशासन  
हृते कुषि विष्णन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग  
बम्बई-5, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० विप्राइम /3 (282)/76 प्रशा०/6721—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक एवं क्रय तथा भंडार निदेशालय के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी, श्री कृष्ण० श्री० व्यापारी को, उनका क्रय तथा भंडार निदेशालय से स्थानान्तरण हो जाने के फलस्वरूप, इस प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 650-30-740-35 880 रो० 40-960 के वेतनमान पर, मई 20, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० विप्राइम 3 (262)/78 प्रशासन—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा इस

प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक एवं स्थानापन्न आशुलिपिक-III श्री आर० एस० तसपदे को जून 29, 1981 के पूर्वाल्प से जुलाई 29, 1981 के अपराह्न तक के लिए इसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एन० टी० वारबानी के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

ब० वि० अते,  
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय इंधन सम्मिश्र  
शुद्धि पत्र

हैदराबाद-500 762, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० ना० ई० स०/का० प्र० भ०/1603/3360—अधिकारी सूचना संख्या नाइस०/का प्र भ०/1603/3261, दिनांक 29-6-81 में दर्शित रु. 650-30-740-35-880 द० रो० 40-960 के बेतन मात्र को सुधार कर रु. 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 पढ़ा जाय।

जी० जी० कुलकर्णी,  
प्रबन्धक, कार्मिक व प्रशासन

हैदराबाद-500 762, दिनांक 29 जून 1981

सं० का० प्र० भ० /0704/3256—इस कार्यालय के राजपत्र अधिसूचना सं० का० प्र० भ०/0704/2783, दिनांक 31-5-81 के क्रम में नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के मुख्य कार्य पालक (प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री व० र० ना० अव्यर को नाभिकीय इंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के अवकाश रिक्ति के पद पर, तर्वर्य आधार पर, दिनांक 22-6-1981 से 11-7-1981 पर्यन्त या प्रावेशों तक के लिए, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

य० वासुदेवा राव,  
प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० प० ख० प्र० 1/1/81 भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री आर० गोविन्दप्पा को परमाणु खनिज प्रभाग में 29 जून, 1981 के पूर्वाल्प से 22 जून, 1981 तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-४ /1/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री जे० के०

सर्मा, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न लेखापाल को उसी प्रभाग में श्री डी० एस० इसरानी, सहायक लेखा अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी है, के स्थान पर 20-5-1981 से 27-6-1981 तक की प्रवधि के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र० 1/32/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री बीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव को परमाणु खनिज प्रभाग में 29 जून, 1981 के पूर्वाल्प से अगले आदेश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं सेक्षा अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विभाग मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान-विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/4/81-स्था० 1—मौसम विज्ञान के महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान के निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को उनके नामों के आगे दर्शाये गये दिनांक से अगामी आदेशों तक उसी विभाग में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

नाम	सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में कार्यभार संभालने की दिनांक	
1	2	3
1. श्री० पी० बी० होरे		15-4-1981
2. श्री एफ० एम० सी० गोन्सालवस		15-4-1981
3. श्री दुर्गा प्रसाद चटर्जी		15-4-1981
4. श्री श्रिभुवन नाथ		16-5-1981
5. श्री जे० जे० सिंह		15-4-1981
6. श्री एस० एन० सरौन		8-5-1981
7. श्री बी० बी० चक्रवर्ती		19-5-1981
8. श्री प्रदोष रंजन राय		15-4-1981
9. श्री एस० आर० बनर्जी		15-4-1981
10. श्री ओ० पी० रम्बा		1-6-1981
11. श्री अर्पण कुमार साहा		15-4-1981
12. श्री बी० बसु		13-5-1981
13. श्री आर० सी० घोषाल		29-4-1981
14. श्री डी० एन० पाल		2-6-1981
15. श्री बी० के० दास		15-4-1981

1	2	3
16. श्री एम० पी० सिंह		15-4-1981
17. श्री के० पी० मंडल		6-5-1981
18. श्री के० बी० लाल		11-5-1981
19. श्री एन० आर० पटेल		2-5-1981
20. श्री एस० हसदा		15-4-1981
21. श्री अंबिका चरण सरकार		15-4-1981

के० मुख्यमंत्री,  
मौसम विज्ञानी (स्थायी)  
हृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ई० (1) 00705—मौसम विज्ञान के महानिदेशक के कार्यालय, भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के मुख्यालय में मौसम विज्ञान के स्थानापन्थ अपर महानिदेशक डा० पी० एस० पंत 20-5-1981 के पूर्वान्त से सरकारी सेवा से स्वेच्छा से निवृत्त हो गए।

नूतन धास  
निदेशक प्रशासन  
हृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० 31013/1/80-ई० एस०—राष्ट्रपति ने श्री एम० एम० बक्शी को दिनांक 13-7-1980 से नागर विमानन विभाग में पायलट के ग्रेड में स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/2/81-ई० एस०—महानिदेशक नागर विमानन ने, क्षेत्रीय निदेशक कलकत्ता थोक, कलकत्ता एयरपोर्ट, कलकत्ता के श्री ए० एल० शाह को दिनांक 15 जून, 1981 से प्रशासनिक अधिकारी (समूह “ख” पद) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किया है।

जगदीश चन्द्र गर्ग,  
सहायक निदेशक प्रशासन

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	प्रविनियम के उल्लिखित उपबंध	प्रविरोपित शास्ति की राजमिति
1	2	3	4	5
1.	सी० नामपेर्सनल गोहर	तंबाकू व्यापारी लेन० 5 नं० 17/67 (टाब) नं० 15, कोहमसेइन स्ट्रीट अटटूर, सेलम (जिला)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक के दंडित और रु० 200/- अधिनियम 1944 की धारा 9(1) खुकाने का जुर्माना, अनुप-ख 9 (1) ख और केन्द्रीय उत्पाद स्थिति में 2 महीनों का कठोर शुल्क 1944 के नियम 151(ग), कारावास की सजा आदेश 160, 232 और 226	दुआ है।

11—विभागीय न्यायनिर्णय

### भारतीय बन सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० 4-2/81-प्रशासन—श्री भूपती मोहन देव जो कि तिपुरा बन विभाग के सहायक बन संरक्षक हैं, को भारतीय बन सर्वेक्षण, पूर्वी अंचल, कलकत्ता में दिनांक 19 जून, 1981 की पूर्वान्त से सहायक निदेशक (फारेस्ट इन्वेन्टरी) के पद पर इस कार्यालय के पत्र क्रमांक 3-10/80 प्र० दिनांक 23 मई 1981 में दर्शाई गई प्रतिनियुक्ति की शर्तों के आधार पर आगामी आदेशों तक नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 4-2/72 प्रशासन—श्री डी० एस० रावत, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून के रिसर्च आकिसर, जो कि भारतीय बन सर्वेक्षण, देहरादून में सहायक निदेशक (सांभूतिकीय) के पद पर प्रतिनियुक्ति के आधार पर कार्य कर रहे थे, को दिनांक 10 जून, 1981 (प्रपराह्न) से कार्यमुक्त कर विद्या गया है और उनकी सेवाएं प्रेसिडेंट, बन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून को सौंप दी गई हैं।

ए० बी० बौध्यरी, निदेशक

### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय

मद्रास-600034, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० IV 16/324/81-cx. Adj.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) की नियमावली, 1976 के नियम 232-के उपनियम (1) के अन्तर्गत प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जो दिनांक 21-2-1976 से प्रभावी है, यह घोषित किया जाता है कि उपनियम (2) के अन्तर्गत निर्दिष्ट केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम 1940 की धारा 9 के अन्तर्गत न्यायालय द्वारा दोषी ठहराये गये व्यक्तियों और उनके नाम, पता व अन्य विवरण जिन पर पूर्वोक्त अधिनियम की धारा 33 में निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा हप्ते 10,000 या उससे अधिक शास्ति अधिरोपित की गयी है, वह इस प्रकार है। घोषाई हिस्सा 31-3-1981 के लिए

प्रविनियम के उल्लिखित उपबंध प्रविरोपित शास्ति की राजमिति

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक के दंडित और रु० 200/- अधिनियम 1944 की धारा 9(1) खुकाने का जुर्माना, अनुप-ख 9 (1) ख और केन्द्रीय उत्पाद स्थिति में 2 महीनों का कठोर शुल्क 1944 के नियम 151(ग), कारावास की सजा आदेश 160, 232 और 226

भुवनेश्वर, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 7/81—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के कटक कार्यालय में स्थापित हुए श्री संस्थानन्द पटनायक 30-6-1981 (अ० न०) में इस विभाग से अवसर लिये।

सं० 8/81—सेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर केन्द्रीय उत्पाद और सीमाशुल्क के सम्बलपुर कार्यालय में स्थापित हुए श्री बेनुधर पन्डा, 30-6-81 (अ० न०), में इस विभाग से अवसर लिये।

पि० एन० सरनी  
सहायक समाहर्ता (मुख्या०)  
समाहर्ता के लिए  
केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शुल्क, भुवनेश्वर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय  
नौवहन महानिदेशालय  
बम्बई-400 001, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० 63-एस० वी० (1)/80—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर नौवहन महानिदेशक एतद्वारा श्री ए० कालिकुला खान को दिनांक 26 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक अस्थायी तौर पर क्षेत्रीय अधिकारी (पाल) कालिकत के रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० एम० ओचाणी,  
नौवहन वरिष्ठ उप महानिदेशक

बम्बई-400 001, दिनांक 10 जुलाई 1981  
वणिज्य पोत परिवहन

सं० 6 (3)-सी० आर० ए/76—नौवहन महानिदेशक, बम्बई श्री पी० पी० उमेरिया, सहायक नाविक पाल, बम्बई को दिनांक 18 जून, 1981 अपराह्न से अगले आदेशों तक उप नाविक पाल के रूप में नियुक्त करते हैं।

भा० कृ० पवार  
नौवहन उपमहानिदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय  
(कम्पनी कार्य विभाग)  
कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और बसन्त पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

संख्या 532/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि 2-176GI/81

बसन्त पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और श्री साई चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

संख्या 858/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि श्री साई चिट फंड प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दि आंध्रा प्लान्टरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1226/560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण के एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि आंध्रा प्लान्टरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और एरो फार्मा लैबोरटरीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 855 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर एरो फार्मा लैबोरटरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और राजसीस टीस (इंडिया) लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1089 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर राजसीस टीस (इंडिया) लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और सपना प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

सं० 1430 (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर सपना

प्लासटिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

वि० एस० राजू  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,  
आनंद प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नटेशन ड्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 3856/860(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि नटेशन ड्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

1

कम्पनी अधिनियम 1956 और टि० के० आर० जि० ड्रान्सपोर्ट्स, प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4815/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टि० के० आर० जि० ड्रान्स-पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बुलबुलस रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4722/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि बुलबुलस रोडवेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और संजीवि ड्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4725/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि संजीवि ड्रान्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सेविन्स पर्मनेन्ट फन्ड (सि० बि० ई०) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 4749/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सेविन्स पर्मनेन्ट फन्ड (सि० बि० ई०) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चेन्नामरा चिट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जलाई 1981

सं० 5661/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि चेन्नामरा चिट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

एच० बनर्जी  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और योगन्जली पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 6 जुलाई 1981

सं० 6960/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि योगन्जली पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

ए० अपठनीय  
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम 1956 और गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

पटना, दिनांक 9 जुलाई 1981

सं० (1213) 3/560/81/821—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसार एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर गारमेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

पी० के० चटर्जी  
कम्पनी रजिस्ट्रार, बिहार, पटना

प्रस्तुप आइ० टॉ० एन० एस० —

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० अर्जन/773/गाजियाबाद/81:82—अतः मुझे  
विवेक बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. में अधिक है

और जिसकी सं० 213 है तथा जो गांधी नगर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी  
24-11-1980

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और नुस्खे यह  
विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसैं इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसैं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उक्त इश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(प) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में  
कमों करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;  
धौ/था

(ष) एसैं किसी आय या किसी भन या अन्य आविस्तयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहए था, छिपाने में सुविधा  
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, अ०, उक्त अधिनियम की धारा 269-प को उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षा:—

1. श्री देवेन्द्र कुमार सूद पुत्र श्री गोविदराम कपूर  
निवासी 139 नया गांधी नगर गाजियाबाद  
(अन्तरक)
2. श्री देवराज महाजन श्रीमति करुणा महाजन पत्नी श्री  
देवराज महाजन निवासी, डी० ए० प्लाट नं० 28  
शेख सराय मालवीय नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीहाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करें भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लांबित में दिए जा सकेंगे।

साझेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नम्बर 213 गांधी नगर गाजियाबाद में स्थित  
है जो कि 2,00,000/- रुपये का बेचा गया।

विवेक बनर्जी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक 9-7-1981

मोहर:

प्रध्य बाई. टी. ए. एच. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

प्रार० ए० सी० नं० 99/81-82—अतः मुझे एस० गोविन्द  
राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि सर्वे नं० 41, 49, है 50 है जो काकागुडा  
अरबनातालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपावद  
अन्तसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय मेड्थल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम 1908 '1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके इश्यमान प्रतिफल से इससे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति  
(अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए दो पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने वाले सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तवों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिखाने में  
सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसारण  
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अन्तर्गत विभिन्न व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पति लेट ऊटला एसम्मा
- (2) श्री ऊटला रामास्वामी पिता वैसाही
- (3) श्री ऊटला लक्ष्मन पिता लेट ऊटला सरकम्मा
- (4) श्री ऊटला मुत्यालु पिता वैसेही
- (5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पति वैसेही  
काकागुडा, सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

2. मैसर्स दि श्री पुरी को-आपरेटिव हाउजिंग सोसाइटी,  
लि० रजिस्टर नं० टी ए वी० ५६, १४४, नेहरूनगर,  
सिकन्दराबाद ।  
बाह अध्यक्ष श्री बी० वेकटेस्वरलु पिता लेट बी०  
रामलिंगम सेंट्रली श्री बी० सामनाथ शर्मा पिता  
बी० राजेस्वर शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थमें किए  
कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

जमीन का टुकड़ा, 17 गुंडे (2057 घो० गज) सर्वे  
नं. 41, 49 और 50 काकागुडा, अरबन तालुक सिकन्दरा-  
बाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2675/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी मेड्थल ।

एस गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं. आर.ए.सी.० नं. 100/81-82—अतः मुझे एस०  
गोविन्द राजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि सर्वे नं. 41, 49, 50 है जो  
काकागुडा, अरबन तालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय मेडचल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती  
(अन्तरिताँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्टिक  
रूप से काथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः:—

- (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पिता लेट ऊटला एलम्मा  
(2) श्री ऊटला रामस्वामी पिता वैसे सी  
(3) श्री ऊटला लक्ष्मण पिता लेट ऊटला मरवटया,  
(4) श्री ऊटला मुत्यालुपिता वैसे ही  
(5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पिता वैसे ही  
काकागुडा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

- मैसंसं दि श्री पूरी को-प्रापरेटिव हाउर्जिंग सोसाइटी,  
लि० रजिस्टर नं. टी० ए० बी० 56, 184, नेहरू  
नगर, सिकन्दराबाद ।  
बाह अध्यक्ष श्री बी० बेकटेस्वरसु पिता लेट बी०  
रामलिंगम सेक्टरी श्री बी० सोमनाथ शरमा पिता  
बी० राजेश्वर शरमा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यपालियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 विन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
मूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोक्तरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### बनुसूची

भूमि का टुकड़ा 30 गुणे (3630 बी० गज) सर्वे नं.  
41, 49, और 50 काकागुडा अरबन तालुक, सिकन्दराबाद ।  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2654/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
मारेड पल्ली ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रस्तुत गाइ० टी० एन० एस० ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आरा० ए० सी० नं० 101/81-82—अतः मुझे,  
एस० गोविन्द, राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी भूमि सर्वे नं० 41, 49, 50 है जो काकागुड़ा,  
अरबन तालुक, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपावस्था  
ग्रन्तुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, मेडनल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980  
के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(घ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्रीमति ऊटला मलम्मा पति लेट ऊटला एलयां
- (2) श्री ऊटला रामस्वामी पिता वैसेही
- (3) श्री ऊटला लक्ष्मण पिता लेट ऊटला सरव्या
- (4) श्री ऊटला मुत्यालु पिता वैसेही
- (5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मम्मा पति वैसेही  
काकागुड़ा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स द्वि श्री पूरी को-आपरेटिव हाउर्जिंग सोसाइटी,  
ली० रजिस्टर नं० टी० ए० बी०, 56, 184, नेहरू नगर  
सिकन्दराबाद। अध्यक्ष श्री बी० बैंकटेस्वरलु पिता लेट  
बी० रामलींगम, सेक्टरी श्री बी० सोमनाथ शर्मा पिता  
श्री बी० राजेश्वर शर्मा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण्यः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्से  
द्वाधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित भैं किए जा सकेंगे।

स्थलीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का तुकड़ा, 30 गुडे (3630 चौ० गज) सर्वे  
नं० 41, 49, और 50, काकागुड़ा अरबन तालुक सिकन्दरा-  
बाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2644/80 रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्दराजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 29-6-1981

मोहरः

प्रस्तुप ग्राही ० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 102/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सक्षम आधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० जमीन का तुकड़ा है, जो सर्वे नं० 41, 49,  
50, काकागुड़ा, सिकन्दराबाद स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्णलूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, मेडचल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण, अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पद्धति प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नव पाया गया परिकल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निवित में वास्तविक रूप से लिया नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किया गया की बावा, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आया या किसी धन या अन्य आस्तियों  
या, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :—

1. (1) श्रीमति उटला मलेम्मा पति लेट उटला एलम्पा,  
(2) श्री उटला रामस्वामी पिता वैसे ही  
(3) श्री उटला लक्ष्मन पिता लेट उटला सरबद्धा  
(4) श्री उटला मुत्यालु पिता वैसे ही  
(5) श्रीमति उटला लक्ष्ममा पति वैसे ही

(अंतरक)

2. मैसर्स दि श्री पूरी को-आपरेटिव हाउजिंग सोसाइटी  
लिमिटेड रजिस्टर नं० टी० ए० बी० 56, 184,  
नेहरू नगर, सिकन्दराबाद ।  
बाइ अध्यक्ष श्री बी० वेंकटेस्वरलु पिता लेट बी०  
रामलीगम, सेक्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शरभा पिता बी०  
राजेश्वर शरमा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यान्वयिता करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवधियों पर  
मूल्यांकन की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवधियों में से किसी अवधि द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवधि द्वारा अधोदृस्ताधारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है,  
वही प्रथम होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

जमीन का तुकड़ा, 30 गुठे (3630 चौ० गज), सर्वे  
नं० 41, 49 और 50 काकागुड़ा अरबन तालुक, सिकन्दरा-  
बाद । रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2626/80, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी सिकन्दराबाद ।एस० गोविन्द राजन  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रक्षण पाइँटी०एन०एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 103/81-82—प्रतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाइचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सं० नं० 41, 49, 50 है, जो काकागड़ा, अरबन तालुक, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पांचवां प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विशिष्ट में वास्तविक रूप में नहिं नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूर ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) की उपाधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवैत :—

1. (1) श्रीमति उटला मल्लमामा पति लेट ऊटला बल्लम्बा
- (2) श्री ऊटला रामम्बामी पिता वैसे ही
- (3) श्री ऊटला लक्ष्मन पिता लेट ऊटला सरबम्बा,
- (4) श्री ऊटला मुत्यालु पिता वैसे ही
- (5) श्रीमति ऊटला लक्ष्मणा पति वैसे ही काकागड़ा, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स दी श्रीपुरी को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, लिमिटेड रजिस्टर नं० ए० बी० 56, 184-नेहरू नगर, सिकन्दराबाद।

बाइ अध्यक्ष श्री बी० वेंकटेस्वरलु पिता लेट बी० राम-लिंगम सेन्ट्रेटरी श्री बी० सोमनाथ शर्मा पिता बी० राजेश्वर शर्मा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का तुकड़ा, 30 गुडे (3630 चौ० गज) सं० 41, 49, 50, काकागड़ा अरबन तालुक, सीकन्दराबाद। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2614/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 104/80-81—अतः  
मुझे, ए० गोविन्द राजनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 201/3 है, जो साहेबनगर, हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन नवम्बर, 1980 कोपूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
नियित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में नहीं करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; प्रीरया(ख) ऐसो किसी आय या निसी ब्रन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें मारती आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्ननियित अन्तियों, अधीत् ।—

3—176GI/81

1. (1) श्री रवीन्द्र साहेबनगर, हैदराबाद  
(2) श्री वी० प्रताप रेड्डी, घर नं० 3-3-1002  
कुतबीगुडा, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)
2. मैसर्स कोलापेट को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
बाहु अध्यक्ष गनेशप्रसाद, सकेसर बाजार,  
घर नं० 16-2-805, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैतात्मकी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 4 एकर, 35 गुणे, सर्वे नं० 201/3, साहेबनगर,  
हैदराबाद । रजिस्ट्रीफ्लूट विलेख नं० 10371/80, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी हैदराबाद ।एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981 ।

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 जून 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 105/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० 201/3 है, जो सहूलनगर, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

कां पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तोविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. (1) श्री इस्वरराम साहेबनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोलापेट कोप्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी, वाइ अध्यक्ष गणेश प्रसाद, सकेमर बाजार, घर नं० 16-2-803, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मरिधा के लिए और/या

(ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-का अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्यका अधिनियम, 1957 (1957 का 7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रथम नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मरिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

एस० गोविन्द राजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 29-6-1981  
मोहर।

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अधिकार अधिकार (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० न० 106/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

अधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी मं० घर न० 6-3-1109/3 है, जो सोमाजी  
गुडा, हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची  
में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980

को पूर्वोत्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप सं कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हूई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के  
द्वागत्य में कमी करने या उसमें बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपथारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सोमनाथी भूपाल पिता क्रीष्णाराम भूपाल (लेट)  
जी० पी० ए० श्री आर० सुरेंद्र रेडी पिता राधव  
रेडी, घर नं० 1-10-147, बेगमपेट, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमति संतोषकुमारी आगरवाल पति शामसुन्दर  
आगरवाल, 1-2-597/4, धोमलगुडा, हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्ता सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण** :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

घर नं० 6-3-1109/3 सोमाजीगुडा, हैदराबाद 744.5  
चौ० गज । रजिस्ट्रीक्यून (विलेख नं० 11776/80) रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक अधिकारी अधिकार (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन पूछना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 107/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 5-1-655 है, जो तुपबाजार, हैदराबाद में स्थित  
है (और इससे उपांचद्र अमुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथार्थकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तररक (पन्तरकों) और अन्तरिती (पन्तरस्तियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में  
उक्त प्रतिफल विवित रूप से वर्णित रूप से कथित नहीं किया गया(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन नहीं देने के अन्तरक के वायित्व  
ने कमो हरने या उसे बताने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित अधितयों, अर्थात् :—1. श्रीमति अमतुल मजीद पति लेट सएट वहीदुद्दीन  
घर नं० 5-1-655, तुपबाजार, हैदराबाद ।  
(अन्तरक)2. (1) श्री अफजल एल० हक पिता एहसासुल हक  
(2) कमर जहां बूबी पति सयद हामीद मोहीउद्दीन,  
घर नं० 16-2-60, अकबर बाग, मलकपेट,  
हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए जायंबाहिया भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के मंबंध में काई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख म  
45 दिन की अवधि या उत्तरांचली अदितियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि  
बाद में भवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी  
में से किसी अधित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी भन्य अधिकत द्वारा, यथाहस्तान्त्री  
के पास निवित में किए जा सकेंगे ।उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

घर नं० 5-1-655, तुपबाजार, हैदराबाद का भाग 1  
1103 औ० फुट 1 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 12007/80  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।एस० गोविन्द राजन,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश मं० आर० ए० सी० नं० 108/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सूक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 1-10-121 है, जो बेगमपेट, सिकन्दराबाद  
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ए० के० कुनहीतामन नाम्बीयर पिता चंतन  
नाम्बीयर सेवा निवास इन्सपेक्टर जनरल आफ पोलीस,  
1-10-121, मयूर मार्ग, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री श्री भजन ब्रत्यचारी सेवा आश्रम रजीस्टर नं० 222  
ग्राम्यक्ष ए० के० बोस पिता लेट एस० सी० बोस,  
सेकेटरी श्री वी० के० संघी पिता गीरीजी प्रसाद  
संघी, 1-10-121, बेगमपेट, हैदराबाद-16 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्पष्टोकरण:—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अनुसूची

जमीन का प्लाट, 1 एकर, 29 गुंदे, मर्वे० नं० 182/7  
और 182/9, घर के साथ एस० नं० 1-10-121 घर के  
ग्रामावा, गरेजेम, कट्टल, सेड्स एस० नं० 1-10-119, 120,  
122 में 125 बेगमपेट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 295/80,  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सिकन्दराबाद ।

एस० गोविन्द राजन,

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 4-7-1981

मोहर :

## प्रलूप आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पश्चायन प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 109/81-82—अतः  
मुझे, एस० गोविन्द राजन,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ  
के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थान सम्पत्ति, जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 7 है, जो सूखर नगर गांव,  
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन नवम्बर, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण ने ही किसी प्राप्त की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्षके दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तरण को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के, अमुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री के० सुर्यकांत, घर नं० ए-४, साहनीक पुरी, सिकन्दरा-  
बाद ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स कोत्तापेट को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी,  
बाई प्रधाक्ष श्री गणेश प्रसाद, 16-2-805, सेक्सर  
ब्राह्मार, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थान सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्साकारी के पास  
लिखित में फिर जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

भूमि, सूखर नगर गांव, 1 एकर 32 गुण्ठे, सर्वे नं० 7,  
प्लाट नं० 10 और 11 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10438/80  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

ए० गोविन्द राजन,  
सभी प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 110/81-82—अतः

मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), धारा 269-प  
के प्रधीन पत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिनमा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
प्रत प्रत प्रति है

और जिसकी प्लाट है, जो चिराग अली लेन, हैदराबाद में  
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का  
प्रदृश्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निर्दित में  
प्रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
प्रौद्योगिकी,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने  
में नुविद्धा है निए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के  
प्रधीन, निम्नलिखित अस्तियों, वर्तत :—

- (1) श्रीमति पुष्पादेवी बीयानी पति श्री बालभ बीयानी,  
रहने वाले तलेगांव, जीला उस्मानाबाद, महाराष्ट्र  
अब काचीगुडा, हैदराबाद में है।  
(2) मेसर्स शंकरलाल एण्ड शंकरलाल बाइ (अ) शंकर  
लाल दीवेदी घर नं० 3-2-866, काचीगुडा,  
हैदराबाद (ब) श्री शंकरलाल कार्बा घर  
नं० 3-2-853, काचीगुडा, हैदराबाद।  
(अन्तरक)
- श्री वी० शीव प्रसाद पिता वी० दीगंबर राव, रहने  
वाले महेश नगर कालोनी, चीरागग्रामी लेन, हैदराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में  
से किसी अविक्त द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवड़  
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधिस्थानकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

रजिस्ट्रीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
पर्यंत होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टम्परेरी स्टूचर के साथ जमीन का भाग 250 चौर० गज,  
महेशनगर कालोनी, चीरागग्रामी लेन, हैदराबाद। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 6-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि स० आ० आ०/एक्टीजीएन-/II  
एस० आर०-1/11-80/7160—अतः मुझे, विभल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी सं० एफ-42 जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति राम दुलारी विधवा श्री वस्ती राम, निवासी, एफ-42, कमला नगर, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री कस्तुरी नाल और काश्मीरी नाल वैद, श्री कालू राम निवासी 5256 कोलापुर, मकान दिल्ली-7 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एफ 42 (डबल स्टोरी) जिसका श्वेतफल 232.2 वर्ग गज है कमला नगर में स्थित है ।

विभल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-, नई दिल्ली

दिनांक : 9-7-1981

मोहरः

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110001 दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ-3 नि० स० आ०-आ०/एक्षयीजिशन-II/एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 72/1, अलाक नं० 2 है एवं जो कीर्तीनगर नई दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संख्या मूल्य में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री ग्रन्टिन्ड्र सिंह पुत्र श्री गुरमुख सिंह, ए-3, कैलाल पार्क, कीर्ती नगर नई दिल्ली वर्तमान पता नी०-10/21, राजीरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति अजीत कौर पत्नी श्री अच्छर सिंह निवासी 691--अशोक पार्क मैन रोहतक रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**पंजीकरण:--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### जनसूची

प्लाट नं. 72/1, जिसका क्षेत्रफल 200 कर्गेज है कीर्तीनगर में स्थित है ।

विमल विश्वास  
सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक आयकर आयकर  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3999—चूंकि मैं विमल विशिष्ट,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं जो गांव मसूदाबाद तहसील  
नजफगढ़ में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 80  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उत्तरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित महीं किया गया है:—

(म) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर हेते के अन्तरक के  
लायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अधिनियमों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहाएँ था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार और सुभाष चन्द्र बेटे श्री हंस राज,  
ए-207, कालका जी, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमती तारा टण्डन, पत्नी श्री एम० सी० टण्डन,  
बी-7, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गोपनीयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्माक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

मनुसूची

कृषि भूमि गांव मसूदाबाद, सब तहसील नजफगढ़, नई दिल्ली ।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयकर  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 7-7-1981

मीहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजिशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3998—चूंकि मैं विमल विशिष्ट,  
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उन्नेत बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

जिसकी सं० कृषि भूमि है एवं, गांव मसूदाबाद तहसील नजफगढ़ में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है का पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1), के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार और श्री सुभाष चन्द बेटे श्री हंस राज, ए-207 कालकाजी नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती तारा टण्डन, पत्नि श्री एम० सी० टण्डन, निवासी बी-7, एन० डी० एस० ई० पार्ट-II, नई दिल्ली।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योग:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा नं० 32, थेक्फल 3 वर्ग गज और 1 बिसवा गांव मसूदाबाद, सब तहसील नजफगढ़ नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट

सक्षम प्राधिकारी

निरीक्षण सहायक प्रायकर प्रायुक्त

ग्रन्जन रेंज-II नई दिल्ली

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निरेश सं० संदर्भ नि० स० आ० आ०/एक्सीजिशन-II/एस० आर० II/11—80/4000—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या हृषि भूमि है एवं जो गांव मसूदाबाद सब तहसील नजफगढ़ में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

हृषि भूमि छसरा नं० 35, गांव मसूदाबाद सब-तहसील, नजफगढ़ नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिला कुमार और श्री सुभाष चन्द्र बेटे श्री हूंस राज, ए-207, कालकाजी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति तारा टण्डन, पत्नि श्री एम० सी० टण्डन, निवासी श्री-7, एन० बी० एस० सी० पार्ट-II, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

दिनांक : 7-7-1981  
मोहर :

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अजन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एस्कीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3923—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है  
और जिसकी संलग्न कृषि भूमि है एवं जो होलम्बी कलान, दिल्ली  
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वक उचित बाजार  
मूल्य, उसके अथवान प्रतिफल से, एसे अथवान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण अन्तरित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की दावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण  
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तमें अधितः:—

1. श्रीमति अम्बेश्वरी पत्नी श्री जागे राम, निवासी 55-ए,  
सराय पीपल भला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत बजाज, बलदेव बजाज सुभाष चन्द्र और  
राजेन्द्र कुमार बेटे श्री अमर नाथ द्वारा जय हिन्दू टिम्बर  
स्टोर, 6926/137, जयपुरिया मिल्स, क्लाक टावर,  
सज्जी मण्डी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी जाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 9 बिगाज और 12 बिसवा जो किलोमीटर नं०  
53, 16, 23, 24, 25 गांव होलम्बी कलान दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 14-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली  
नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० स०आ० आ०/एक्सीजिशन-II/  
एस० आर०-१/११-८०/७२१—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 775, है एवं जो सज्जी गंज, कश्मीरी गेट,  
दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन पंजीकरण प्रधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवृद्ध था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति कमला बेटी श्री केवार नाथ पहली जग मोहन  
निवासी 775 सज्जी गंज कश्मीरी गेट, दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति हरजीत कौर सहित पत्नी श्री चरणजीत सिंह  
निवासी सी-5/22, माडल टाउन, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/2 हिस्सा प्राप्ती नं० ७७५ (नई) वार्ड नं० १ सज्जी गंज,  
कश्मीरी गेट, दिल्ली ।विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 9 जुलाई 1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002; दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं. संदर्भ 3 नि. सं. आ० आ०/एक्वीजीशन-II/

एस० आर०-I/11/80-3996—बूँकी मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जे-3/35, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है,  
(जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है),  
को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
(अन्तरितियों) के लिए अन्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में  
दास्ताविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्त्रियों  
को जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति हरमीहिन्द्र कौर सहगल, (2) श्री हरभजन सिंह  
सहगल और दूसरे निवासी 9039, गली नं. 1, मुलतानी  
ढाड़ा, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति राजरानी पत्नी लेट श्री हीरा लाल पचमा,  
निवासी जे-7/69 रजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।  
(प्रतिरक्षित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं. 3/35, जिसका क्षेत्रफल 160 वर्ग गज, रजौरी  
गार्डन में स्थित है ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आहू.टी.ए.प.एस. -----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ नि० स० श्रा० श्रा०/एक्वीजीशन-II/  
 एस० आर०-II/11-80/3989—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/- रु. से अधिक है  
 और जिसकी संख्या सी 95 है एवं जो न्यू मुलतान नगर,  
 दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
 अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908  
 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
 दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से एसे छयमान प्रतिफल का  
 अन्यही प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से किंवित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिता  
 के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सूचिता के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री महेन गोपाल खन्ना बेटा श्री जेठा नन्द खन्ना,  
 निवासी मकान नं० सी 95 न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।  
 (अन्तरक)
2. श्री प्रर्जन देव मलिक बेटा श्री लोक नाथ मलिक  
 निवासी मकान नं० ए-३९ न्यू मुलतान नगर, दिल्ली।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित के लिए  
 कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपांत्स्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
 नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं,  
 वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ज्या  
 है।

मृत्युजी

मकान नं० सी 95 जो कि ब्लाक सी न्यू मुलतान नगर में  
 स्थित है

विमल वशिष्ठ;  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त,  
 प्रजंन रेंज II नई दिल्ली।

दिनांक: 9-7-1981

मोहरः

प्ररूप बाहूँ. टी. एन. एस. ----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० स० आ० आ०/एकवीजीशन-II/एस० आर०/  
11—80/7190—धूंकि मैं, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 8/34 है एवं जो कीर्ति नगर, उद्योगिक  
क्षेत्र, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने  
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उपलेख से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

अनुसूची

(क) ऐसी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत ५—

5—176GI/81

1. श्री चुम्बी लाल थला बर्झी, 33, काशुर रोड, जानन्धर  
(पंजाब)  
(अन्तरक)
2. कुमारी वरिन्दा इन सुपुत्री श्री पदमा दत, 693, ब्लाक  
'ओ' नथ अलीपुर, कलकत्ता और दूसरे  
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

इस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

त्वचीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

प्लाट नं० 8/34, क्षेत्र 1867 वर्ग गज जो कीर्ति नगर,  
उद्योगिक क्षेत्र में स्थित है।

विमल विशिष्ट,  
मक्षम प्राधिकारी  
महायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रख्याति आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० स आ० आ०/एक्टीजीशन-II/  
एस० आर०-11-80 7152:—चूंकि मैं विमल विश्विष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 27, रोड नं० 16,  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (जिसका प्राधिक विस्तृत  
विवरण सलग अनुसूची में दिया गया) को पंजीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण  
प्राधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप स कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर इने के अन्तरक  
के दायित्व में कभी करने पा उसके बहुम वे  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भ्रन या घन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधा कृष्ण खन्ना बेटा लेट श्री गोविन्द राम  
श्रीमति भोली आई विधवा श्री गोविन्द राम, ६.  
237, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति वीरा देवी पत्नी लेट डा० राम चन्द निवासी  
4/37, डल्लू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की वारीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में व्याप-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

खाची प्लाट नं० 27, रोड नं० 16, जिसका क्षेत्रफल  
279.55 वर्ग गज है, पंजाबी बाग में स्थित है ।

विमल विश्विष्ट,  
सभाम प्राधिकारी निरीक्षण  
सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोदूर :

प्रस्तुप मार्ग १० दी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269प्र(1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, प्रदायन आयकर आयवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 जुलाई 1981

निवेश सं० संदर्भ ३ नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन-IV/  
एस० आर०-१/११-८०/७१५७—चूंकि मैं विमल विश्विष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र  
के अधीन सक्रम प्राविकारी को, यड विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० है एवं जो मैं गली गजीना चूरी  
बालान दिल्ली में स्थित है जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न  
अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
कार्यालय दिल्ली में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया  
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से तुर्दि जिसो आय नो गावत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उसस बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी ब्रन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, पर्यात :—

1. श्री रघुराम बेटा श्री अधोदास निवासी 3804, गली  
मगजीन, चूरी बालान, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद अकिल बेटा अहमद यार खान और बमूदा  
बेगम पत्नी मोहम्मद अकिल निवासी 2210, गली  
दगोटरान तुकमान गेट, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आये हरक इच्छ सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के परंपरा में कीर्ति भी अस्तिप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसंबंधी अन्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो प्री यवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अन्तियों  
में से किसी अन्तित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य अन्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्थावीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों औः पदों का, औ उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मकान सं० 3804 जो कि गली मैगजीन, चूरी  
बालान, दिल्ली ।

विमल विश्विष्ट,  
सक्रम प्राविकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली ।

दिनांक : 7-7-1981

सील :

प्राप्त आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

श्रीनगर, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 निं० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3967—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा  
269-प के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
सं० कीला नं० 30/4, 30/5, 23/24 और  
23/25 एवं जो गांव होलम्बी खुदू देहली में स्थित है,  
जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है को पंजीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां)  
के प्रधीन पंजीकरण प्रधिकारी के कार्यालय नई देहली स्थित  
में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दूष्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रतिशत के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कहित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपर्युक्त बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सामग्रीयों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-प के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-प की उपधारा  
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अक्षितयों, अवैत:—

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्द सुपुत्र श्री पं  
सिंह निवासी गांव पीपल याला, देहली ।  
(अन्तरक)
3. श्रीमति सुधा गुप्ता पत्नी विरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी  
1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइन्स, देहली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्रोप हैं—

- (क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षितयों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षितयों में से  
किसी अविक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

उद्देश्यकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वहीं  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

मनुसूची

1/2 हिस्सा कीला नं० 30/4 (4-16) 30/5 मीन  
(2-8) 23/24 (4-16) और 23/25 मीन (2-8) गांव  
होलम्बी खुदू, देहली ।

दिनांक 15-7-1981

मोहर :

विमल वशिष्ठ,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली ।

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ० आ०/पक्वीजीशन- /एस०  
आर०-II/11-80/7202—चूंकि मैं, विमल विश्वास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1925 वार्ड-III है एवं जो नया बाजार देहली  
में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16वां) अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गई है और मूँहे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा ब्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. (1) श्री बद्रुल इसलाम मुपुत्र श्री हाजी अब्दुल सलाम  
(2) अब्दुल हनन मुपुत्र अब्दुल मनन निवासी  
2225 गली हीन्गा बेग फाटक हावस खां खारी बाबली,  
देहली ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री राम कन्वर गुप्ता (2) राम निवास गुप्ता मुपुत्र श्री  
चन्द्र भान निवासी मेन बाजार बहादुरगढ़, डिस्ट्रिक्ट रोहतक,  
हरियाणा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आधेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिस्तानरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:-** इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

### अन्तस्थी

3 1/2 मंजिना मकान नं० 1925 (पुराना), 4104,  
4105 और 4154 (नया) वार्ड नं० III वर्न वस्टन रोड नया  
बाजार देहली ।

विमल विश्वास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली ।

दिनांक: 9-7-1981

सील :

जहाँ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3966—कूकि मैं, विमल विशिष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/14 (4-00), 30/7, 30/15 है  
एवं जो गांव होलम्बी खुदै, देहली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची से दिया गया है) को पंजी-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीभत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृति:—

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्द्र सुपुत्र श्री पोप  
सिंह निवासी गांव पिलल थाला, देहली ।

(अन्तरक)

2. श्री वीरेन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र स्वर्गीय श्री रघुबीर  
सरन गर्ग निवासी 1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइंस,  
देहली ।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यान्वयित्वां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहे भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
जहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

1/2 हिस्सा किला नं० 30/14 (4—00); 30/7  
(4-16); 30/6 मिन (2-6) और 30/15 मिन (2-00)  
गांव होलम्बी खुदै, देहली ।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली ।

दिनांक : 15-7-1981 ।

सील :

प्रकाश मार्ग १० टी० एम० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एम० प्रार०-II/11-80/3969—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उचित 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सकाप प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० 30/5 और 23/15 है एवं जो गांव होलसूची खुर्द, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान अतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्ट में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अस्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम मेहर और श्री मेहर चन्द बेटा पोप सिंह गांव पीपल थाला, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति उषा रानी जैन पत्नी श्री शाम बिहारी लाल, 4-ग्रांडर हिल रोड, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्तित दारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अस्तित दारा प्रधोहस्ताभारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 30/5, मिन (2-8) और 23/25 मिन (2-8) गांव होलसूची खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सकाप प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

दिनांक 15 जुलाई 1981

सील :

प्रस्तुप धाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० म० आ० आ०/एक्वीजीशिन-III/  
ए० आर०-III/11-80/3970—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की भारा 269-ष के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी संख्या 15/01, 30/4, 30/5 और 23/25 है  
एवं जो गांव होलम्बी खुर्द में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अन्मूली में दिया गया है) को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर,  
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में उस के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक स्था से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरोग से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी रुने या उससे बचने में मुदिष्ठा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मेहर चन्द्र और राम मेहर बेटा श्री पोप सिंह,  
निवासी गांव पीपल थला, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति सुधा गप्ता पत्नि श्री वरिन्द्र कुमार गुप्ता  
निवासी 1, शंकराचार्या मार्ग मिशन लाइन्स, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्म के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षण:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसंधी

1/2 हिस्सा किला नं० 30/4 (4-16), 30/5 मिन (2-8)  
23/24 (4-16) और 23/25 मिन (2-8) गांव होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

सील :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं. ३ नि० १०० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०  
II/11—८०/३९७१—चूकि मैं विमल विश्वासआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या किला नं. 30/6, मिन (2-08), 3015  
गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर,  
1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित महीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हूँ इसकी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ल) एसी किसी आय या किसी भूमि या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यापार प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः बता, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपपादा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्ता हूँ—

6-176GI/81

- श्री राम मेहर चन्द बेटा पोप सिंह, गांव  
सराय पीपल थामा, दिल्ली  
(अन्तरक)
- श्री एस० बी० नाल बेटा श्री जैनेन्द्र प्रसाद ४-  
अण्डर हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सत्तरावन्धी अविक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा अधेष्ठाताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

किला नं. 30/6, मिन (2-08), 30/15 (2-00)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली।विमल विश्वास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

सील :

प्रलेप प्राई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० स० आ० आ०/एक्सीजीएन-  
II/एस० आर०-II/11-80/3965—चंकि मैं विमल वशिष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन वक्तम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या 30/14, 30/7, और 30/15 है एवं  
जो गांव होलम्बी खुर्द देहली में स्थित है (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजी-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एक हफ्ते अवधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायद में कमी करने या उसके बचने में सुविधा  
के लिए; भोक्त्या।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उससे अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनाद्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मेहर चन्द्र और श्री राम मेहर सुपुत्र श्री  
पोप सिंह निवासी गांव पिपल थाला देहली  
(अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्र कुमार गुप्ता, सुपुत्र श्री रघुवीर सरन  
गर्ग निवासी 1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाईंस देहली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
43 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना को लाभेन से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

1/2 हिस्सा कीला नं० 30/14 (4-00), 30/7  
(4-16) 30/6 मीन (2-8) और 30/15 मीन (2-00)  
गांव होलम्बी खुर्द

विमल वशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
(निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन-रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

सील :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 निं० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80-3968—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/17 है एवं जो 23/16 गांव होलम्बी  
खुर्द, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के विलीन स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
बीतू/वा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों (ग) अधूत ६—

1. श्री राम पेहर श्री मेहर चन्द बेटा पोप सिंह, निवासी  
गांव पीपल थला दिल्ली

(अन्तरक)

2. मिस रजीता (माइनर) बेटी श्री वीरेन्द्र कुमार गृहा  
बेटा लेट श्री रघुबीर सरण गर्ग निवासी-1, शंकराचार्य  
गांव, दिल्ली ।

(अन्तक)

को यह सूचना घारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्समानी व्यावरणों पर सूचना  
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में पारम्परिक  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसूची

किला नं० 23/17 (4-16) और 23/16 एम (2-8)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षणी सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981  
सील :

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प(1) के अधीन सूचना  
आवश्यक संख्या—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

संवर्ध 3 निं० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आ०-II/  
11-80/3901—चूंकि मैं विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसांग पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन तथा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर तमाति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी संख्या प्लाट नं० 8 रोड नं० 46 है एवं हो  
पांबी बाग, मादीपुर दिल्ली स्टेज, दिल्ली में स्थित है, (सिका  
अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को  
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवंबर 1980

को पूर्वोन्नत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोन्नत सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन  
नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण न होई किसी आय की आवश्यकता उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी नहीं आ उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यद्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

1. श्री प्रशोक कुमार दुम्हा 41, दुम्हा भवन, आर्यनगर, रोहतक और दूसरे

(अन्तरक)

2. श्री महेश कुमार सुपु श्री शंकर दास और श्री  
राजेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री भोला नाथ एफ-65, मान-  
सरोवर गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोन्नत सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोन्नत व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर तमाति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के आव लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गद्दों मा, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
मर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 8 रोड नं० 46 क्षेत्र 279.55 वर्गगज जो  
पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है।

विमल विश्वास,  
सशम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

सील :

प्रलेप प्राई. टी० एन० एस०—

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्वेश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आरा०-II/12-80/3972—चक्रि में, विमल बशिष्ट, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 23/16 है एवं जो मिन (2-बी), गंव होलम्बी खुदं दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है), को पंजीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण प्रधिकारी के दिली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सार्वतथों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उपरोक्त में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतितुः—

1. श्री राम मेहर चन्द बेटा पोप सिंह निवासी गंव पीपल थला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुधीर जैन बेटा श्री शाम बिहारी लाल, 4-अण्डर हिल रोड, सिविल लाइंस दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुचूली

किला नं० 23/16; मिन (2-बी) गंव होलम्बी खुदं, दिल्ली

विमल बशिष्ट  
सभी प्राधिकारी,  
निरीक्षण विभाग के अधीन सहायक ग्रायकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहूरः

प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II; नई दिल्ली

नई विल्सो-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्योजीशन-II/एस० आर०-II/  
11—80/3954—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सबसे प्राधिकारी को यह विवरण करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या कीला नं० 23/4 (4-16) है एवं जो  
23/5, 6/24 गांव होलम्बी खुर्दे देहली में स्थितहै, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया  
गया है), को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा)  
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में  
दिनांक नवम्बर 1981को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल का पक्षह  
प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और अस्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया ऐसे  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में  
दावत्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से नुई किसी आय की बाजार, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्त में कामी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाम अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, उपराने में  
सुविधा के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1),  
के अधीन निम्नलिखित अन्तरिती अन्तर्ति—1. श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री नेकी निवासी सराय पिपल थाला  
देहली

(अन्तरक)

2. कुमारी मोनीका गुप्ता (नाबालक) श्री वीरेन्द्र कुमार  
गुप्ता निवासी 1, शंकरनारायण भारा, देहली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न  
के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के उपराने में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरमध्ये पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अन्तरितीयों में से  
किसी अन्तरिती हारा;(ख) इस सूचना के उपराने में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी  
अन्य अन्तरिती हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकें।स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त मर्दों और वर्षों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अन्याय 20-क में परिभासित है, वही  
जर्ब होगा जो उस अन्याय में विद्या गया है।

## अनुसूची

किला नं० 23/4 (4-16), 23/5 मीन (2—8);  
6/24 (1-2) और 6/25 मीन (0-10) गांव होलम्बी  
खुर्दे देहली।विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० ही० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई विस्ती-110002, विनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संवर्द्ध 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०-II/11; 80/3955—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके अनुचान 'उच्च अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-व के प्रधीन समय प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि व्यापक सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० किला नं० 23/7/1 (0-16) और 23/6 (2-8) गांव होलम्बी खुर्द दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को दूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान अतिक्रम के लिए प्रत्यारूपित की वर्दि है तोर मूल्य यह विवास करने का कारण है कि यापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमाल प्रतिक्रिया से, ऐसे वृश्यमाल प्रतिक्रिया का पक्ष्यह प्रतिक्रिया से प्रविक्र है और प्रत्यारूप (प्रस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उससे अन्तरण निर्धारित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उच्च अधिनियम के प्रधीन करदेने के प्रत्यारूप के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ब) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या छनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाया प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए तथा उपराने में सुविधा के लिए;

वहतः यत्र, उच्च अधिनियम ना भारा 269-व के अनुक्रम में, मैं उच्च प्रधिनियम को धारा १५४वीं ती उच्चारण (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों प्रति:—

1. श्री हरी सिंह बेटा श्री मेही निवासी, सराय पीपल घासा, दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति विभा जैन पत्नी श्री राजिन्द्र जैन निवासी ।  
1 शंकराचार्य मार्ग सिविल लाइन्स विस्ती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते दूर्बोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वयों करता हूँ ।

उस सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससम्बन्धी अस्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में से किसी अस्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय दृष्टि किसी अन्य अस्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है ।

किला नं० 23/7/1 (0-16) और 23/6 (2-8)  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सकाम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर:

प्रलेप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

आर्जन रेंज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० स० आ० आ०/एक्सीजीसन-II/एस० आर०-  
I/11-80/7121—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जी 50 बाली नगर नई दिल्ली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित ।

कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रमोजनार्थ अन्तरिती ब्राह्मण प्रकट नहीं किया गया  
या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, जै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति गुरमीत गुलाटी पत्नी एन० एस० गुलाटी  
निवासी, 8/30, बेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति जोगिन्दर कौर पत्नी श्री अवतार सिंह आनन्द  
निवासी 17/54, तिलक नगर, नई दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि ज्ञात भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतुर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहित  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है ।

अनुसूची

एक मन्जिल मकान जो कि प्लाट नं० जी 50 बाली नगर  
में है जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है ।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
आर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहर :

श्रृंग बाहौदर, टॉ. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सुडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, नई दिल्ली  
नई दिल्ली-110002, विनांक 15 जुलाई 1981

निवेश सं० संवर्ष 3 नि० स० आ० आ०/एकवीजिशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3956—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ग के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/15/1 है और 24/11/1 (2-00)  
गांव होलम्बी खुदं दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया को पंजीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्ता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बयान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके बयान प्रतिफल से, ऐसे बयान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाधत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपचारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों व्यर्जित हूं—

7-176GI/81

1. श्री हरी सिंह बेटा नेकी निवासी सराय पीपल थला,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमति रीना जैन पत्नी श्री सुधीर जैन 4-प्रण्डर हिल  
सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/15/1 मिन (0-17) और 24/11/1  
(2-00) गांव होलम्बी खुदं दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
संशम प्राधिकारी  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त  
अर्जन रेज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर : .....

प्रकाश ग्राही दीप एन एस—

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

संदर्भ 3 निः स० आ० आ०/एस्वीजिसम-1/एस० आर०-II/  
11-80/3952—खूंकी मैं, विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पदचार्त 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० किला नं० 23/6 व 24/10 गांव होलम्बी  
खुंद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तास विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है (को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विस्तास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पर्याप्त प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
भौद्ध/गा

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. श्री हरी सिंह बेटा श्री नेही निवासी गांव सराय पीपल  
पला, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री रामेश जैन (माइनर) बेटा श्री सुशीर जैन 4-अण्डर  
हिल रोड सिविल लाइन्स, विल्ली।

(प्रतिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आलोचना—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्जेक्ट और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है [1].

अनुसूची

किला नं० 23/6, मिन (2-8) और 24/10 (4-16)  
गांव होलम्बी खुंद, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
पर्जन रेज II, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसर  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अन्तरि द्वारा

दिनांक : 15-7-1981  
मोहर :

प्र० आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-III/एस०  
आर०-II/11-80/3973—यतः, मैं विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० क्रिया नं० 23/14/21 (3-00) है एवं जो  
गांव होलम्बी खुर्द, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के विली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के बत्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क्ष) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्षा—

1. श्री राम मेहर और मेहर चन्द्र सुपुत्र पोप सिंह,  
सराय पीपल थला, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. कुमारी कविता गुप्ता सुपुत्री श्री विरेन्द्रा कुमार गुप्ता;  
पता: 1, शंकराचार्य मार्ग, सिविल लाइन, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में ज्ञाइ भी जानेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबुध  
किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तान्त्री के पास  
मिलित किए जा सकें।

सम्बन्धीकरण:—इसमें प्रदर्शन करने और पढ़ने का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
है, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

क्रिया नं० 23/14/2 (3-00) जो गांव होलम्बी खुर्द,  
दिल्ली से सिल्ल है।

विमल विश्वास  
सक्षम प्राधिकार  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/एस०  
आर०-II/11-80/3960—यह॑: मुझे, विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

और जिसकी संख्या 39/1, 2, 3, है एवं जो गांव भटियाला, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थाता (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात्—

1. श्री टेरेस सिंह बेटा श्री कुरे, निवासी गांव सिहोला, दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री मिलाप चन्द जैन बेटा जैत मल जैन श्री अशोक जैन और नागिमन जैन बेटा मिलाप चन्द जैन, निवासी 153-डी कमला नगर, दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायंवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 11 बीमा व 17 बिस्वास, खसरा नं० 39/1, 2, 3, गांव भटियाला

विमल विश्वास  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1981

मोद्दूर :

प्रलूप आई० ई० एन० एस०--  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई विल्ली-110002, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीएन 3-II/एस० आर०-II  
/11—80/3983—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन संवाद प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय विभाग उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संघ्या क्षाटर नं० 15-बी है एवं जो ब्लाक नं० 24 तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिकारी के नई देहस्ती स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल इसका उद्देश्य उक्त सम्पत्ति के उचित अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(१) अन्तरण पर हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम 6 प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(२) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य वास्तवियों से, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनाने के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अन्तीम, मिस्नलिखित व्यक्तियों, भर्ता :—

- श्रीमति जोगिन्दर कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह निवासी 24/15 बी, तिलक नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरक)
- श्रीमति जोगिन्द्र कुमारी निवासी 2/17, तिलक नगर, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 15-बी ब्लाक नं० 24 तिलक नगर, नई देहस्ती।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 10-7-1981

सील :

प्रकृष्ट प्राईंट टी० एन० एस०—

व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3929—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या कुषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी कलां  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची  
में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16वां) के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी के नई देल्ली  
स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से मुझे किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकृत:—

1. श्रीमती धप्तो पत्नी स्वर्गीय मीर सिंह निवासी 61  
सराय पिपल थाला, देल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री इष्टद्वजीत बजाज बलदेव राज बजाज सुभाष चन्द्र  
बजाज और राजीन्द्र कुमार सुप्रति श्री अमर नाथ  
द्वारा जैय हिन्द टिम्बर स्टोर 6926/137 जैयपुरीया  
मील क्लोक टावर सड़ी मन्डी दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्न के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
मर्य होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

9 विधा 12 विसवा खसरा नं० 53/16, 23, 24 और  
25 गांव होलम्बी कला देल्ली।

विमल वशिष्ठ  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक व्यायकर आयुक्त  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 14-7-1981

रीतः

प्ररूप बाहरू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जुलाई 1981

सं० ३नि० सं० आ आरा०/एक्ष्यीजीजीन—/एस०

आरा०-I/11—८०/७१०६—चुंकि मैं विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'चुंकि अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या जी 29 बाली नगर नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

के 'पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूचिभा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अनुक्रितियों अधारि:—

1. श्री रिशी राज बेटा श्री ज्वाला सहाय निवासी 7-ए/9 इमल्यू ६० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगन नाथ अरोरा बेटा श्री तारा चन्द निवासी 31/6, पंजाबी बाग ऐक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोहै भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव भैं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं जी/29, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज बाली नगर में स्थित है।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयकर,  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 8-7-1981

सील :

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 14 जुलाई 1981

संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एम्बीजीप०-II/

/एस० आर०-IV/11-80/3922—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी खुरद  
(कलान) दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

के पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरकी  
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सिलिंस में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरित दूवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविहए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसूचण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गगे राम बेटा महा सिंह (2) करतार सिंह (3)  
चन्द्र भात और प० मोहिन्द्र सिंह बेटे श्री मीर सिंह  
निवासी 61, सराय पीपल थला, दिल्ली ।  
(अन्तरक)

2. श्री इन्द्रजीत बजाज बलदेव राज बजाज सुभाष  
चन्द्र बजाज और राजन्दिर कुमार बजाज बेटे  
अमर नाथ बजाज द्वारा मैसर्स जय हिन्द टम्बर स्टोर,  
6926/157 जय पुरिया मिल्स कालोनी टावर सज्जी  
मण्डी, दिल्ली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के तिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकत  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

साफ्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 20 बीघाज और 7 बिसवास, खसरा नं० 54/21/2,  
22, 57/1, गांव होलम्बी कलान, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

दिनांक : 14-7-1981

सील :

## प्रकाश आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 10 जुलाई 1981

संदर्भ 3 निं. स० धा० आ० आ०/एक्वीजीशन-ए/प्र० आर०-ए/11-80/3991—चूंकि मैं विमल विश्वास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन संभव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 30 है एवं जो नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) जो पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) अधीन पंजीकरण अधिकारी के द्विस्ती स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीधत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—176GI/81

1. गुरुवरचन सिंह पुत्र श्री लाभ सिंह, एल०-202, कीर्तनगढ़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री दीपक अरोरा पुत्र श्री के० एल० अरोरा, श्रीमति कैलाश अरोरा पत्नी श्री के० एल० अरोरा दोनों का निवास स्थान 23/13, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मृत्युजी

प्लाट नं. 30 नार्थ एवेन्यू रोड, पंजाबी बाग, दिल्ली।  
एमजी० 557.41 स्केवेयर थार्ड

विमल विश्वास,  
मकाम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयक्त,  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 10-7-1981

सील :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-I/11-80/7107—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी संख्या 242, है एवं जो आजादपुर, आवादी कंवल  
पार्क दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
मंलग्न अनुसूची में दिया गया है, को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितायाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचित  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
भ्रष्टाकरण के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री तेजराम बन्सल बेटा श्री लाल जी गुप्ता बन्सल  
निवासी 242, कंवल पार्क, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री शाम लाल बन्सल बेटा श्री राम दित्ता मल बन्सल  
फ्फ-14/22, माडल टाउन, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्रावौं का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 242 क्षेत्रफल 200 वर्ग गज मसूदाबाद,  
आजादपुर आवादी कंवल पार्क दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली,

दिनांक 8-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269४(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० ३ नि० स० आ० आ०/एक्जीवीन /II/  
एस० आर०-II/11-80/4006—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास रखने का कारण  
है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लाट नं० 32 ब्लाक सी है एवं जो रानी  
बाग, नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण प्रधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
शिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
रखने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति ज्ञ उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
प्रतिरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
वास्तविक रूप से किया गया था :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में गुब्बारे के लिए;जरूरत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री दिनेश चन्द्र शर्मा पुत्र श्री पी० के० शर्मा, निवास स्थान 2141, रानी बाग, शकुरबस्ती, दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री अशोक कुमार दुआ और श्री प्रेम कुमार दुआ पुत्र श्री राम लुभाया निवास स्थान, 41, अर्यानगर रोहतक।  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके यूवीसि सम्पत्ति के ग्रन्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता :—

उक्त सम्पर्क :— ग्रन्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

- (a) इस सूचना के उत्तरावर एकाग्रता की तारीख से  
45 दिन शो प्रदानी या उत्तरावरी व्यक्तियों पर  
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो पूरी  
अवधि बाइंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (b) इस सूचना के राजपत्र न धारान को तारीख से  
45 दिन के भीतर उस स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी व्यक्ति द्वारा अधिकृताकारी के पास  
लिखित रूप किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/1/2 मजल मकान प्लाट नं० 32 ब्लाक सी रानी  
बाग देहली क्षेत्रफल 148 बर्ग गज।विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षी सहायक प्रायकर आयुक्त,  
ग्रन्जन रेंज-II नई दिल्लीदिनांक 10-7-1981  
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० सदर्भं नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-एस० आर०-II/11-80/3949—चूंकि मे विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या किला 24/10 (4-12) गांव होलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है, जो पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हार्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण वहायक आयकर आयकर,  
अर्जन रेंज-II नई दिल्ली

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति माया देवी पत्नि श्री हरी सिंह (बेटे श्री राम) निवासी ग्राम पीपल थला दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री सुन्दर जैन बेटा श्री शाम विहारी लाल, 4, अण्डर हिल रोड सिविल लाईंस दिल्ली (अन्तरिती)

कों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षणेः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

किला 24/20 (4-12) गांव होलम्बी खुरद दिल्ली।

दिनांक 15 जुलाई 1981  
मोहरः

प्रस्तुप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

1. श्रीमति माया देवी बेटी श्री ज्ञानी राम पत्नी श्री हरी सिंह, निवासी सराय पीपल थला, दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्रीमति ऊषा रानी जैन पत्नि श्री शाम बिहारी लाल अण्डर हिल रोड, दिल्ली।  
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस० आर०-II/11-80/3950—चकि मै विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी माल्या किला नं० 29/1 (4-14) और 24/21 (4-16) गांव छोलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का एन्हर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दवने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिस्त भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरणी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पूर्सिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 29/1 (4-14) और 24/21 (4-16)  
गांव छोलम्बी खुरद, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

दिनांक: 15-7-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्सीजीशन-II/  
एस० आर-II/11-80/3900—यतः मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० आर० एल०-28 है जो राम लाल  
ब्लाक, गंगा राम बटोला, चौखण्डी, दिल्ली में स्थित है, (जिसका  
अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को  
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली के कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य से यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक करने से कठिन नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय में  
कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(छ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् है—

1. श्री रमेश चन्द्र चानना उर्फ रमेश चन्द्र बेटा श्री  
बंशी राम चानना, निवासी आर० एल०-28, गंगा राम  
वाटिका, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. सरदार कुलदीप सिंह खुराना बेटा सरदार मोहन  
सिंह खुराना, निवासी आर०-एल० 28, गंगा राम वाटिका,  
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० आर० एल०-28, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग-  
गज है राम लाल ब्लाक, गंगा राम वाटिका चौखण्डी में  
स्थित है।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रह्लाद प्राई० टी० एन०एस०—

ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० सं० आ० आ०/एक्चीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/4025—कूकिं में, विमल विशिष्ट,  
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी मंज्जा 51/1, (2-1), 2(4-12) है एवं  
जो गांव छोलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक  
विस्तृत विवरण मंलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजी-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के दिसंबर स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
दरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रमाण ह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) न हीच ऐसे अन्तरण के लिए न प्र  
पाया गया प्राचिकन, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में १२ किमी पार की बाबा, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने पा उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भ्रन या अन्य ग्राम्य स्थानियों  
को जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ उत्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या पा किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

कृषि भूमि 6 बीगाज और 3 बिसवा गांव छोलम्बी खुरद  
दिल्ली।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर,  
निरीक्षण  
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

अतः ग्रम, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपबारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारा ५-८

- 1 श्री चरण सिंह निवासी गांव होलम्बी खुरद, दिल्ली।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति खजानी निवासी छोलम्बी खुरद, दिल्ली  
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
तार्यालिकायां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वारी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद  
किसी ग्रन्थ अक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अंतर्गत 20क में परिभाषित है, वही  
ग्रन्थ ज्ञान जो उस प्रकाश में दिया गया है।

दिनांक 15-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० प्रा० प्रा०/एक्वीजीशन-II/  
एस० प्रा०-II/11-80/3914—चूंकि मैं विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-1 है एवं जो भगवान दास नगर गांव  
शकूरपुर, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विव-  
रण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के  
दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यरक (प्रत्यरकों) और प्रत्यरिति  
(प्रत्यरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-  
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी प्राय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यरक के दायित्व में कभी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी भूत या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनामं प्रस्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की संपादना (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अवैतु :—

1. श्रीमति कमला रानी उर्फ कमला खशा पत्नी श्री  
शाम सुन्दर खशा निवासी 21/42, शान्ति नगर, दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश तनेजा बेटा भोला राम, निवासी  
4/38, डब्ल्यू० ई १० करोल बाग, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उम्पति के घर्वन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपेहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम शब्दों घोर पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के बधाय 20-क में परिचालित  
हैं, वही अर्थ होता, जो उस बधाय में दिया  
गया है :

अनुसू० १

प्लाट नं० ई-1, जिसका क्षेत्रफल 243 वर्ग गज है ;  
भगवान दास नगर, गांव शकूर पुर, में स्थित है।

विमल वशिष्ट  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकृत, निरीक्षण  
अर्जन रेंज II, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्ररूप आइं. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ ३ नि० स० आ० आ०/एव्हीजीशन-II/एस० आर० II/11-80/3951—चूंकि मैं विमल वसिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

और जिसकी संख्या किला नं० 29/10 व 29/11 है एवं जो गांव होलम्बी खुरद दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का दारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पात्र गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मैं वास्तविक रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाज़त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मों करने का दूर्यमान में विभिन्न नियम और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीय को, जिसके अन्तर्भुक्त आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिन्न में सुनिधा ने लिए:

अतः उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-176GI/81

- श्रीमति माया देवी बेटी श्री शानी राम पत्नी श्री मिहू, निवासी सराय पीपल कला, दिल्ली
- श्री एस० बी० लाल बेटा श्री जनेन्द्र प्रसाद 4-प्रष्ठर हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली।

(अन्तरक)  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जम के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अवधि या सत्याभान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विलिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

महान् शुभम्

किला नं० 29/10 (4-16) 29/11 (4-00) गांव होलम्बी खुरद दिल्ली।

विमल वसिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1081

मोहर:

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3953—चूंकि मैं विमल विश्वास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/5 मीन (2-8) 24/1 (4-14)  
है एवं जो गांव होलम्बी खुरद देहली में स्थित है, (जिसका  
अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को  
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन  
पंजीकरण अधिकारी के नई देहली स्थित कार्यालय में दिनांक  
नवम्बर 1980

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथोपर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ विसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूँधिधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक्याँ  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १—

- श्री हरी सिंह सुपुत्र श्री नेकी निवासी गांव सराय  
पिपल धाला दिल्ली  
(अन्तरक)
- कुमारी माधवी जैन (नाबालक) सुपुत्री श्री सुधीर  
जैन 4 अंडर हील रोड सिविल लाइन्स देहली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित के  
लिए तायंदाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में ऐसे ही आवेदन:—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रयोक्ता  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्वाक्षरीकरण:—**—इसमें प्रयोक्त सम्बद्ध और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/5 मीन (2-8); 6/25 मीन (0-6)  
24/1 (4-14) और 5/21 (0-3) गांव होलम्बी खर्द  
देहली।

विमल विश्वास,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप थाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

269-ख(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० सं० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/ एस० आर०-II/11-80/3949-चूंकि मैं विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 23/15/2 है एवं जो गांव होलम्बी खुरद, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण (अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था तिपाने में सुविधा के लिए;

यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ख की उपलादा (1) अधीन निम्नलिखित अवित्यों पर्याप्त :—

1. श्रीमति माया देवी बेटी श्री जानी राम पत्नी श्री हरी सिंह, निवासी पीपल थला दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती रीडा जैन पत्नी श्री सुशीर जैन 4-इच्छा हिल रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधिनं के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधिनं के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारं व पदों का, जो उक्त प्रविनियम के अध्याय 20 के यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किला नं० 23/15/2, गांव होलम्बी खुरद दिल्ली

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 15-7-1981

मोहर :

प्रृष्ठ पाइ० टौ० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 15 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
प्रार० एप०/- 11-80/3931—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० आर दुकान नं० 35 है एवं जो गांव नारा-  
यणा नई दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर, 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्त मैं यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से एसे इयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हरै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उसके बजाए में सुविधा के लिए;  
बी०/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
शर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ४—

1. श्री अमर सिंह बेटा श्री नारायण सिंह, विसी ई-सी-  
32, इन्द्र पुरी कालोली, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री हर राज सिंह बेटा श्री भागला सिंह निवासी ।  
आर० ए० ९५ इन्द्रपुरी नई दिल्ली

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के नीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है;

विमल वशिष्ठ

प्लाट नं० आर दुकान नं० 201/1/2, वर्ग गज खसरा नं०  
1608, 1651, गांव नारायणा, दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II नई दिल्ली

दिनांक 15-7-1981

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 14 जुलाई 1981

निर्देश सं 3 नि० स आ० आ०/एक्वीजीशन-II/एस०  
आर०-II/11-80/3921—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थायर गम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो गांव होलम्बी  
कलान दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसरान प्रतिफल से, एसे दूसरान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मा० वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किए जाय की बाधत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या एकसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृतः—

1. श्री जागेराम बेटा महा सिंह (2) करतार सिंह (3)  
चन्द्र भान (4) मोहिन्दा सिंह बटा श्री मीर सिंह निवासी  
61, सराय पीपल थला, दिल्ली  
(अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश भसीन तिलक राज भसीन और  
निवासी सी-1/3 डी माडल टाउन, दिल्ली  
(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितदृश्य  
किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि 21 बीघा व 9 बिस्ता खसरा नं० 54/23, 24,  
25, 55/21, 22, 23, भूमि 57/4/2 गांव होलम्बी कलान  
दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ,  
मक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 14-7-1981

मोहरः

प्रारूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन II/  
एस० आर०-1/नव० 80/7149—उक्ति में विमल विश्वित  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 19, ब्लाक ए-2, है एवं जो  
माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के नव० दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कीदित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा  
को लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृश्यार प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाषा (1),  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी—

1. कुमारी प्रेम पसरिशा पुत्री स्व० श्री चूमी लाल  
पसरीचा निवास स्थान ए-2/19, माडल टाउन,  
दिल्ली ।

(अन्तरिती)

2. श्रीमति किरण सहानी 2 भग्नील सहानी एण्ड प्रदरस  
पुत्र श्री एम० एल० सहानी निवास स्थान 76,  
ट्योर पार्क दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयिता करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या सप्तमवार्षी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृश्यारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति दृश्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

2-1/2 मंजिला मकान प्लाट नं० 19 ए ब्लाक नं०  
ए-2 माडल टाउन देहली क्षेत्रफल 449.37 वर्ग गज ।

विमल विश्वित,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 8-7-1981

मोहरः

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायकर नहार का आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स शा० आ० एक्सीजीशन /  
एस० आर० -1/नव० 80/7195—पूँकि में विमल विश्वास  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-व(1) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास नामे  
का कारण है ति स्थावर सम्पति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आई/142, है एवं जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली  
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची  
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित  
कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टयात  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास  
करने का कारण है कि प्रथमपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृष्टयात प्रतिफल से, ऐसे दृष्टयात प्रतिफल के  
पश्चात प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्नरण के लिए  
उच्च पाया गया व्यापक विविध, निम्नविविध उत्तरण से उक्त अन्तरक  
सिद्धि में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दमे के अन्तरक के  
शायदि में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के बिए, ग्रोदया

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगभावे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के बिए;

उक्त अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व(1) के  
अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-व(1) की उपलब्धा  
(1) के अधीन, निम्नविविध अधिकारी ग्रहण :—

1. श्री मनोहर नाल पुरु श्री गनपतमल निवास स्थान  
आई/142, कीर्ति नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

1. श्रीमति अनाम्मा अलेस पल्ली ए० एम० एलेस न्दर एंड  
अधूरस निवास स्थान चलाकुजुहीयल कानपालम पी०  
अ० केरला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन से  
कार्यवाहिया शुरू करता है :

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उसमध्यभी अविक्षियों पर  
सूचना ली जानी से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों से दिसी अविक्षिय द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्षिय द्वारा, प्रबोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में निए वा सड़े गे ।

स्वामी नरा—इसमें प्रयुक्त शब्दों वारे पदों वा, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

डाइ मंजिला मकान प्लाट नं० आई/42 कीर्ति नगर नई  
दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्ग गज ।

विमल विश्वास,  
सक्षम अधिकारी,  
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रन्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 8-7-1981  
मोहर :

प्रत्येक शार्दूल दी० एवं एक०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मार्ग

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 9 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आ० आ०/एक्वीजीशन/II/  
एस० आर० ।/नवम्बर 80/7136—चूकि मैं विमल वशिष्ठ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिने इनमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रतिनियम' कहा गया है),  
को आय 269-ए से प्रतीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास फरा  
का कारण है ति स्थावर सम्पत्ति जितना उचित बाजार वृला  
25,000/- रुपए में अधिक है  
और जिसकी संख्या 2 ए है एवं जो मेटकालफ रोड, शंकर  
आचार्य मार्ग, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत  
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16वाँ) के अधीन पंजीकरण  
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर  
.1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और प्रत्यक्षिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की वापस, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यालय  
में रामी करने या उससे बदने में सुविधा के लिए;  
भौगोलिक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
आना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, एवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित अस्तियों, अवधि:—

1. श्रीमति सुधा ओपड़ा अलीस सु० शकुंतला देवी पत्नी  
श्री ए० सी० ओपड़ा निवासस्थान 2 ए, मोटकालफ रोड,  
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अजीत कुमार सूद पुत्र स्व० अमर नाथ सूद  
और अदरेस निवाले स्थान 45, लाल राम रोड, दरिया-  
गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्वन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्मयन्वयी अस्तियों पर सूचना  
को तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अस्तियों में  
से किसी अवधि द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकें।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य अवधि द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकें।

सफ्टोवरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अवधार 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अवधार में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 2 ए मेटकाफ रोड जिसे श्राज कल  
शंकराचार्य मार्ग से जाना जाता है देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक: 9-7-1981

मीहर:

प्रस्तुप बाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 जुलाई 1981

निर्देश सं. 3 नि. 3 सं. आ० आ०/एक्वीजीशन-II/  
एस० आर०-II/11-80/3958—खूंकि मैं विमल विशिष्ट  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 5 बीचा 8 बिसठा है एवं जो 5 विधा  
नजफगढ़ देहली में स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण  
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 26वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी  
के नई देहली स्थित कार्यालय से दिनांक नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों अर्थात्:-

10-176GI/81

- श्री रावल चन्द्र सुपुत्र श्री काका शाह 38/53  
रामपाल रोड करोल बाग नई दिल्ली  
(अन्तरक)
- श्री शुशील कुमार सुपुत्र श्री जी० जी० वैष्ण सी०  
182 हरी नगर देहली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आवेदन:-

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताधारी के पास  
लिखित में किए आ सकेंगे।

पृष्ठीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनूसनी

5 बीचा 8 बीस्था कृषि जमीन गांव नजफगढ़ देहली।

विमल विशिष्ट  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक 17-7-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 17 जुलाई 1981

निर्देश सं० संदर्भ 3 नि० स० आर०-II/एक्शीजीशन-II/ एस० आर०- /11-80/3957—चूंकि मैं विमल विशिष्ट आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं० 114 है एवं जो गांव रोशन पुरा नजफगढ़ देहली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची से दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय से दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ हूँ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुन्शी राम सुपुत्र श्री भज राम निवासी गांव बेटेला कलां देहली

(अन्तरक)

2. श्री रघुवीर सिंह सिंगल सुपुत्र श्री हरी राम निवासी पंजाब नेशनल बैंक ओवर सिस बैंक कनाट सरकल देहली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 114 गांव रोशन पुरा नजफगढ़ देहली ।

विमल विशिष्ट,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षीय सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

दिनांक 17-7-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002 दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० 3 नि स० आ० आ०/एक्वीजीशन 02/

एस० आर०ब१/नवम्बर 80/7112—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी संख्या एम० पी० एल० 1690 सुन्दरभवन है एवं जो गली जोगधीन, चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची से दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वाँ) के प्रधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया था है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी काय की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उत्तर भवन में सुविधा की जिप्प शीर्ष/था

(ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अधिकृत—

- श्री पंशु कुमार पुल स्व० श्री छान्नूमल निवास स्थान 2565, गली नीम बाली, किनारी बाजार, दिल्ली (अन्तरक)
- (1) श्री सत्या पाल बन्सल पुन श्री जगदीश राम (2) श्रीमति सावनी बन्सल पत्नी श्री सत्या पाल बन्सल निवास स्थान बी/15, ग्रेटर कैलाश, न दिल्ली (अन्तरक)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-प्रदान किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला पक्का मकान नं० 1690 सुन्दर भवन गली जोधीयान चान्दनी चौक देहली।

विमल वशिष्ठ,  
सक्षम प्राधिकारी,  
निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त,  
अर्जन रेज, नई दिल्ली

दिनांक 8-7-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद विनांक 4 जुलाई 1981

निर्वेश सं० पी० आर० न० 1134/एक्वी० 23-II/81-  
82—मत: मुझे पी० सी० गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 83/2, 83/3 और 83/4 जमीन  
है तथा जो बोलाव, बोच से स्थित है (और इससे उपावद  
अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधि-  
कारी के कार्यालय बोच में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 26-11-1981

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं  
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उपसे बदलने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) उसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर  
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में  
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अचानु—

1. श्री हार्षी प्रसादल आदम, कुसमुक्तयार ।  
(1) श्री इशाहीम प्रसादल आदम ।  
(2) श्री अमी प्रसादल आदम ।  
(3) श्री सुलेमान प्रसादल आदम ।  
(4) यसुफ प्रसादल आदम ।  
कुसाक पांडी । बोच ।

(अन्तरक)

2. विशुभाई चुणिलाल सुराती 1, मेगदूध लान । कोपेषनड  
का भागीदार । पहला मजला 1 पनचशील बानक ।  
राणी तलाव 1, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

उपर्युक्त व्यक्तियों का, जो उक्त प्रधि-  
नियम के अध्याय 20-ए में परिवारित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस० न० 83/2, 83/3 और 83/4 बोलम  
गांव में स्थित है। जो तारीख 26-11-1980 रजिस्ट्रीज  
कि गयी है।

जी० सी० गर्ग;  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981  
मोहर :

प्रकप प्राई० टी० एस० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-क (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन रेज-II, अहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 6 जुलाई 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1136/एक्वी०/23-II/  
81-82—अतः मूले, जी० सी० गर्ग

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अध्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० पी० टिका नं० 2/3, एस० नं० 236 है तथा जो राधा कृष्ण पाल नं० 1, राजमहल रोड, बेरोड़ा में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बरोड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 12-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिक दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमत्तिक दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिर तव पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अवगत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922, (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रमत्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-क के अनुसर में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-क की उपचारा (1) के अन्ती, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती चम्पावेन भानन्दलाल शाह,  
(2) श्रीमती मीलावेन भानन्दलाल शाह,  
'नाभवाले', राधाकृष्ण पोल नं० 1, राजमहल रोड  
बेरोड़ा।

(अन्तरक)

2. (1) श्री शान्ती लाल सोमालाल पन्चाल  
(2) श्री कनेयालाल सोमालाल पन्चाल सोनी चक्का,  
पारबड़ी पासे जामबूसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रूवोक्त सम्पत्ति के अधिन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधिन के सम्बन्ध में कोई भी आलोकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मजिलावाल मकान, जो नानवाले, राधाकृष्ण पोल नं० 1, जी० टिका नं० 2/3 एस० नं० 236, राजमहल रोड में स्थित है। जो विक्री खातानं० 6143 पर बेरोड़ा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 12-11-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख 6-7-1981

मोहर :

प्रकल्प भाई० दौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1136/एफवी०/23-II/81-82—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का आवश्यक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० नं० 106/1/1(भाग) है तथा जो जेतलपुर  
सिम, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन नवम्बर, 1981  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह  
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये नव गता गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्किल के  
लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को बिन्दू मारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए या, जिसमें से सूचिता के लिए

1. (1) श्री चिमनभाई नारायण भाई पटेल,  
(2) श्रीमति शानताबेन नारायण भाई पटेल,  
(3) श्रीमति रामनभाई नारायण भाई पटेल,  
35, अरुणेदय सोसायिटी, अलकापुरी, बेरोडा।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सागर असोसियेटेस, रत्नदीप मकान 1,  
नानपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त  
के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्वीरी अविक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोइस्ताकारी के बास  
लिखित में किए जा सकें।

संपादकोंकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

मनुसूची

खुला जमीन जोजेतलपुर सिम सर्वे नं० 106/1/1

(भाग) जिसका माप 9406 वर्ग गज में न्यु इंडिया मिल्स  
के पास, जेमलपुर विस्तार में बेरोडा सीही में साथ है। जो  
बिकी खाता रजिस्ट्रीकरण नं० 6270 पर बेरोडा सब रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में नवम्बर 1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,  
सक्रम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-प के उपषारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित अविक्तियों अनुरूप ६—

प्रस्तुत भाई, डी. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1137/एक्वी०-23-II/  
81—82—अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर मांगित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 203 है तथा जो प्रताप  
नगर, बेरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 18-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पार्वती कमर्शियल एस्टेट,  
अपसरा सिनिमा के सामने,  
प्रताप नगर, बेरोडा ।

(अन्तरक)

2. श्री बानुबाई अबुबेकर और अमिनाबाई ए० गफूर ।  
15/17, मसजिद क्रोपस लियन,  
(दूसरा मंजिला) बम्बई-3

(अन्तरिती)

3. लिटिश पेयिनस (प्राइवेट) लिमिटेड, पार्वती कमर्शि-  
यल बेम्बर, प्रताप नगर, बेरोडा ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के बिंदु  
कार्यवाहियों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

गोडैण

गोडैण जो पार्वती कमर्शियल बेम्बर का बेसमेन्ड में  
जिसका आर० एस० नं० 203 में स्थित है। जो विक्री खाता  
नं० संपूर्ण वर्णन पर रजिस्ट्रेशन नं० 6378 बेरोडा सब रजिस्ट्रार  
के कार्यालय में सारीख 18-11-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी०आर० नं० 1381/एक्सी०/23-II/81-82—

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० 0न० 170 है तथा जो ड्राइव-इन-रोड के  
पास, वस्त्रापुर, जिला अहमदाबाद में स्थित है (और इससे 'उपा-  
वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराना  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दूसराना प्रतिफल से, एसे दूसराना प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ जिसी काय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वै  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य वासितयों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसूचना  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नसिद्धि व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पूलमचन्द्र गोकरणास शाह, 22, मजाकुन्ड सोसायटी,  
रामनगर, सावरमति, प्रह्लदाबाद ।

(प्रस्तावक)

2. जयोतिमानी को-आप०, हाऊसिंग सोसाइटी के द्वारा  
श्रीमति जयोतिका रामानलाल शाह, 31, अमनिका  
पांक, बानपुर, अहमदाबाद ।

(प्रस्ताविती)

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए  
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

लक्ष्यकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

मन्त्री

जमीन जो जिसका भाप 5808 (1/2 का 11616 बर्ग  
गज, पैकी) जो एस० नं० 170 पर वस्त्रापुर, ड्राइव-इन  
पियेटर के पास अहमदाबाद जिला में स्थित है । जो विक्री  
खत नं० 14541/तारीख 26-11-80 में अर्थात् वर्णित पर  
रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

महायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

प्रृष्ठ पार्ट ० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 अ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायानिय, उहायकर आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1380/एक्टी०-१/८१-८२—  
अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उद्दित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 144/१व 144/२, मोजे, दरियापुर काजीपुर, एफ० पी० 112/२टी० पी० एस० ८ है तथा जो शाहीबाग अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपांच अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 24-11-1980 के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दूह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आक्षितयों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः प्रद, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-प को उपलब्ध (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  
11-176GI/81

1. मीहीर टैक्सटाइल लिमिटेड  
के द्वारा : (1) श्री एल० डी० वासा, निदेशक;  
(2) श्री जगदीश अनंदा एम० पटेल;  
अधिकृत व्यक्ति,  
खोका-मेहमदाबाद, अहमदाबाद-380008 ।

(अन्तरक)

2. मफतलाल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड,  
के द्वारा : श्री बी० के० जोशी, सचिव;  
असर्वा रोड, अहमदाबाद-380016 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों पर से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अभ्य कित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

#### प्रत्यक्षी

मकान जो जमीन पर जिसका माप 4598 वर्ग मीटर और 771.7 वर्गमीटर में सर्वे नं० 144/1 और 144/2, एफ० पी० नं० 11 व 12, टी० पी० एम० ८ में शाहीबाग, अहमदाबाद में स्थित है, जो अहमदाबाद रजिस्ट्रार के कायानिय में बिक्रीखत नं० 15092/24-11-80 पर अर्थात् संपूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है।

पी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 4-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

सं० पी० आर० नं० 1138/एक्वी० 23-II/81-82—  
अतः मझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवादास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 90, पी० नं० 29, टी० पी०  
एस० 9, है तथा जो माजरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 14-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवादास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी भत्ता या अन्य आस्तीयों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था  
भत्ता-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
की प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति अम्बल बेन, रत्नीलाल मोतीलाल का विवाहा,  
गुड़मानडी, मोती शेरी, सूरत।

(अन्तरक)

2. श्री लक्ष्मणभाई भगवानदास वातीयापी, काजी मदान,  
कानकु मानषण, 1/3149-बी, गोपीपुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षिताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 90, पी० नं० 29, बी० पी० एस०  
9, माजुन यथाविवी, तारीख 14-11-1980 से रजिस्ट्री की गयी  
है।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 10-7-1981

मोहर :

प्रकृत बाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं. पी० आर० नं. 1139/एक्षी०/23-II/  
81-82—अतः मुझे जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

अन्तर जिसकी सं. नोंद नं. 2029, वार्ड नं. 6, है तथा जो  
भोजाभाई शेरी, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनु-  
सूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन 9-11-1980

जो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रो) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक  
रूप से कीथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के, बन्सरण  
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा :—

- श्री मोहनलाल गोविन्दजी, श्रीमति मुशीलाबेन, मोहनलाल  
गोविन्दजी का पलि, माहीधारपुरा भोजाभाई शेरी,  
सूरत और श्री नरोत्तमभाई भीम भाई देसाई, अपर लिखा  
दुआ व्यक्तियों को कुलमुख्तयार, बेगमपुरा, दुधारा शेर-  
सूरत।  
(अन्तरक)

- श्रीमति हनेसाबेन उर्फ अनसुया किशोरचन्द्रा पटेल,  
माहीधारपुरा, थोभा शेरी, सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं. 6, नोंद नं. 2029, भोजाभाई  
शेरी, सूरत येयाविधि तारीख 1-11-1980 रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग;  
सक्षम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

तारीख : 10-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 8 जुलाई 1981

निवेश सं० पी० प्रार० नं० 1140/एक्वी०-२३-II/८१-८२-प्रतः

मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोंद नं० 345-वी है तथा जो कोला देसाई खड़की, कातारगाय चरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था लिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री जाधवजी नागरदास मिसतरी, 17-चाला लाता, किला देसाई खड़की कातारगम, सूरत ।  
(अन्तरक)
2. श्रीमति ललिताबेन गोविन्दभाई पटेल, सालदरवाजा, गुडी शेरी, सूरत ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुमूल्य

मिलकत जो कीला देसाई खड़की, कातारगम, सूरत नोंद नं० 345-वी यथावीधी तारीख 4-11-1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण',  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1141 एक्वी/23-II/81-82—

अतः मुझे, जी० सी० गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3430-बी, वार्ड नं० 4,  
है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन नवम्बर 1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब  
पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
तिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ॥—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- शेख जफर आई, शेख कामबेरभाई मोयापाड़ी,  
जमपा बाजार, वेवडी, सूरत ।
- (2) शेख शाबीरहुसैन मुल्ला, ईसमाइल जाकी, जमपा  
बाजार, सूरत  
(अन्तरक)
- (1) मोइजभाई तायाबभाई नातालबाला, वकोला  
ब्रिज, सान्ताकुज, बास्वे ।
- (2) जेतूनभाई, तायाबभाई अलिभाई नातालबाला की  
पुत्री, नुरयुरा, जमपा बाजार, सूरत ।
- (3) फकिरभाई तायाबभाई गासीया नुरयुरा, जमपा  
बाजार, सूरत ।
- (4) रासीदा, तायाबभाई हसनअली का पुत्री नुरयुरा  
जमपा बाजार, सूरत ।
- (5) मरीया, तायाबभाई हसनअली की पुत्री, नुरयुरा ।  
जमपा बाजार, सूरत ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयों शुरू करता है ।

उपर्युक्त निर्देश के सम्बन्ध में कांडे भी आशेषः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
विद्या गया है ।

## अमृसूची

मिलकत जिसका नोध नं० 3430-बी० वार्ड नं० 4,  
नानपुरा, सूरत व्याविधि नवम्बर, 1980 में बिक्री स्वतं  
नं० एस-3 पर रजिस्ट्री की गयी है ।जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);  
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद  
अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1382/एक्वी०-२३-I/

81-८२—अतः, मुझे, जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 683/2-3-4, धुदरेजा  
है तथा जो सुरेन्द्रनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय विवान सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 1-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

1. अकर प्रधमभाई मोतीभाई, धुदरेज, सुरेन्द्रनगर जिला।  
(अन्तरक)
2. श्री नूरमोहमदी घर आनदानी सहकारी मण्डली के  
द्वारा प्रमुख (1) नानबेग खानबेग मिर्जा जुना बिजली  
घर के सामने, सुरेन्द्रनगर और सचिव;  
(2) सोकतखान अनवरखान, महालक्ष्मी सिनेमा के  
पास, सुरेन्द्रनगर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन जिसका माप 3 एकड़ 6 गुणा,  
आर० एस० नं० 683/2-3-4, धुदरेज, जूना रेलवे स्टेशन  
के पास, सुरेन्द्रनगर में स्थित है। जो बिक्री खाता नं० 2259  
तारीख 1-11-1980 संपूर्ण वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है।

जी० सी० गर्ग  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 10-7-1981

मोहरः

लेट: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्रख्याप ग्राही ० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 जुलाई 1981

निर्देश सं० आर० नं० 1388/एक्वी०/23-आई/81-82-

प्रतः मुझे जी० सी० गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैग्रोर जिसकी सं० मकान साथ 10 भक्तिनगर सोसायटी है तथा  
जो भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 6-11-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्राप्त ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तथा पाया गया प्रतिकूल, निम्ननिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् ५—1. श्री जी० पी० मेहता, 10, भक्तिनगर, सोसायटी, राज-  
कोट ।2. श्री बी० एच० देसाई, श्रीमति जयोदी बी० देसाई, 10,  
भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी अवित्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;(ख) इस सूचना के राजनव में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्थावोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

एक मकान जमीन पर जिसका माप 500 वर्ग गज में  
जो 10 भक्तिनगर सोसायटी, राजकोट में स्थित है । जो  
विशेषता नं० 2852 पर तारीख 6-11-1980 में संपूर्ण  
वर्णित में रजिस्ट्री की गयी है ।जी० सी० गर्ग,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-I, अहमदाबाद,

तारीख 10-7-1981

मोहर:

प्रह्लप श्री. टी. एन. एस. -----

1. श्री महेश धीरजलाल ज्ञावेरी ।

(अन्तरक)

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बंबई

बम्बई, दिनांक 22 जून 1981

निर्देश सं० एश्वार-II/3079-9/नवम्बर 80—अतः मुझे, संतोष दत्ता,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 369, 370 और 371 हैं तथा जो महिम डिवीजन में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-11-1980

का पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पूर्वान्तर से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर सम्पत्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट किए गये हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हूर्द जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलख सं० नं० बा०/480/72 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 25-11-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

संतोष दत्ता  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, बम्बई,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 22-6-1981

मोहर:

प्रस्तु आहे. डॉ. एन. एस. -----

1. रम्यनाथ पी० राष्ट्रेलाल (2) वीजेंद्र रम्यनाथ प्रसाद  
(3) राजेंद्र रम्यनाथ प्रसाद (4) सुरेन्द्र रम्यनाथ प्रसाद।  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-आई/4490-5/80-81—प्रतः  
मुम्रे, सुधकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1487 (पार्ट) आफ गिरावं  
है तथा जो टाटा रोड नं० 1 और 2 निम्र चर्नी रोड में स्थित  
है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
13-11-1980 विलेख सं० आम्ब० 1827/72

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का  
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितीयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कायित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हार्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः वज्र, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-176GI/81

1. द० प्रसाद चंद्रसंग प्रसाद (2) वीजेंद्र रम्यनाथ प्रसाद  
(3) राजेंद्र रम्यनाथ प्रसाद (4) सुरेन्द्र रम्यनाथ प्रसाद।  
(अन्तरक)  
2. द० प्रसाद चंद्रसंग प्रसाद (2) वीजेंद्र रम्यनाथ प्रसाद।  
(अन्तरिती)  
3 सोसायटी के सदस्य  
(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अन्य 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्य 20-क में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० आम्ब० 1827/72 के अनुसार  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 13-11-80 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

सुधाकर वर्मा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I बम्बई

दिनांक: 4-7-1981

मोहर:

प्रख्यात आई.टी.एन.एस.-----

1. मैसर्स स्टॉलिंग इनवेस्टमेंट कारपोरेशन प्रा० लिमिटेड ।  
(अन्तरक)2. द प्रसाद चेंबर प्रिमयासीस को-आप० सोसायटी लिमिटेड,  
(अन्तरिती)3. सोसायटी के सदस्य।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-आई/4491-6/81-82—अतः  
मुझे, सुधाकर वर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० एस० नं० 1487 (पार्ट) आफ गिरगाव डिवीजन है तथा जो टाटा रोड नं० 1 और 2 नियर चर्नी रोड  
में स्थित है (श्री इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
13-11-1980 विलेख सं० नं० बाम्ब 1980-1981/72

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापद्वैदद नंदित नहीं द्वाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरीक्षी (अन्तरितार्थी) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लियित में दाक्षत्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृक्षिती आग की बग्नन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में निविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में मूल्यिता के लिए;

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० बाम्ब 1980-1981/72 के अनुसार उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 13-11-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व का, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षात् ५—

तारीख: 4-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई० डी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज I बम्बई

बम्बई दिनांक 6 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर० I /4498. 13/80-81—प्रतः  
मुझे सुधाकर वर्मा,प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की ओरा  
269-घ के प्रधीन सम्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० ए० नं० 1563(पार्ट) न्यू सर्वे नं०  
7966 (पार्ट) है तथा जो गिरगांव डिवीजन में स्थित है (और  
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 27-11-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
प्रस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रतिफल के जिए नहीं आया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कठित  
नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से इई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-  
नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य जास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए।प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त प्रधिनियम की ओरा 269-घ की जपकारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवैतुः—

1. खोपजा छत्रभुज और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री अयमहून को० आ० हा० सो० लिमिटेड मेम्बरस  
आफ द सोसायटी,

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी लाके गूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजत के  
लिए आवेदाहियों बरता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में  
किसी अधिकत द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अभ्य अधिकत द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकें।लक्ष्मीकरण:—इनमें गुरुका गव्हर्नर और उदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रयोग 20 न में परिवाप्त है,  
वही प्रयोग, जो उस प्रयोग में किया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० नं० आम्बे 840/79 उपरजि-  
स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1980 को रजिस्टर्ड किया  
गया है।सुधाकर वर्मा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण);  
प्रजन रेंज I बम्बई,

तारीख 6-7-1981

मोहर:

प्रकृष्ट भाई, टी. एन., एस.-----

1. शेर-ए पंजाब को० आप० हा० सो० लि०  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना2. श्री सरदार हरबन्ना संग सेठी,  
(अंतरिती)

भारत सरकार

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)  
4. शेर-ए पंजाब को० आप० हा० सो० लिमिटेड, सरदार  
हरबन्नसिंग सेठी,

काशीलग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, III बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

सं० ए० आर० III/ए० प० 371/81-82—अतः मुझे  
सुधाकर वर्मा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० प्लाट नं० 205 है तथा जो छोलेज मोगरा  
में स्थित है (और इससे उपाबृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ट अधिकारी के कायलिय बम्बई में  
रजिस्ट्रेकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 29-11-1980

विलेख सं० एस० 640/76

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिएअन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अनारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तर जिसके लिए तर पाया गया प्रतिफल, जिस्तिविधि  
द्वारा प उक्त अन्तरग निवित में वास्तविक रूप से कमित नहीं  
मर्यादा है :(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों जर्ता:-को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० एस० 640/76 के  
अनुसार उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-11-1980  
को रजिस्टर्ड किया गया है ।सुधाकर वर्मा,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-III, बम्बई

तारीख: 7-7-1981

मोहर :

प्रस्तुति बाईं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर० III/ए० पं० 372/81-82—  
अतः, मुझे, सुधाकर वर्माआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके प्रश्नात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० ए० नं० 57 एच० नं० 5 (पार्ट) सी० ए० नं०  
नं० 13 (पार्ट) है तथा जो विलेज मूलगांव अंधेरी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रेकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्र-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-11-1980 विलेख सं० ए० 942/80को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्चव प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हरू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अधितः—1. श्रोटेरान्स मैथ्यूनस, गोडरे नन्स, मिसेस जेनेट नन्स, ज्युडि  
मैथ्यू, नन्स, रूसेल मैथ्यू नन्स, ओब्हीटा मैथ्यू नन्स, लिंगल  
हेयर आफ लेट ब्रिजेट नन्स श्री सत्यनारायण, बजरंग  
निवेदिया

(अन्तरक)

2. रम्य जोवन को० आप० हा० सो० लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

3. रम्य जोवन को० आप० हा० सो० लि० ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में मम्पति है ) ।

4. श्रोटेरान्स मैथ्यू नन्स, गोडरे मैथ्यूनस, मिसेस जेनेट नन्स,  
ज्युडि मैथ्यू नन्स रूसेल मैथ्यू नन्स, ओब्हीटा मैथ्यू नन्स  
लींगल हेयर आफ लेट ब्रिजेट नन्स श्री सत्यनारायण  
बजरंग निवेदिया श्रीमति मौनोबाई सत्यनारायण निवेदिया  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह मम्पति में हितबद्ध है ) ।क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।तथा—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० ए० 942/80 के अनुसार उप  
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-11-80 को रजिस्टर्ड किया  
गया है ।सुधाकर वर्मा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III बम्बई

तारीख : 7-7-1981

मोहर :

प्र० ३० आई० डी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की वारा  
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-1/4501-16/81-82—अतः  
मुझे सुशाकर, वर्मा,आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इनके अन्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को वारा  
269-व के अधीन सकाम आधिकारी ने, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैऔर फिर सं० सं० ए० नं० 808 मंडवी डिव्हिजन है  
तथा जो दरवाया स्थान स्ट्रीट डोगरी में स्थित है (और इससे उपा-  
मद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र वर्ता  
अधिकार के वायरल्य टॉल्ई मेरिट्ट रिफर्म, 1908, 1908  
(1908 का 16) को अर्धन तारंड 27-11-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि मध्यपूर्वीत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
रुपयात् अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्धित व शस्त्रिकृत रूप से निर्धित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से दुई किसी वाय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी व्यवया अध्ययनों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;अ. अ. अ. उक्त अधिनियम की वारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपशारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारीय अधिकारी1. श्री मूलीराज प्रांगजा हरयाना (2) आमति मणिबेन  
मूलराज हरयाना (3) सुरेश मूलराज हरयाना  
(4) सुधार मूलराज हरयाना  
(अन्तरक)3. आमति हमंदाबानु महमद युनुस की पत्नी  
(अन्तरिती)  
3. टैनेट  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिकी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अधिकारीयों पर  
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अधिकारीयों में से किसी अधिकता द्वारा;(ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
हात किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के प्रधायाद 20-के परिमाणित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाद में दिया गया है।

प्रत्यक्षी

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या वाम्बे/882/1980  
बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-11-1980 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।सुधाकर वर्मा  
सक्तम प्राधिकारी  
सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक : 7-7-1981

मोहर :

प्रकाश भाई० टी० एम० एस०—  
आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भाग 269-प (1) के अधीन सूचना  
मारा सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III बम्बई

बम्बई दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० आर०-III 1927/2/ए० पं० 373/  
81-82—प्रतः मुझे सुधाकर वर्मा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विवास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तिवारा  
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं स० टी० एम० नं० 366 (प्रंश) एम० नं०  
14 ऐ० है तथा जो मायन ट्रांस्फर रोड चेंबर में स्थित है (और इसमें उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्करण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-11-1980  
विलेख सं० एस० 2436/79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्यु यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अंतफल के पद्धति  
प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तर्कों) और  
अस्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से रूपित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उसमें बदले में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य जास्तियों  
को, विनें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
पा धा किया जाना आविष्कार या, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

1. स्वास्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड,  
(अन्तरक)
2. डा० मिर्स एम० जे० चक्रवाण  
(अन्तर्गत)
3. द्राम्सफरर स्वास्तिक टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के  
लिए नाप्रवाहिया शुल्क दाता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रत्येक के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्रेत :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
प्रबंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षिताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**संपर्कीकरण :—**—इसमें प्रयुक्त गवाहों और उड़ों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 30 के परिमाणित हैं, वहों पर्याप्त होगा जो उस अध्याय के दिया  
गया है।

#### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस 2436/79 बंबई<sup>1</sup>  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-11-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सुधाकर वर्मा,  
सकाम प्राप्तिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज-II बम्बई

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० ——

1. श्री हिरण्यकुमार फोसे

(अन्तरक)

2. श्री अंद्र कुमार गोपालदास भेहरा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन मूल्यना

भारत द्वारकार्त

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II बम्बई

बम्बई, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश से० ए० आर० II/3077-71/नवम्बर 80—

अतः मुझे संतोष दत्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-  
प के अधीन संभग प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम नं० 365 हि० नं० 1 (अंग) वार्ष  
नं० 3629 एस० एल० नं० 18 सी० एस० नं० 748 है  
तथा जो मालाड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्य-  
लय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन दिनांक 20-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिक  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
क्षम निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में वास्तविक  
कर से कठित नहीं किया गया है:—

(अ) अन्तरण से हृदृ किसी आव की वावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ब) ऐसी किसी आव या किसी धम या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः—

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के उचित के लिए  
कार्यवाहीहासां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापारेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर यह सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बप्त या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-के परिभाषित  
हैं, वही वर्त होगा जो उस अध्याय द्वे विद्या  
मय हैं।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 1758/80 बम्बई  
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-11-1980 को रजि-  
स्टर्ड किया गया है।

संतोष दना,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, बम्बई,

दिनांक: 8-7-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एत० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की  
आरा 269-व (1) न प्रश्नोत् पूछना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-411004, विनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/517/81-82—

यतः मुझे एस० सी० चंद्रा

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-व  
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
हूं से अधिक है

और जिसकी सं० स० नं० 437 438बी, 453पी० 454,  
455 है तथा जो पंचपखेड़ी ठाणे में स्थित है (और इससे उपायदू  
श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय दुर्घम निबंधक, बाम्बे में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
15-11-1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और भ्रस्तरक (भ्रस्तरकों) और भ्रस्तरिकी (अन्तरिक्तियों)  
के बीच ऐसे भ्रस्तरण के लिये तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उत्तर से उक्त भ्रस्तरण विवित में वास्तविक रूप से जपित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, तिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की आय 269-व के अनु०  
सरेण में, में, उक्त अधिनियम की आरा 269-व की उपवारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्तियों, अवार्ता :—

1. श्री अनंत पांडुरंग पंडित रां रामेडी, वसिन, ता०  
जि० ठाणे

(अन्तरक)

2. श्री एस० एच० केलकर और कंपनी कि० एल० बी०  
एस० मार्ग, मुलुंड वेस्ट, बाम्बे-400008

(अन्तरिक्त)

3. श्री एस० एच० केलकर और कंपनी लि० एल० बी० एस०  
मार्ग, मुलुंड, बाम्बे-8।

(वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजंत के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजंत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्वदी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत्याकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलेखीकरण :—इसमें प्रयुक्ता शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन जो स० नं० 437, 438 बी०, 453 पी०,  
455, पंचपखेड़ी ठाणे में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख क्र० 2362 जो 15-11-81  
को दुर्घम निबंधक ठाणे के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चंद्रा,  
सक्तम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 17-6-1981

मोहर :

प्रह्लप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 17 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० निफाड़/नवम्बर ८०/

५१९/८१-८२—यतः मुझे ए० सी० चंद्रा

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के  
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वातंत्र राज्यति, त्रिपुक्ति बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है।

और जिसकी संख्या ग० नं० 290, लासलगांव, ता० निफाड़  
जि० नासिक है तथा जो टाकली विचूर में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक, निफाड़ में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
नवम्बर 1980

को पूर्वोक्त मम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए प्रतिरक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ याया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कभी भरने या उसमें वचन में सुविधा  
के लिए ; प्रौद्य/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या प्रन-  
कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगभारी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-घ के अनुसरण  
में, यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (11)  
के अधीन निम्नलिखित अधिकारों, अधिकारी :—

- (1) श्री दत्तात्रेय वासुदेव देशपांडे,  
(2) श्री अशोक वासुदेव देशपांडे,  
(3) श्रीमति सुमतीबाई वासुदेव देशपांडे लासलगांव,  
ता० निफाड़, जिला नासिक

(अन्तरक)

- दि लासलगांव खरेदी विक्री संधि लि० चेअरमन—श्री  
राजा राम गणपत जगताप मरलगोद्द खुद, ता० निफाड़,  
जिला नासिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अधीन के लिए  
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त मम्पति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी घावेप ।—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रवधि पर तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, और भी प्रवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी  
अधिकत आदा। या
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद  
किसी अन्य अधिकारी द्वारा अधिकारी के पास लिखित  
में किए आ सकेये।

ल्पस्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनृसूची

प्राप्ती जो ग० नं० 290, टाकली विचूर, दक्षिण बाजू में  
रेलवे लाईट के नजदीक, बिगर शेती, जमिन, लासलगांव ता०  
निफाड़, जिला नासिक में स्थित है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1804 जो नवम्बर ८०  
को दुर्यम निबंधक, निफाड़ के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चंद्रा,  
सकाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, पूना

तारीख 17-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजेन रेंज पूना

पूना 411004 दिनांक 19 जून 1981

निर्देश सं० स० आ० आ० (नि०)/सी० ए० 5/एस० आर० हृवेली-१/दिसम्बर ८०/५१४/८१-८२— यतः मुझे ए० सी० चंद्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 81, सी० एस० सं० 2156 है तथा जो विजयनगर सदाशिव पेठ, पुणे-३०, तथा उस पर बनी बिल्डिंग सहित में स्थित है (और इससे उपावड्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ए० आ० आर० हृवेली-१ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन दिसम्बर 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवधि, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के बायिल्ड में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी:-

1. श्री आर० एल० खेरे, 898 शुक्रवार पेठ, पुणे-२ (अन्तरक)
2. श्री टी० आर० खेरे, 898 शुक्रवार पेठ, पुणे-२ (अन्तरिती)
3. श्री आर० एल० खेरे और टी० आर० खेरे, 898 शुक्रवार पेठ, पुणे-२।  
(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20- में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नमूसूची

प्लाट क्रमांक 81, सी० एस० नं० 2156 विजय नगर कालनी, सदाशिव पेठ, पुणे-३०, तथा उस पर बनी बिल्डिंग सहित पूना नगर निगम की सीमा के भीतर।

(संपत्ति जैसा कि विक्रय-विलेख में वर्णित है और जो उपनिवेशक हृवेली-१ जिला पुणे के कार्यालय में प्रलेख क्रमांक 4823 वि० दिसम्बर 1980 के अधीन पंजीकृत किया गया है)।

ए० सी० चंद्रा,  
सक्षम प्राधिकारी  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अजेन रेंज, पूना

तारीख 19-६-1981

घोरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

पूना 411004 दिनांक 19 जून 1981

निर्देश सं० स०आ०आ० (बि०) सी०ए० 5/एस आर हवेली-  
II/जनवरी 81/516/81-82—यतः, मुझे, श्री ए० सी० चंद्र  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है  
और जिसकी सं० टाउन प्लानिंग सं० 1 के अंतिम प्लाट क्र०  
1000 में से सब प्लाट क्र० 6 तथा उस पर बनी बिल्डिंग सहित  
है तथा जो नवी पेठ, पूणे 30 में स्थित है (और इससे उपावड़  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय संयुक्त उप-निबंधक- में, स्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
जनवरी 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का  
प्रब्लू प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीधत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है इसकी किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कं  
दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मेसर्स निव यूनियन कांस्ट्रक्शन कं०, क्र० 7 पर्वती दर्शन,  
श्री प्रसाद सोसायटी, पुणे-411009  
(अन्तरक)
- श्री प्रणव को०-आपरेटिव सोसायटी लि० अंतिम प्लाट सं०  
100, नवी पेठ, पुणे-30।  
(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर<sup>1</sup>  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### बनुसूची

टाउन प्लानिंग योजना क्र० 1, नवी पेठ, पुणे-30 के अंतिम  
प्लाट सं० 1000 में से सब प्लाट क्र० 6, तथा उस पर बनी  
बिल्डिंग सहित।

(संपत्ति जैसा कि विक्रय विलेख में विण्ठी है और जो प्रलेख  
क्र० 64 दिनांक जनवरी 1981 के अधीन संयुक्त उप-निबंधक,  
हवेली-II, जिला-पुणे के कार्यालय में पंजीकृत की गयी है)।

ए० सी० चंद्र  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पुणा

तारीख : 19-6-1981

मोहर :

प्रकप आई० टी० एच० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

हारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, पूना

पूना 411004, दिनांक 26 जून 1981

निर्देश सं० सी० ए० ५/एस० आर० बाम्बे/डिसेंचर/८०/  
५१८/८१-८२—यतः मुझे पी० ललवानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या स० न० 33 हिस्सा नं० 1 टिका नं० 22 सी०  
स० न० 84 है तथा जो गोखले रोड नवपाड़ा, ठाणे में  
स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कार्यालय दुर्यम निवांधक बाम्बे  
में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 18-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास  
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, एसे दरमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) एसी तिमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना आवृहए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- कृष्णाजी नारायण गोरे,
- श्रीमति दंडमति कृष्णा गोरे,
- मुदन कृष्णा गोरे
- मोहन कृष्णा गोरे
- महेन्द्र कृष्णा गोरे
- श्रीमति विद्यया मोहन गोरे
- मंगला कृष्णा गोरे
- अमोल मोहन गोरे,
- मनीषा मोहन गोरे,
- 1, 2 और 7 नंबर नवपाड़ा, ठाणे और बाकी लोग  
सांतानुज बाम्बे, मेरे रहते हैं।

(अन्तरक)

- श्री प्रेम सिंग उर्फ प्रमोद बाशा सिंग रजपुत 'दत्ता निवास',  
गोखले रोड नवपाड़ा, ठाणे

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षणः—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
माद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास सिलिखित में किए जा सकेंगे।

सम्पूर्णः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन और उपर का मकान जो स० न० 33 हिस्सा  
न० 1 टिका न० 22, सी० स० न० 84, गोखले रोड,  
नवपाड़ा ठाणे में स्थित है। जिसका क्षेत्र 518.38 स्वे०  
मीटर है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1295 जो 18-12-  
80 को दुर्यम निवांधक बाम्बे के दफ्तर में सिखा है।)

पी० ललवानी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, पूना

तारीख 26-6-1981

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेज, पुना

पुना 411004, दिनांक 30 जन 1981  
निर्देश सं० सी० ए० 5/एस० आर० बाम्बे/दिसम्बर 80/

516/81-82—प्रत: मुझे, एस० टी० कुलकर्णी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 239-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास  
करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 28,000/- इ० से अधिक है

और जिसकी संख्या रि० स० न० 156-ए सि० स० न० 244  
है तथा जो वलवण ता० मायल जि० हवेली में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निवंधक बाम्बे में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के

प्रधीन तारीख 20-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि पश्चापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल में, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिकूल के पश्चात् प्रतिकूल प्रधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तथा काया याया प्रतिकूल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरक विवित में वास्तविक काया ये अधित  
तदी किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बचत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय का किसी बन या अन्य आस्तियों  
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या बननकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) गोपाल दास तुलसी दास, 6/1 बुड्स्टिल, 16  
कलकत्ता,  
(2) रविंद्र मूलराज  
(3) बलबंत सिंग  
(4) दंदुमति रविंद्र  
(5) ललित कुमार गोपालदास  
(6) जवाहिर मूलराज  
बाई जवेरी भाई मूलराज, कर्सनदास पूर्तन्यास के  
विश्वस्त है।

2. मेसर्स मधू बिल्डर्स और असोसिएट्स 205, लोहा भवन,  
पी० डी० मेली रोड, बाम्बे-400001।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के  
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन न निवास में कोई भी राहा।—

(क) इपूँजा के रावण ने प्राकाश की बांदी  
में 45 दिन की प्रवासि या नस्वरंगी व्यक्तियों पर  
तुच्छा की तारीख में 30 दिन की प्रवासि,  
जो भी प्रवासि बांदी में समाप्त होती है, के भीतर  
पूर्णक व्यक्तियों में जो किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के रावण में प्रकाश की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में  
हितवद्द किसी गम्य अवित द्वारा, अबोहस्ताकरी  
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
'अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन और इमारत जो वलवण गांव, ता० मायल, जि०  
हवेली, आर० एस० न० 156-ए, सि० स० न० 244 में स्थित है।  
और जिसका क्षेत्र 7058 स्के० मी० है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूल विलेख क्र० 1620 जो 20-12-1980  
को दुर्यम निवंधक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है।)।

एस० टी० कुलकर्णी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
भर्जन रेज, पुना

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्रृष्ठप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 3 जुलाई 1981

निर्देश सं० सी०ए० 5/एस० आर० आम्बे/नवम्बर 80/

520/81-82—यतः मुझे भाशिकान्त कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यदि विश्वास करने का कारण  
कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिपक्षा उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी संख्या सि० स० नं० 35, 36, 37 और 38  
मकान नं० 13, वार्ड एफ० है तथा जो लोणावलाजि पुणे में स्थित  
है (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुर्यम निबंधक,  
बाम्बे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 15-11-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त अन्तरण लिखित में  
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने  
में सुविधा के लिए;यतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के बन्दुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अधृत ३—

1. (1) श्री एस० जी० कुकरेजा,  
(2) श्री डी० जी० कुकरेजा,  
(3) श्री एच० जी० कुकरेजा,  
लोणावला, जि० पुणे

(मन्त्ररक्त)

2. मिस सुचेताकुमारी केदारनाथ सेठी,  
'जयमहल' चौथी मंजिल, 'ए' रोड बाम्बे 20।

(मन्तरिती)

मोझे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आकोर :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी  
अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद  
किसी प्रत्येक अविक्षित द्वारा अधोहस्ताकारी के पात्र  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

**स्पष्टीकरण।**—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन और उपरकी इमारत जो सि० स० नं० 35, 36  
37 और 38 मकान नं० 13 एफ० वार्ड फर्नीचर प्रन्ड फिटिंग  
के साथ लोणावला, जि० पुणे में स्थित है । जिसका क्षेत्र  
1800 स्कै० फिट है ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकूट विलेख क्र० 717 जो 15-11-80  
को दुर्यम निबंधक बाम्बे के दफ्तर में लिखा है ।)

शशि कान्त कुलकर्णी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सदृश्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, पूना,

तारीख : 3-7-1981

मोहर :

प्रह्लाद आई ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 12 मई 1981

निदेश सं० ए-९७/अर्जन—यतः मुझे अमरसिंह विसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान व जमीन है तथा जो भौतिक गलशाहीद  
मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 9-12-1980

अं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर करने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
मन्त्रिधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मथुरा प्रसाद द्वारा मुख्तारश्राम श्री मोहम्मद उमर  
(अन्तरक)

2. (1) प्रबुल खलिक (2) शकील अहमद (3) जमील  
अहमद व प्रबुल रशीद  
(अन्तरिती)

2. उपरोक्त

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान मय भूमि क्षेत्रफल 397.50 वर्गमीटर स्थित  
मोहल्ला गलशाहीद मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड  
एवं कार्म 39-जी संख्या 5651 में वर्णित है जिनका पंजीकरण  
सब-रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 9-12-1980 को  
किया जा चुका है।

श्रमर सिंह विसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 12-5-1981

मोहरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

झर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जून 1981

— निर्देश सं० एल-३४/अर्जन—यतः मुझे ग्रमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1007 है तथा जो ग्राम शाहपुर तिगरी, मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-11-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 296-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-176 GI/81

1. श्रीमति सुखदेव

(अन्तरक)

2. लेबरमें सहकारी आवास समिति लिंग, मुरादाबाद द्वारा अध्यक्ष मोहम्मद हसन व मंत्री मोइनुद्दीन

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किला भूमि धरी भूमि का प्लाट खसरा संख्या 1007 क्षेत्रफल दो एकड़ बत्तीस डिसमीट (2.32 एकड़) स्थित ग्राम शाहपुर तिगरी परगना व तहसील मुरादाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जी संख्या 4952 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनांक 15-11-1980 को किया जा चुका है ।

ग्रमर सिंह बिसेन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
झर्जन रेंज, लखनऊ,

तारीख : 2-6-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टो०.एन०.एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निर्देश सं० पी-४५/अर्जन--यतः मुझे अमर सिंह बिसेन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विषयास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 11 स्टेचोरोड, इलाहाबाद में से  
प्लाट नं० 10 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उप-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) अधीन 10-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिष्ठल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और भूमि यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिष्ठल से, एसे दृश्यमान प्रतिष्ठल का  
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी  
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-  
कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूर्द किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें वक्तने में सूचिधा  
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष ब्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सूचिधा के लिए;

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियावाद द्वारा श्री सीता राम पांडेय  
सचिव।

2. श्री परमानन्द मिश्रा। (अन्तरिक्षी)

3. उपरोक्त अन्तरक  
(वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

क्वो यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 स्थित स्टेचोरोड, इलाहाबाद  
में का पट्टे की भूमि का प्लाट नं० 10 क्षेत्रफल 488.75  
बर्गज तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म  
37-जी सं० 5530 में वर्णित है और जिनका पंजीकरण  
सब-रजिस्टर, इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 10-11-80  
को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सभी प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज, लखनऊ

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसार  
इ०, इ०, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 3-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश सं० आर /156/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 और 11 है जो, स्टेचोरोड में से प्लाट  
नं० 11 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन 17-11-1980

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में  
वास्तविक रूप से किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त संपत्ति के अधीन कर देने के अन्तरक के  
सामिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भद्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगार्थ अन्तरिती इवार प्रकृत नहीं किया  
गया था या किया जाना आवश्यक था, जिनमें में  
सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसूचणा  
में, वै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभाषा (1),  
के अधीन निम्नलिखित अन्तरण सम्पत्ति—

1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाण्डेय  
सचिव।

(अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर के लिए  
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अंतर के सम्बन्ध में कहै भ्री बिसेन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहन  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
निवित में किए जा सकेंगे।

संपत्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
जया है।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 9 तथा 11 स्थित स्ट्रेचोरोड इलाहाबाद में से  
पटे को भूमि का प्लाट नं० 11 क्षेत्रफल 488.75 वर्ग गज  
व सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जो सं०  
5697 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद  
के कार्यालय में दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका  
है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

मुरूप थाई, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निवेद सं० ए-211/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह  
विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-ए-भटियारा रोड है जो इलाहाबाद में से  
प्लाट नं० 2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय 11-11-1980 इलाहाबाद में

भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) .  
के अधीन दिनांक 11-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ  
पाश्च गया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है ;—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
आड़/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

1. दि प्रयास उपनिवेशन मावास एवं निर्माण समिति लि०  
877-ए दरियावाद इलाहाबाद द्वारा सीता राम  
पान्डेय, सचिव ।

(अन्तरक)

2. श्री सहादेव प्रसाद

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-  
बवृधि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति सं० 1-ए स्थित भटियारा रोड इलाहाबाद में से  
फी होल्ड भूमि का प्लाट नं० 2 क्षेत्रफल 200 वर्गगज तथा वह  
सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म 37 जी संख्या 5550 में  
वर्णित है जिनका पजीकरण सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्या-  
लय में दिनांक 11-11-1980 को किया जा चुका है ।

अमर सिंह विसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायर नियम, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश संख्या एस-212/अर्जन:—अतः मुझे अमर सिंह  
विसेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परवान 'उक्त अधिनियम' सहा गया है), की भारा 269 व  
के अधीन मध्यम प्राविकारी को, यदि विश्वास करने का कारण  
है कि हावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 9 और 11 स्टेचोरोड इलाहाबाद है जो  
प्लाट नं 40 जो, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावन  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत  
प्रशिक्षण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(c) अन्तरण से दूर्व किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कर्मी करने था उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या'(d) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
प्रत्यन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व (1) के  
अनुसरण में, अन्तर अधिनियम की भारा 269-व (1) के  
प्रयोगन, निम्नलिखित अस्तियों, अथवा:—1. दि प्रवाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियाबाद द्वारा श्री सीता राम पाण्डेय  
सचिव

(अन्तरक)

2. श्री सन्तोष कुमार

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन का अवधि या सत्त्वसम्बन्धों व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्वैहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित  
हैं, उन्हीं पर्याप्त होता, जो उग अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 आर 11 स्थित स्टेचोरोड इलाहाबाद  
में से पट्टे को भूमि का प्लाट 40 क्वेनफल 450-71 वर्गगज  
तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फाम 37 जो  
संख्या 5694 में वर्णित है और जिनका रजिस्ट्रेशन सब  
रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-11-1980 को  
किया जा चुका है।अमर सिंह विसेन;  
सक्तम प्राविकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ;तारीख 3-6-1981  
मोहर:

प्रखण्ड आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ  
लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981निदेश संख्या एस-215/अर्जन—ग्रन्त: मुझे, अमर सिंह  
बिसेनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 9 और 11 स्टेचोरोड इलाहाबाद में  
प्लाट नं० 24 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इसे  
उपायदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा  
अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-1980  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत ज्ञे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप में क्षयित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण के हूँ इन्हें किसी आय की बावजूद, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
भाउं/या(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प रही किया  
गया था या किमा जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीक्त:—1. दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी  
समिति लि० दरियावादा द्वारा श्री सीताराम पाण्डे  
सचिव।

(अन्तरक)

2. श्री शिवशंकर शितवारी

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
मद्धत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के  
पास लिप्सित में किए जा सकेंगे।संज्ञीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मानसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 स्थित स्टेचोरोड इलाहाबाद में से  
पट्टे की भूमि को प्लाट संख्या 24 तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो  
सेलडीड और फार्म सं० 37 जी संख्या 5699 में वर्णित है  
जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में  
दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका है।अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज लखनऊ।

दिनांक: 3-6-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जून 1981

निदेश संख्या टी 25/अर्जन—आतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 9 और 11 स्टेचो रोड इलाहाबाद में से प्लाट न० 25 है जो इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-11-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप में जारी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हीद किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बनने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- दि प्रयाग उपनिवेशन आवास एवं निर्माण सहकारी समिति लि० दरियावासाद द्वारा श्री सीता राम तिवारी सचिव (अन्तरक)
- श्रीमति तारा तिवारी (अन्तरिती)
- उपरोक्त अन्तरक। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;
- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लघुकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति संख्या 9 और 11 इलाहाबाद में से पट्टे को भूमि का प्लाट संख्या 25 क्षेत्रफल 316.18 वर्गगज तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड और फार्म संख्या 5701 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 17-11-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊ,

तारीख : 3-6-1981

मोहर :

प्रूफ आई.टी.एन.एस. -----

1. श्री हृदय रमेश दयादार व अम्ब

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

2. श्री पार्षद सारथी कुमार व अम्ब

(प्रस्तरिती)

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 29 मई 1981

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कल०/1981—अतः मुझे,  
के० सिंहा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० सी० ए० दाग 63 है तथा जो पति-  
पुकुर, पी ए० ले के टाउन, कलकत्ता-48 में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूरे रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट  
अधिकारी के कार्यालय ए० आर० कोसीपुर, दम दम में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 26-11-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस० दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्क) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफ-  
ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(क्ष) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में  
सुविधा के लिए;के यह सूचना आर० करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए  
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाबू में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।लक्षणीयता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

मनसूची

क्षेत्रफल 3 के० सिर्फ पतीपुकुर सी० ए० दाग न० 63  
पी० ए० ले के टाउन, कलकत्ता-48।के० सिंहा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
घर्जन रेंज II कलकत्ताअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

तारीख : 29-5-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंट हीं एन० एस०-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ष (1) के प्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-1 /कल०/19—यतः मुझे,  
प्राईंट बी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ष के अधीन सकम शाखिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्वाक्षर सम्पत्ति, विषयका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी स० 90 है तथा जो चित्तरन्जन एवेन्यू 3, कलकत्ता  
में स्थित है) और इससे उपायद्रू अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
11-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल से पग्जह अतिशत अधिक है और  
अन्तरक (पन्तरणों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्ननिवित  
उद्देश्य में उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) प्रतरण से तुर्हि किसी आय की बाबत उक्त अधि-

नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कभी करने या उम्मे भरने में सुविधा के  
लिए; और/या(ख) ऐसी नियम या नियम द्वारा अन्य पासियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनाव अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा  
(1) के प्रश्नीन, निम्ननिवित अवितियों, प्रर्याति:—

5—176GI/81

1. श्री सिकार नाथ सेन

(प्रत्सरक)

2. रिजोलिउट ट्रेडर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

मौ यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त गम्भीर के अर्जन के मम्बन्ध में लोहे भी आक्षेप:—

(क) इप द्वारा के राब्रश्वर में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तस्वीरी अवितियों पर सूचना की  
नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवितियों में से  
किमी अवित द्वारा;

(ख) इस पूर्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त इवावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अध्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित  
ने किए जा मांगें।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अवं होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

मनुष्याची

90 चित्तरन्जन एवेन्यू; कलकत्ता में प्रबस्तियत 11 कट्टा 2  
छटांक 11 वर्ग फिट जमील पर आर तल्ला मकान का 1/3 हिस्ता  
जो 11-11-1980 तारीख में डीड नं० प्राईंट-6378 अनुसार  
रजिस्ट्री आफ एस्यरेस का दफ्तर रजिस्ट्री हुमा।

प्राईंट बी० एस० जुनेजा,  
सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री शंकर नाथ मेठ

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. मैसर्स रिजोलिउट ट्रेडर्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV/कल०/19—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 90 है तथा जो चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्री इससे उपाधिक अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

11-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स. एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्राप्त प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

90 चित्तरंजन एवेन्यू, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा 2 छटांक 11 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला भवान का 1/3 हिस्ता जो रजिस्ट्रार आफ एस्युरेंस कलकत्ता का दफ्तर में छोड़ नं० आई-6379 अनुसार 11-11-1980 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 8-7-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेंज-IV/कल/19—यतः मुझे, आई० वी०  
एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90 है तथा जो चित्तरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में और पूणिरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
दिनांक 11-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की शब्द, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वासितयों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भत्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना आविष्ट था छिपाने में  
सुविधा जे लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री उमा नाथ सेठ ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स रिजोलिस्ट ट्रेडर्स लिं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदू-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताकरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

90 चित्तरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता में अवस्थित 11 कट्टा 2 छटांक  
11 वर्ग फिट जमीन पर चार तला मकान का 1/3 हिस्सा जो  
11-11-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्युरेस का दफतर में ढीड  
नं० आई-6380 अनुसार रजिस्ट्री हुआ ।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख : 8-7-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की  
भारा २६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रंजन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक ८ जुलाई १९८१

निर्देश सं० S-579/TR/481/8 १-८ २—अतः मुझे, आई.वी.०  
एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
२६९-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
२५,००० रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ९ सी है तथा जो हाल पुकुर लेन कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुमूली में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन  
दिनांक २९-११-१९८०

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मूर्ख यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग की उपधारा (१)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

१. श्री श्यामलाल सुनमृतवाला

(अन्तरक)

२. कुमारी गौरी देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड भी आकेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

त्यज्ञोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय २०-क में परिभ्रान्ति  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

गन्तव्य

९ सी हाँसपुकुर मेन कलकत्ता प्रवस्थित २ कट्टा २ छटांक २०  
वर्ग फिट जमीन पर चार तत्त्वा मकान का प्रविष्टक १/४ हिस्सा  
जो २९-११-१९८० तारीख में डीड नं० आई-१०७४६ अनुसार  
रजिस्ट्रार आफ एण्युरेस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई.वी.० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
ग्रंजन रेंज-१, कलकत्ता

तारीख ८-७-१९८१

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री प्रयामलाल मुनमूनवाला

(प्रत्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति गोमती देवी कौशिक

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० S-580/TR-482/8 1-82—मत: मुमे, आई० वी०  
एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हासपुकुर लेन, कलकत्ता  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 29-11-1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास  
करने का कारण है। एक अधिकारी के उचित बाजार  
मूल्य, उसके अयमान प्रतिफल से, एसै अयमान प्रतिफल का  
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरुक्तों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक  
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हर्दू किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, को अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) एसै किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों  
के, जिन्हैं भारतीय आम कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, इन्हाने में  
सुविधा के लिए;

अनुसूची

क्यों यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहीय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी अवितरण पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त  
अवितरणों में से किसी अवितरण बूझाया;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि  
किसी अन्य अवितरण इवारा अधोहस्ताकरी के पास  
सिद्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-प में परिभाषित  
है, वही बर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।9 सी हासपुकुर लेन, कलकत्ता में अवस्थित 2 कट्टा 2  
छटांक 20 वर्ग फिट जमीन पर चार तल्ला मकान का 1/12  
अविभक्त हिस्सा जो 29-11-80 तारीख में रजिस्ट्रार आफ  
एस्युरेंस कल० का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्रम प्राधिकारी;  
सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्तातारीख : 8-7-1981  
मोहर : ५मत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण  
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपावारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित अवितरणों वर्णन :—

प्राक्तप पाई० दी० एस० एस०—

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269 प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० एस०-581/ -483/81-82—अतः मुझे  
आई० वी० एस० जुनेजा,

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा जाया है), की भारा 269-ख  
के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से प्रधिक है

और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हांस पुकुर लेन कलकत्ता  
में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्णाल्प से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी ) कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन  
तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार  
मूल्य, उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जाया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त  
प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्षक क  
समिति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हे भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या  
सन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनामे प्रत्यक्षित द्वाय प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-प की उपाया (1)  
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्री श्यामलाल झुनझुनवाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति सावित्री देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की प्रब्रह्म या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की प्रब्रह्म, जो भी प्रब्रह्म बाद में  
समाप्त होती है 6 बोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चात्स्थापिती के पास  
लिखित रूप से किया जा सके।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिचायित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

2 कट्टा 2 छटांक 20 वर्ग फीट जमीन 42 9 सि० हंसपुकुर  
लेन कलकत्ता में श्रब स्थित चार तल्ला मकान का 1/12  
प्रभिविभक्त हिस्सा जो 29-11-80 तारीख की डीड़ नं०  
I-10748 अनुसार रजिस्ट्रार आफ (एसोरेन्स कलकत्ता का  
दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सक्रम प्राधिकारी,  
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I कलकत्ता

तारीख: 8-7-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री श्यामलाल भुनभुनवाला ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमति सावित्री देवी कौशिक

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० ८० सी० रेंज-II/कल/ 19—अतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हासपुकुर लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन तारीख 29-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्तमान—

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरनी व्यक्तियों पर यह सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित में किए जा सकेंगे।

सुन्दरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 सी हासपुकुर लेन, कलकत्ता में अवस्थित, 2 कट्टा 2 छटांक, 20 वर्ग फीट, जमीन पर घार तल्ला मकान का अविभक्त 1/4 हिस्सा जो 29-11-1980 तारीख में डीड नं० I-10747 अनुसार रजिस्ट्री आफ एश्योरेंस कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनांक: 28-7-81

मोहर:

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-प्र (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश संख्या टी० आर०-485/एस० नं० 583/एसीक्यू-

आर० आई०—अतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी संख्या 9 सी० है तथा जो हासपुकुर लेन स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

29-11-1980

के पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्नह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-  
कर निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
हो रहे कथित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या वन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की, अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-प्र की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

1. श्री श्यामलाल शुभेनदाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति कमला देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना बातौरी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता है ॥

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कहें भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक सम्पत्ति  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पात  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या  
गया है ।

अनुसूची

१ चि० हंसपुकुर लेन कल० में अवस्थित 2 कट्टा 2  
छांटक 20 वर्ग फीट, जमीन पर जार तल्ला मकान का 1/4  
हिस्सा जो 29-11-1980 तारीख में डिड नं० 1-6731  
अनुसार रजिस्ट्रार आफ (एसोरेन्स का दफ्तर में रजिस्ट्री  
हुआ ।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, १ अहमदाबाद

तारीख : 8-7-1981

मोहर

प्रधानमंत्री द्वारा दीर्घ समय से—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 जुलाई 1981

निर्देश सं० टीआर-482/एस० नं० ५८४/एसीकू आर-  
आई—प्रतः मुझे आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' भी गग है), की धारा 269-प के  
प्रधीन प्रभाव अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्वास्थ सम्बति जिनका उत्तिवाचार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 9 सी है तथा जो हासपुकुर लेन कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और, पूर्णक्रिय से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता,  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 20-11-1980

को पूर्वीन रस्ते के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि पार्यावौद्धार समिति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पश्चात्  
प्रतिगत प्रतिक्रिया है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षी) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे व्यवस्थाएँ के बिंदु तथा पाया गया प्रति-  
क्रिया, जिनकी उत्तरण के उद्देश्य से उन्हें व्यवस्थाएँ निर्धारित में वास्तविक  
होने पर कठिन नहो किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधि-  
नियम से अधीन नहोने के प्रत्यक्ष के वायिल्क में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रत्यक्ष नहीं किया  
गया था या किसी जीवी चाहिए थी, जिसमें  
सुविधा के लिए,

प्रतः यद्य, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प में उपधारा '1) के  
अधीन निम्नलिखित अवक्षियों अवैतः—

16—176GI/81

1. श्री श्याम लाल शुमशुनवाला

(अन्तरक)

2. श्रीमति कमला देवी कौशिक

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कायबाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी वाचेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तरसंवधानी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बोध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों द्वे  
से किसी अविस्त द्वारा;

(ख) इस सूचनों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय  
बद्ध किसी धन्य अवक्षित द्वारा अधोहस्ताकारी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रबंधीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्वों का, जो उक्त  
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ लोगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## शुनुसूची

9 सी हासपुकुर लेन, कलकत्ता अवस्थित 2 कट्टा  
2 छटाक, 20 वर्ग फिट जमीन पर भार तल्ला मकान का  
1/12 हिस्सा जो 20-11-1980 तारीख में फ़ीड नं आई-  
10850 अनुसार रजिस्ट्री आफ एम्प्यूरेंस का वफ्तर में रजिस्ट्री  
हुआ।

आई० वी० एस० जुनेजा,  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण),  
भर्जन रेंज। कलकत्ता,

तारीखः 8-7-1981  
मोहर

प्रस्तुप बाई० टी० एन० एस० -----

1. श्री राधाकिशोर गांगुली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा  
269-प (1) के अधीन सूचना

2. श्री प्रलैण कुमार, श्रीमति जोयिका जश

(अन्तराली)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्वेश सं० ए० सी० 36/रेज-IVकल/1981-82—

अतः मुझे के० सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो भोजा राधानगर में  
स्थित है और इससे उपाधान अनुसूची और, पूर्णरूप से वर्णित  
है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वर्धमान में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

11-11-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पश्चात प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निर्दित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हृदृ० किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हॉं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण  
में, भू, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यालयी हाईरा करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ० भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के  
पास सिवित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

## अनुसूची

23, मुरात महल, विरहाटा, जिला वर्धमान में 6 कठा  
12 छटांक जमीन के साथ मकान का सब कुछ जैसे 1980  
का दलिल सं० 7474 में और पूर्णरूप से वर्णित है ।

के० सिंहा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण),  
प्रर्जन रेंज 4 कलकत्ता

दिनांक 13-7-1981

मोहर :

प्रकाश आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार  
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजनन रेंज कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 13 जुलाई 1981

निर्देश सं० ए० सी० 37/रेंज-IV/कल०/1981-82—

अतः मुझे के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा  
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30/2 है तथा जो बिहारी लाल पाल स्ट्रीट  
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्णरूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय काशीपुर,  
(दमदम) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख 26-11-1980

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकार  
करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके अधिकार स्थावर सम्पत्ति से, एसे अधिकार स्थावर सम्पत्ति का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिक्ती  
(अन्तरिक्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत—

1. श्री जीसतरिन एच० पल्लै

(प्रन्तरक)

2. एम० एल० चटर्जीर

(प्रस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए  
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में क्वारू भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोंक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के बारारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहूँ  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें।

**स्वाक्षरणः**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

30/2-श्री बिहारी लाल पाल स्ट्रीट, में 1 के० 8 छा० जमीन का  
सय मकान का सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं०  
8571 में और और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा,  
सकाम प्राधिकारी  
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)  
प्रजनन रेंज, कलकत्ता,

तारीख 13-7-1981

मोहरः

प्रकृष्ट शाई० टी० एच० एच०-----

संस्कार अधिनियम; १९६१ (१९६१ का ४३) भारत की

२६९-ष (१) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता विनांक १३ जुलाई १९८१

निर्देश सं० ए० सी० ३८/रेंज-IV/कल०/१९८१-८२—  
भ्रातः मुझे के० सिंहाआयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें  
इसके प्रत्यक्ष 'समस्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २६९-ष  
के प्रधीन संबंध प्राधिकारी ने, यह विश्वास बरते का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका विचित्र बाजार मूल्य २५,०००/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० है तथा जो लोहाघर नक्शाल बाई में  
स्थित है (और इससे उपर अनुसूची में और पूर्णरूप से  
बर्णित है, रजिस्ट्रीकरण संघिकारी के कार्यालय कलकत्ता  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६)  
के अधीन तारीख २४-११-१९८०की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और प्रभारक (प्रभारकों) और प्रभारिती  
(प्रभारितियों) के द्वारा ऐसे व्यवहरण के अन्तर्गत आय गया  
प्रतिफल, निम्नविवित उद्देश में उक्त प्रभारण लिखित में  
वास्तविक अ० कथेत नहीं किया गया है:—(क) प्रबन्धन में दूई किमी आय की वावत, उक्त  
अधिनियम की अवीन कर देने के प्रभारण के  
विवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(म) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य स्थितियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२  
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या  
अनन्कर 'अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७)  
के प्रयोगनार्थे प्रभारिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;भ्रातः अ० उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग के वन्नुसरण में,  
में, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ष की उपभारा (१) के  
प्रधीन निम्नलिखित अवधारत:—

१. मैसर्स इंस्पेक्टर इंडिया प्रेसेस लि०

(प्रभारक)

२. कुमारी न्यायानाल इंडिया ट्रेडसे प्रा० लि०

(प्रभारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अवैन के लिए उपर्याहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के संबंध में कोई भी आँखेप ।—

(क) इस सूचना के संबंध में भ्रातः की तारीख से  
४५ दिन की अवधि या उससम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रदूषित, जो भी  
प्रदूषि वाद में समाप्त होती हो, के प्रभार सूचना  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वादः।(ख) इस सूचना के उपर्याह में भ्रातः की तारीख से ५५  
दिन के भीतर उक्त स्थान के प्रभार में विलब्द किसी  
प्रदूष व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्तानी के पात्र लिखित  
में लिए जानकारी मेंस्पष्टीकरण:—इसमें प्रबन्ध सम्बद्धों और प्रदूषों का, जो उक्त  
अधिनियम के प्रमाण २०३ में परिचायित  
हैं; उनीं पर्याप्त द्वारा, जो उक्त अधिनियम में  
दिया गया है।

सुविधा

मोजा—लोहाघर, नक्शाल, बाड़ि, वार्जिलिंग में ८१४.३७  
एकड़ जमीन का साथ मकान का सबकुछ जैसे सं० १९८१  
का वलिल सं० ६५९० में और पूर्णरूप से बर्णित है।के० सिंहा,  
संसाम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज ४ कलकत्ता,

नम्बर: १३-७-१९८१

(लोहाघर:

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 7th July 1981

No. F. 6/81-SCA(I).—Shri M.K. Rao, Assistant Registrar of this Registry has retired from the service of the Registry with effect from June 30, 1981(AN).

MAHESH PRASAD  
Dy. Registrar (Admn. J.)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 30th June 1981

No. A.32014/3/79-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S.	Name	Period
1.	Shri Joginder Singh	6-7-81 to 5-9-81
2.	Shri R.L. Thakur	26-6-81 to 25-8-81

Y. R. GANDHI  
Under Secy. (Admn.)  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DEPTT. OF PERSONNEL & AR  
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 7th July 1981

No. M-5/73-AD.V.—The services of Shri M.G. Katre, IPS (MH-1952) Joint Director/Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment were placed back at the disposal of the Govt. of Maharashtra with effect from 3-6-1981 afternoon on repatriation.

The 10th July 1981

No. M-68/66-AD. V.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri M. D. Agharkar, Superintendent of Police, CBI, GOW, Bombay relinquished charge of the office Supdt. of Police, CBI/SPE with effect from the afternoon of 30-6-1981.

The 13th July 1981

No. A-19021/2/80-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri P.C. Dogra, IPS (Punjab-1964) to officiate as Deputy Inspector General of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment with effect from the forenoon of 6th July, 1981 until further orders.

Q. L. GROVER  
Administrative Officer (E)  
CBI

DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 7th July 1981

No. O.II-992/72-Estt.-I.—On his services having been re placed at the disposal of the CRPF by the National Police Commission (MHA), Shri Kuldip Singh is appointed as Dy. S.P. (Copy Comdr) in 48 Bn of this Force with effect from the forenoon of 03-6-1981.

The 9th July 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General C.R.P. Force is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftekharunissa Begum General Duty Officer Grade II in the C.R.P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 29-6-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th July 1981

No. O.II-1584/81-Estt.—The Director General C. R.P. Force is pleased to appoint Dr. Tej Singh Vimal General Duty Officer Grade II in the C. R. P. Force on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 4-7-1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, which ever is earlier.

A. K. SURI  
Asst. Dir. (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 8th July 1981

No. E-3801(3)2/79-Pers.—On his transfer from Paradip, Shri U.P. Bahera assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit R. S. P. Rourkela, *w.e.f.* the forenoon of 25th May, 1981.

No. E-16013(1)/1/80-Pers.—On his transfer on deputation, Shri M. Mukherji, IPS (Orissa-62) assumed the charge of the post of Dy. I.G. C.I.S.F. R.S.P. Rourkela, *w.e.f.* the forenoon of 10-6-81.

No. E-16013(1)/1/81-Pers.—On transfer on deputation, Shri R. Radhakrishnan, IPS (Kerala-62) assumed the charge of the post of Dy. Inspector General (S/Zone) CISF, Madras *w.e.f.* the afternoon of the 6th June, 1981 vice Shri Raja Sreedharan IPS (MP-57) who on repatriation to State cadre, relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri S. S. Kadian assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., Southern Zone Training Reserve Force, CISF, Madras with effect from the (F/N) of 30-3-81.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Patna, Shri S.P. Dwivedi assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, BIOP Dep. 14, Kirandul *w.e.f.* the forenoon of 2-3-81.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Hardwar, Shri Nilmani relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, B. C. C.L. Jharia, *w.e.f.* the afternoon of 25th April, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer to Madras, Shri N.G. Sakul relinquished the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit, A.S.P. Durgapur *w.e.f.* the afternoon of 19th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his promotion, Shri D. N. Nayak assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, ISRO Thumba, *w.e.f.* the forenoon of 20th May, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Jharia, Shri Nilmani assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit, BHEL Hardwar *w.e.f.* the forenoon of 2nd June, 1981.

No. E-38013(4)/5/81-Pers.—On his transfer from Bokaro, Shri R. P. Dube assumed the charge of the post of Asstt. Comdt., CISF Unit IDPL Gurgaon *w.e.f.* the forenoon of 30th May, 1981.

SURENDRA NATH  
Director General

## OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 9th July 1981

No. 11/102/79-Ad. I(2).—The President is pleased to appoint, by promotions the under-mentioned Assistant Director of Census Operations to the post of Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations in states as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of Officer	Office in which working
1	2	3
1. Shri C.D. Bhatt	Director of Census Operations, Himachal Pradesh, Simla.	
2. Shri S.L. Bahl	Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh.	

No. 11/102/79-Ad. I(1).—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned Assistant Directors of Census Operations, (Technical) to the post of Deputy Director of Census Operations, in the Office as mentioned against their names, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period upto the 28th February, 1982 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter, under the existing terms and conditions:—

S. No.	Name of the Officer	Office	in which working
1. Shri O. P. Sharma	R.G.I., New Delhi		
2. Shri M. Panchapakesan	D.C.O., Tamil Nadu, Madras		
3. Shri S.P. Sharma	D.C.O., A&N Islands, Port Blair.		
4. Shri R.P. Tomar	D.C.O., Punjab Chandigarh		
5. Shri M.K. Ahuja	R.G.I., New Delhi.		
6. Shri V.P. Rustagi	R.G.I., New Delhi		
7. Shri A.K. Biswas	R.G.I., New Delhi		
8. Shri A. Pyrtuh	D.C.O., Assam Gauhati		
9. Shri Y. G. Krishnamurthy	D.C.O., Andhra Pradesh Hyderabad.		
10. Shri R.K. Singh	D.C.O., Punjab Chandigarh		
11. Shri S.P. Grover	D.C.O., Punjab Chandigarh		
12. Shri Ram Singh	D.C.O., Madhya Pradesh, Bhopal.		
13. Shri D.N. Mahesh	D.C.O., Rajasthan, Jaipur.		
14. Shri S.C. Saxena	R.G.I. New Delhi		
15. Shri Ajit Singh	D.C.O., Uttar Pradesh, Lucknow.		
16. Shri M. Magappan	D.C.O., Tamil Nadu, Madras		
17. Shri Phool Singh	D.C.O., Uttar Pradesh, Lucknow.		
18. Shri A.K. Dutta	D.C.O., Lakshadweep, Cochin		
19. Shri R.B. Singh	D.C.O., Bihar, Patna		
20. Shri H.L. Kalla	D.C.O., Jammu & Kashmir, Srinagar		
21. Dr. K.S. Dey	D.C.O., West Bengal, Calcutta		
22. Shri D.P. Khobragade	D.C.O., Maharashtra, Bombay.		
23. Shri S.K. Swain	D.C.O., Orissa, Cuttack		
24. Shri B. Satyanarayana	D.C.O., Andhra Pradesh, Hyderabad		

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

## MINISTRY OF FINANCE

## (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

## CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 6th July 1981

No. 177-A/1.—The General Manager, Currency Note Press, Nasik Road hereby appoints Shri M.L. Sonawane (S.C.), Sectional Officer, Currency Note Press, on *ad-hoc* deputation basis as Purchase Officer, Currency Note Press, in the pay scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, for a period of one year from the forenoon of 4th June 1981, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. D. IDGUNJI  
General Manager

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF CENSUS OPERATIONS, HARYANA

Chandigarh-160022, the 24th June 1981

## ORDER

No. A-20067/1/77-Admn.—WHEREAS Shri Rameshwar Dass Verma, Proof Reader in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh has been continuously absenting himself from duty since 14th April, 1981 without any permission of the competent authority:

AND WHEREAS his continuous absence from duty Constituted gross misconduct rendering the said Sh. Rameshwar Dass Verma liable to disciplinary action;

AND WHEREAS the said Shri Rameshwar Dass Verma had been evading the receipt of official communications sent to him under registered A.D. covers including the charge-sheet framed against him;

AND WHEREAS disciplinary proceedings under Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965 were instituted against the said Shri Rameshwar Dass Verma to enquire into the charges of unauthorised and wilful absence from duty *w.e.f.* 14th April, 1981 and of gross misconduct and insubordination in knowingly evading receipt of official letters and for violation and defiance of lawful orders of the superior authority;

AND WHEREAS an enquiry into the charges was held ex parte as the said Shri Rameshwar Dass Verma did not participate in the proceedings;

AND WHEREAS the undersigned had accepted the recommendation of the Enquiry Authority that the charges framed stand fully established against the said Shri Rameshwar Dass Verma;

AND WHEREAS the undersigned terminated the services of the said Shri Rameshwar Dass Verma, Proof Reader in the Office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh *w.e.f.* 16th June, 1981;

AND WHEREAS the said Shri Rameshwar Dass Verma evaded receipt of the order of termination of his services from the postal authorities as the same was received back from the postal authorities with the remarks "Informed in time but evading receipt of registered letter" given on the cover;

NOW, THEREFORE, under the circumstances the undersigned announces the termination of the services of the said Shri Rameshwar Dass Verma *w.e.f.* 16th June, 1981 through this notification.

O. P. BHARADWAJ  
Director of Census Operations,  
Haryana, Chandigarh.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT  
OFFICE OF THE ACCOUNTANT  
GENERAL-I, KARNATAKA

Bangalore, the 8th July 1981

No. ES. I A4/81-82/389.—The Accountant General is pleased to promote S/SHRI N.R. SESHA BHATTA and M.K. SRINIVASAN, permanent Section Officers as Accounts Officers in a purely temporary capacity until further orders without prejudice to the claims of their seniors, if any, with effect from the dates of their taking over charge.

V.A. MAHAJAN  
Sr. Dy. Accountant General,  
(Administration).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II, U.P.

Allahabad, the 7th July 1981

No. Welfare/864.—Shri O.P. Nagpal an Account Officer of the office of the Accountant General-II U.P. Allahabad expired on 16th June, 1981.

S.J.S. AHLUWALIA  
Sr. Dy. Accountant General.  
(Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE  
DEPARTMENT OF TEXTILES  
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 16th May 1981

No. EST. I.2(547)/1351.—Shri K. N. Paul, Assistant Director Gr. II in the Regional Office of the Textile Commissioner, Calcutta, retired from service with effect from the afternoon of 30th April, 1981 on attaining the age of superannuation.

ANJANEYA  
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 18th June 1981

No. R4(1) 26.—In supersession to this Department's notification No. R4(1)26 dated 1st January 1968, the Chief Controller of Explosives, hereby authorises on and with effect from the 1st January, 1981, the Officer specified in the first column of the annexed Schedule to exercise the powers mentioned in Rule 91 and in column 4 of schedule IV against, Article 3 and 5 of the Explosives Rules, 1940, in the areas comprised in the States and Union Territories specified in the corresponding entry in the second column of the annexed Schedule.

THE SCHEDULE

Officers	Areas
Dy. Chief Controller of Explosives, North Circle, Agra	Uttar Pradesh, Punjab, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Rajasthan, Madhya Pradesh, Union Territories of Delhi and Chandigarh.
Dy. Chief Controller of Explosives, South Circle, Madras	Tamil Nadu, Kerala, Karnataka, Andhra Pradesh, Union Territories of Pondicherry and Laccadive, Minicoy and Amindivi Islands.

Officers	Areas
Dy. Chief Controller of Explosives, East Circle, Calcutta	West Bengal, Bihar, Orissa, Assam, Manipur, Tripura, Arunachal Pradesh, Meghalaya, Mizoram, Nagaland and the Andaman and Nicobar Islands.
Dy. Chief Controller of Explosives, West Circle, Bombay	Gujarat, Maharashtra, Goa, Daman & Diu and Dadra and Nagar Haveli.

CHARANJIT LAL  
Chief Controller of Explosives.

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th July 1981

No. 3971/B/A-19012(3-SCK)/80-19B.—Shri Subal Ch. Kar is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 30-4-81 until further orders.

No. 3985B/A-19011(7-J.S.B.)/79-19A.—The President is pleased to appoint Shri J.S. Bhatia to the post of Regional Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 1300-50-1700/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 2-5-1981, until further orders.

No. 4000B/A-32014(1-Asstt. Geol.)/80-19A.—The following senior Technical Assistants (Geology), Geological Survey of India are appointed on promotion as Assistant Geologists in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the dates shown against each, until further orders:—

1. Shri Prakash Rn. Mukhopadhyay . . . . . 25-5-1981 (FN)
2. Shri K. Bulli Raju . . . . . 26-5-1981 (FN)
3. Mrs. Mamata Dutta Gupta . . . . . 25-5-1981 (FN)
4. Mrs. Janhabi Roy . . . . . 26-5-1981 (FN)
5. Mrs. Bharati Adhikari . . . . . 23-5-1981 (FN)

V. S. KRISHNASWAMY  
Director General

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-110011, the 5th July 1981

No. 14/5/81-M(T).—In exercise of the power conferred under the rule 6 of the Ancient Monuments and Archaeological Sites and Remains Rules, 1959 I, Jagatpati Joshi, Director (Exploration) hereby direct that no fee shall be charged from visitors for entry to the Archaeological area of Red Fort, Delhi on Tuesday the 7th July, 1981, on the occasion of the ceremonial reception of the chair used by Subhash Chandra Bose as head of the Azad Hind Fauj in Burma.

JAGATPATI JOSHI  
Director (Exploration)

## DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 7th July 1981

No. 4(31)/80-SI.—Shri Kamal Singh, Programme Executive All India Radio, Ambikapur resigned from service with effect from the afternoon of 15th June, 1981.

H.C. JAYAL  
Dy. Director of Administration.  
for Director General

New Delhi, the 7th July 1981

No. 3/15/81-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri U.K. Shete, Sr. Accountant, Central Sales Unit, AIR Bombay to officiate as Administrative Officer on *ad-hoc* basis at Doordarshan Kendra, Bombay with effect from 29-5-81(AN).

S.V. SESHADRI  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 8th July 1981

No. 10/57/80-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Syed Hasan Safdar as Asstt. Engineer at All India Radio, Calcutta in a temporary capacity w.e.f. 16-6-81 (FN) until further orders.

H.N. BISWAS  
Dy. Director of Administration  
for Director General.

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 2nd July 1981

No. A-31013/1/81-Exh.(A).—The President is pleased to appoint Shri V. N. Chhati, Officiating Inspector of Exhibitions in the Directorate of Advertising and Visual Publicity in a substantive capacity with effect from 19th June 1981.

S.R. NAIR  
Dy. Secy.

## DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 7th July 1981

No. A. 12026/2/81-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri A. K. Sharma as Assistant Production Manager (Printed Publicity) on *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of 30th June, 1981, until further orders.

J.R. LIKHI  
Deputy Director (Admn.)  
for Director of Advertising and Visual Publicity

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th July 1981

No. A 31014/2/81(AII PMR)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri B.N. Chhabria to the post of Chief Medical Social Work Department All India Institute of Physical Medicine & Rehabilitation Bombay in a substantive capacity with effect from the 10th April 1980.

T.C. JAIN  
Dy. Director Administrations (O&M)

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION  
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7 July 1981

No. A. 19025/42/80-A.III.—The *ad-hoc* appointment of the undermentioned Assistant Marketing Officers (Group-I) have been further extended upto 30-9-1981 or till the posts are filled upon regular basis whichever is earlier. :—

S/Sheet  
1. Y.J. Petet  
2. T.S. Johnny  
3. N.K. Mishra  
4. P. Satyanarayana  
5. A. K. Das  
6. H.C. Vatsal  
7. A.S. Sharma  
8. A.R. Mitra.

The 13th July 1981

No. A. 19025/7/81.A.III.—On the recommendations of Union Public Service Commission Shri V. Narayanaswamy Senior Inspector (cold storage) has been appointed to officiate as Assistant Marketing Development Officer (cold storage Refrigeration) in this Directorate at Bombay w.e.f. 2nd May 1981(FN) until further orders.

B.L. MANIWAR  
Director of Administration  
for Agril. Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 10th June 1981

No. PPED 3(282)/76-Admn. 6721—Consequent on his transfer from Directorate of Purchase and Stores Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V.B. Vyapari a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accounts Officer of Directorate of Purchase and Stores in this Division as Asstt. Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of May 20, 1981 until further orders.

The 2nd July 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm. 7710.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R.S. Talpade a Permanent Personal Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 29, 1981 to the afternoon of July 29, 1981 vice Shri N.T. Varwadi Asstt. Personnel Officer proceeded on leave.

Sd: Illegible  
Administrative Officer

## NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 4th July 1981

## CORRIGENDUM

No. NFC/PAR/1603/3360.—The scale of pay shown in the Notification No. NFC/PAR/1603/3261 dated 29-6-1981 as Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 may be corrected to read as Rs. 650-30-740-35-810-EB-33-880-40-1000-EB-40-1200.

G.G. KULKARNI  
Manager, Personnel & Admn.

The 29th June 1981

No. PAR/0704/3256.—In continuation of this office Gazette Notification No. PAR/0704/2783 dated 31-5-1981 Chief Executive Nuclear Fuel Complex appoints Sri V.R.N. Iyer Selection Grade Clerk to officiate as Asstt. Personnel Officer on *ad-hoc* basis against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 22-6-81 to 11-7-1981 or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO  
Administrative Officer

## (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 10th July 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. Govindappa as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 19, 1981 to June 22, 1981.

No. AMD-8/1/81-Rectt.—Director Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J.K. Sharma, permanent Upper Division Clerk and Officiating Accountant in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Accounts Officers in the same Division with effect from 20-5-1981 to 27-6-1981 vice Shri D. S. Israni Assistant Accounts Officer granted leave.

No. AMD-1/32/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Birendra Kumar Srivastava as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of June 29, 1981 until further orders.

M.S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 6th July 1981

No. A.32014/4/81-E.I.—The Director General of Meteorology hereby appoints the undermentioned Professional Assistants India Meteorological Department as Assistant Meteorologists in an officiating capacity in the same Department with effect from the dates mentioned against their names and until further orders:—

Name (1)	Date of assumption of charge as Assistant Meteorologist (2)
1. Shri P.B. Hore . . . . .	15-4-1981
2. Shri F.M.C. Gonsalves . . . . .	15-4-1981
3. Shri Durga Prasanna Chatterjee . . . . .	15-4-1981
4. Shri Tribhuwan Nath . . . . .	16-5-1981
5. Shri J.J. Singh . . . . .	15-4-1981
6. Shri S.N. Sarin . . . . .	8-5-1981
7. Shri B.B. Chakraborty . . . . .	19-5-1981
8. Shri Pradosh Ranjan Ray . . . . .	15-4-1981
9. Shri S.R. Banerjee . . . . .	15-4-1981
10. Shri O.P. Sharma I . . . . .	1-6-1981
11. Shri Apurba Kumar Saha . . . . .	15-4-1981
12. Shri B. Basu . . . . .	13-5-1981

17—176GI/81

1	2
13. Shri R.C. Ghoshal . . . . .	29-4-1981
14. Shri D.N. Paul . . . . .	2-6-1981
15. Shri D.K. Das . . . . .	15-4-1981
16. Shri M.P. Singh . . . . .	15-4-1981
17. Shri K.P. Mandal . . . . .	6-5-1981
18. Shri K.B. Lal . . . . .	11-5-1981
19. Shri N.R. Patole . . . . .	2-5-1981
20. Shri S. Hansda . . . . .	15-4-1981
21. Shri Ambika Charan Sarkar . . . . .	15-4-1981

K. MUKHERJEE  
Meteorologist (Establishment)  
for Director General of Meteorology.

New Delhi-3, the 7th July 1981

No. E(I)00705.—Dr. P.S. Pant, Officiating Additional Director General of Meteorology of the Headquarters office of the Director General of Meteorology New Delhi India Meteorological Department has voluntarily retired from the Government service with effect from the forenoon of 20-5-1981.

NOOTAN DAS  
Director (Administration)  
for Director General of Meteorology

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th July 1981

No. A. 31013/1/80-ES.—The President is pleased to appoint Shri M.M. Bakshi in a substantive capacity in the grade of Pilot in the Civil Aviation Department with effect from 13-7-1980.

The 8th July 1981

No. A. 32014/2/81-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri A. E. Saha as Administrative Officer (Group 'B' post) on regular basis with effect from the forenoon of 15th June, 1981, in the office of the Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Calcutta.

J. C. GARG,  
Asstt. Director of Administration

## FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 9th July 1981

No. 4-2/81-Adm.—Shri Bhupati Mohan Deb, Assistant Conservator of Forests of Tripura Forest Department is hereby appointed as Assistant Director (Forest Inventory) in Forest Survey of India, Eastern Zone, Calcutta on deputation basis w.e.f. the forenoon of 19th June, 1981 until further orders as per the terms and conditions indicated in this office letter No. 3-10/80-Adm dated 23rd May, 1981.

The 10th July 1981

No. 4-2/72-Adm.—Shri D. S. Rawat, Research Officer of the Forest Research Institute & Colleges, Dehradun who was working as Assistant Director (Statistics) in Forest Survey of India, Dehradun on deputation basis has been relieved of his duties w.e.f. 10-6-81 (AN) and his services have been placed at the disposal of the President, Forest Research Institute & Colleges, Dehradun.

A. B. CHAUDHURI  
Director

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Madras-600034, the 7th July 1981

No. IV/16/324/81/CX. Adj.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232A of the Central Excise (7th Amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by a court under Section 9 of the Central Excises and Salt Act, 1944 and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act are as follows for Quarter Ending 31-3-81.

Sl. No.	Name of the persons	Address	The provisions of Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri C. Namperumal Gounder	Tobacco Merchant L.S.No.17/67 (Tob) No. 15 Kohammedian Street, Attur, Salem Dt.	Sec. 9(1)(b) 9(1)(b)(b) of Central Excises and Salt Act, 1944 and 151(c), 160, 232, and 226 of Central Excise Rules, 1944.	Convicted and sentenced to pay a fine of Rs. 200/- in default to undergo Rigorous Imprisonment for 2 months.

## II—DEPARTMENTAL ADJUDICATION

—NIL—

B. R. REDDY,  
Collector

Bhubaneswar, the 10th July 1981

No. 7/81.—Sri Sachidananda Patnaik, Superintendent Central Excise & Customs, Group 'B' posted at Cuttack Division retired from Service in this Department on Superannuation in the afternoon 30-6-1981.

No. 8/81.—Shri Benudhar Panda, Superintendent, Central Excise & Customs, Group 'B' posted at Sambalpur Division retired from Service in this Department on Superannuation in afternoon of 30-6-1981.

P. N. SA NGI,  
Assistant Collector (Hdgrs)

## MINISTRY OF SHIPPING &amp; TRANSPORT

## DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-1, the 10th July 1981

No. 63-SV(1)/80.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the Director General of Shipping hereby appoints Shri A. Kaililullah Khan as Regional Officer (Sails), Calicut in a temporary capacity with effect from the 26th February, 1981 (fore noon) until further orders.

S. M. OCHANAY,  
Sr. Dy. Director General of Shipping

Bombay-1, the 10th July 1981

(MERCHANT SHIPPING)

No. 6(3)CRA/76.—The Director General of Shipping, Bombay appoints Shri P. P. Umeria, Asstt. Shipping Master, Bombay as Dy. Shipping Master, Bombay w.e.f. the afternoon of the 18th June, 1981 and until further orders.

B. K. PAWAR.  
Dy. Director General of Shipping

## MINISTRY OF LAW, JUSTICE &amp; COMPANY AFFAIRS

## (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

## COMPANY LAW BOARD

## OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Basant Pictures Private Limited.*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 532/TA.I/S. 560/80.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Basant Pictures Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sri Sai Chit Funds Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 858/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sri Sai Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. The Andhra Planters Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1226/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. The Andhra Planters Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Arrow Pharma Laboratories Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 855/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Arrow Pharma Laboratories Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ramsees Teas India Ltd.*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1089/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ramsees Teas India Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Swapna Plastics Private Limited*

Hyderabad, the 4th July 1981

No. 1430/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Swapna Plastics Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh, Hyderabad

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Natesan Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 3856/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Natesan Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s T. K. R. G. Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4715/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. T.K.R.G. Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Bul Buls Roadways Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4722/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bul Buls Roadways Private Limited has

this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Sanjeevi Transports Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4725/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sanjeevi Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Savings Permanent Fund (CBE) Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 4749/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Savings Permanent Fund (CBE) Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Chenthamara Chits Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 5661/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Chenthamara Chits Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./Illegible  
Asstt. Registrar of companies  
Tamil Nadu Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Yoganjali Publications Private Limited*

Madras-600006, the 6th July 1981

No. 6960/560(5)/81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Yoganjali Publications Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

Sd./Illegible  
Asstt. Registrar of Companies,  
Tamil Nadu Madras

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
Garmex Private Limited*

Patna, the 9th July 1981

No. (1213)3/560/81-82/1123.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Garmex Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

P. K. CHATTERJEE,  
Registrar of Companies,  
Bihar, Patna

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC 99/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 41, 49 & 50 situated at Kakaguda Urban Taluk Secunderabad (and more fully described in the Scheduled annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Medchal in November, 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt Vootla Mallamma.  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy S/o. Late Vootla Elliah
- (3) Sri Vootla Laxman  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma. W/o. Late Vootla Sarvaiah Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society Regd. No. TAB 56, 184-Nehru Nagar Secunderabad Rep. By President Sri B. Venkateswarulu. S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri B. Somnath Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma. Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 17 guntas (2057 sq. yards) Sy. No. 41, 49 and 50 Kakaguda, Urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2675/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 29-6-1981.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC 100/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Sy. No. 41, 49 & 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on November, 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Vootla Mallamma  
W/o. Late Vootla Elliah.  
(2) Sri Vootla Ramaswamy S/o. Late Vootla Elliah  
(3) Sri Vootla Laxman S/o. Late Vootla Sarvaiah.  
(4) Sri Vootla Muthyalu S/o. -do-.  
(5) Smt. Vootla Laxmamma  
W/o. Late Vootla Sarvaiah  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society Ltd., Reg No. TAB 56, 184-Nehru Nagar, Secunderabad. Rep. By President Sri. B. Venkateswarlu. S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri. B. Somnath Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) Sy. No. 41, 49 & 50 Kakaguda urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2654/80.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 29-6-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981.

No. RAC 101/81-82—Whereas I, S. GOVINDRAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Sy. No. 41, 49 & 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Med. chal in November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Vootla Mallamma.  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramaswamy. S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (3) Sri Vootla Laxman.  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu. S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma W/o. Late Vootla Sarvaiah Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society Ltd. Reg. No. TAB 56, 184-Nehru Nagar. Secunderabad.  
Rep. By President Sri B. Venkateswarlu.  
S/o. Late S. Ramalingam Secretary Sri B. Somnath Sarma S/o. B. Rajeswar Sara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) in Survey No. 41, 49 and 50 Kakaguda urban taluk, Secunderbad registered with Sub-Registrar Medchal vide Doc. No. 2644/80.

S. GOVINDRAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDERR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981.

No. RAC No. 102/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Piece land Sy. 41, 49, 50 situated at Kakaguda urban taluk, Sec. bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Medchal in November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) (1) Smt. Vootla Mallamma .  
W/o. Late Vootla Elliah.
- (2) Sri Vootla Ramawamy. S/o. Late Vootla Elliah
- (3) Sri Vootla Laxman.  
S/o. Late Vootla Sarvaiah.
- (4) Sri Vootla Muthyalu S/o. Late Vootla Sarvaiah
- (5) Smt. Vootla Laxmamma W/o Late Vootla Sarvaiah Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sreepuri Co-operative Housing Society Ltd.  
Reg. TAB No. TAB 56,  
184-Nehru Nagar,  
Secunderabad.  
Rep. By President Sri B. Venkateswarulu.  
S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri. B. Somnath  
Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) survey 41, 49 and 50 at Kakaguda urban taluk, Secunderabad registered with Sub-Registrar Medchal Vide Doc. No. 2626/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC No. 103/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 41, 49, 50 situated at Kakaguda urban taluk, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. Vootla Mallamma. W/o. Late Vootla Elijah.  
(2) Sri Vootla Ramaswamy. S/o. -do-.  
(3) Sri Vootla Laxman. S/o. Late Vootla Sarvaiah  
(4) Sri Vootla Muthyalu S/o. -do-.  
(5) Smt. Vootla Laxmamma W/o. -do-.  
Kakaguda, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. The Sree Puri Co-operative Housing Society. Ltd., Rge No. TAB 56, 184, Nehru Nagar. Secunderabad.  
Rep. By President Sri. B. Venkateswarlu S/o. Late B. Ramalingam Secretary Sri. B. Somnath Sarma S/o. B. Rajeswar Sarma

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land admeasuring 30 guntas (3630 sq. yards) in Survey No 41, 49 and 50 at Kakaguda urban taluk. Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally vide Doc. No. 2614/80.

S GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Dated : 29-6-1981  
Seal;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD  
Hyderabad, the 29th May 1981

No. RAC No. 104/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 201/3 situated at Sahebnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) (1) Sri Ravinder Sahebnagar, Hyderabad.

(2) Sri. V. Pratap Reddy.  
H. No. 3-3-1002,  
Kutbiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society.  
Rep. By President Ganesh Pershad.  
Sankesar Bazar, H. No. 16-2-805.  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—176GI/81

## THE SCHEDULE

Land 4 Acres 35 guntas in Survey No. 201/3 at Sahebnagar Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 10371/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-6-1981.

Seal:

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOMB-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th June 1981

No. RAC No. 105/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 201/3 situated at Sahebnagar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Eswaraiah, Sahebnagar, Hyderabad.
- (2) M/s. V. Pratap Reddy Managing partner H. No. 3-3-1002, Kutbiguda, Hyderabad.
- (2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society. Rep. By President Ganesh Pershad Sakesar Bazar, H. No. 16-2-805. Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 3 Acres in Survey No. 201/3 at Sahebnagar, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 10333/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,  
Acquisition Range, Hyderabad.  
Date: 29-6-1980  
Seal:

## FORM ITN—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 1 July, 1981.

No. RAC 106/81-82—Whereas, I S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 6-3-1109/3 situated at Somasiguda Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri Somanadri Bhoopal.  
S/o. Krishnaram Bhoopal (Late).  
G. P. A. Sri R. Sunander Reddy.  
S/o. Raghav Reddy.  
H. No. 1-10-147, Begumpet,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Kumari Agarwal.  
W/o. Sri Shyam Sunder Agarwal.  
1-2-597/4 Domalguda,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. 6-3-1109/3 Somajiguda, Hyderabad area 744.5 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 1177/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date 1-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 3rd July, 1981.

No. RAC No. 107/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-1-655 situated at Troop bazar Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Amtul Majeed,  
W/o. Late Syed Waheeduddin,  
H. No. 5-1-655, Troop Nagar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) (1) Mr. Fazal-El-Had Seamob,  
S/o. Essamul Haq.  
(2) Qamar Jahan Babu,  
W/o. Syed Hamid Mohiuddin,  
H. No. 16-2-80,  
Akbar Bagh Malakpet,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Portion of H. No. 5-1-655 Troop Bazar Hyderabad area 1103 sq. ft. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 12007/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 3-7-1981  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Sri A. K. Kunhiraman Nambiar,  
S/o. Chintan Nambiar.  
Retired Inspector General of Police.  
1-10-121 Mayur Marg.  
Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sri Bhajan Brahmachari Sevaashram.  
Reg No. 222 President A. K. Rose.  
S/o. Late S. C. Bose  
Secretary Sri. V. K. Sanghi.  
S/o. Girija Prasad Sanghi.  
1-0-121, Begumpet.  
Hyderabad 16.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.

Hyderabad, the 4th July, 1981.

No. RAC 108/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-10-121 situated at Begumpet Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Secunderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land measuring 1 Acre 29 guntas in Survey No. 182/7 & 182/9 with house bearing M. No. 1-10-121 without houses, garages, cattle shed bearing M. Nos. 1-10-119, 120, 122 to 125 at Begumpet, Hyderabad/Secunderabad registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc No. 295/80.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 4-7-1981.

Seal:

## FORM ITNS —————

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 6th July 1981

No. RAC 109/81-82—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land Sy. No. 7 situated at Saroornagar village, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

.1) K. Suryakanth,  
H. No. A-4, Sainik Puri.  
Secunderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Kothapet Co-operative Housing Society.  
Rep. By President Sri Ganesh Pershad  
16-2-805 Sakesar Bazar,  
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Sroornagar village area 1 Acre 32 guntas in Survey No. 7 Plot No. 10 and 11 registered with sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No: 10438/80.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 6-7-1981.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD.**

Hyderabad, the 6th July 1981

No. RC 110/81-82—Whereas I, S GOVINDRAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Chiragali lane Hyderabad (and more fully (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on November, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) (1) Smt. Pushpa Devi Biyani.  
W/o. Sri Ballabh Biyani.  
R/o. Telegaon District Osmana bad,  
Maharashtra Presently at Kachiguda,  
Hyderabad.  
(2) M/s. Shankarlal & Shankarlal .  
represented by (a) Shankelal Trivedi.  
R/o. 3-2-866 Kachiguda Hyderabad.  
(b) Sri Shankarlal Kabra .  
R/o. 32-2-853, Kachiguda,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Shiva Prashad.  
S/o. V. Digamber Rao.  
R/o. Maheshnagar Colony.  
Chiragali Lane,  
Hyderabad A. P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot of land along with the temporary structures thereon admeasuring 250 sq. yards at Maheshnagar colony Chirag Ali Lane, Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11768/80.

S. GOVINDRAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of incometax,  
Acquisition Range Hyderabad.

Date: 6-7-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI.

New Delhi, the 9th July 1981

No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7160—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-42, situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Raj Dulari,  
wd/o. Sh. Wasti Ram,  
r/o. F-42, Kamla Nagar,  
Delhi and others.

(2) Shri Kasturi Lal & Kashmiri Lal.  
s/o. Sh. Kotu Ram,  
r/o. 5256,  
Kohlapur House,  
Delhi-7.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. F-42, (Double Storey) with land underneath area measuring 232.2 sq. yd. situated in Kamla Nagar, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date: 9-7-1981  
Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

No. IAC/Acq-II/SR-1/11-80/7179—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 72/1, Block No. 2, situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amrinder Singh.  
S/o. Sh. Gurmukh Singh of  
A-3, Kailash Park, Kirti Nagar,  
New Delhi at present  
r/o. J-10/21, Rajouri Garden,  
N. Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ajit Kaur.  
w/o. Sh. Achhar Skngh,  
r/o 69, Ashoka Park, Main Rohtak, Road,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

80/100 undivided share of land mg. 200 sq. yd. bearing plot No. 72/1, Block No. 2, Kirti Nagar, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Dated: 9-7-1981.

Seal:

## FORM HFNB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

No. IAC/Acq. II/SR-II/11-80/3999—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub. Tehsil Najafgarh, N. Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Syripathi Kumar and Sh. Subhas Chander,  
8/o. Shri Hans Raj,  
A/207, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tapa Tandon,  
w/o. Sh. M. C. Tandon,  
B/7, NDDB Part-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agr. land comprised of Kh. No. 33 Min. (3-8), 34 Min. (0-12), 35 (Min. (0-9) and 40 Min. (1-8), situated in Village Masudabad, Sub-Tehsil, Najafgarh, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Dated: 7th July, 1981.  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Surinder Kumar & Sh. Subhash Chander S/o  
Sh. Hans Raj, A/207, Kajkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Tandon W/o Sh. M.C. Tandon r/o  
B/7, NDSE Part-II, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July<sup>th</sup> 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3998—Whereas  
I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Teh. Najafgarh, N. Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agr. land comprised of Kh. No. 32 Min. area 3 bighas and 1 bawa situated in Vill. Masudabad, Sub-Tehsil, Najafgarh, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 7th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, LUDHIANA

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1981

Ref: No. IAC/Acq-II/SSR-II/11-80/3923—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Holambi Kalan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Chander Wati/ w/o Sh. Jage Ram r/o 55-A, Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj, Subhash Chander and Rajinder Kumar ss/o Amar Nath c/o Jai Hind Timber Store 6926/137, Jai Puria Mills, Clock Tower, Subjimandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land mg. 9 bighas and 12 biswas out of kh. No. 53//16, 23, 24 & 25 situated at Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14th July, 1981.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Surindr Kumar & Sh. Subhash Chander s/o Sh. Hans Raj, A/207, Kalkaji, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Tara Tandon w/o Sh. M.C. Tandon r/o B/7, NDSE Part-II, New Delhi.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR/11-80/4000—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Masudabad, Sub-Teh. Najafgarh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agr. land comprised o Kh. No. 35 Min (2-1) and 34 Min (2-16), situated in Vill. Masudaad, Sub-Teh. Najafgarh, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7th July, 1981  
Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kamla d/o Sh. Kidar Nath w/o Sh. Jag Mohan r/o 775, Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Harleen Kaur Sahui w/o Sh. Charanjit Singh r/o C-5/22, Model Town, Delhi.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II-80/7217—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 775, situated at Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

one-half undivided share of property bearing Mpl. No. 775 (new) Ward I, situated in Chabi Ganj, Kashmere Gate, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 9th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) 1. Smt. Harmohinder Kaur Sehgal  
 (2) Sh. Harbhajan Singh Sehgal and others r/o 9039,  
 Gali No. 1, Multani Dhanda, Delhi.  
 (Transferor)

(2) Smt. Raj Rani w/o late Sh. Hira Lal Pachnauda r/o  
 J-7/69, Rajouri Garden, New Delhi.  
 (Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3996—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/35, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. J-3/35, mg. 160 sq. yd. situated at Rajouri Garden, N.D.

VIMAL VASISHT  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 8th July 1981  
 Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.  
New Delhi, the 9th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3989—Whereas I,  
VIMAL VASISHT,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. C-95 situated at New Multan Nagar, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
on Nov. 1980.  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of:—

(1) Shri Madan Gopal Khanna s/o Sh. Jetha Nand Khanna  
r/o H. No. C-95, New Multan Nagar, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Arjan Dev Malik s/o Sh. Lok Nath Malik r/o  
H. No. A-39, New Multan Nagar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45  
days from the date of publication of this notice in the  
Official Gazette or a period of 30 days from the  
service of notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have in the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. C-95 out of Kh. No. 2/21, to 24 situated in the  
area of vill. Jawala Heri in the abadi of New Multan Nagar,  
North of Main Rothak Road in Block No. C, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Dated : 9th July 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/7190.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8/34 situated at Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—176GI/81

(1) Shri Chunji Lal Bakshi,  
33, Kapurthala Road,  
Jullundur (Punjab)

(Transferor)

(2) Kumari Vrinda Dutt d/o Sh. Padma Dutt,  
693, Block 'O' New Alipore,  
Calcutta. & others

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building blocks constructed on Industrial Plot No. 8/34 (measuring 1867 Sq. Yds = 1561 Sq. Metres) in Kirti Nagar Industrial Area, New Delhi, alongwith lease hold rights in the said plot.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 15-7-81  
Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7152—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 27 Rd. No. 16, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Radha Kishan Khanna s/o late Sh. Gobind Ram  
2. Smt. Bholi Bai wd/o Sh. Gobind Ram,  
E-237, Greater Kailash -I, N. D.

(Transferor)  
(2) Smt. Veera Devi w/o late Dr. Ram Chander,  
r/o 4/37, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant plot No. 27 Road No. 16 mg. 279.55 sq. yd. at Punjabi Bagh, N.D.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 8-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 7th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7157—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3804, situated at Gali Magazine, Churi Walan, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Rangu Ram  
s/o Shri Udhoo Dass  
r/o 3804-Gali Magazine,  
Churi Walan, Delhi.

(2) Shri Mohd. Aqil  
s/o Ahmad Yar Khan & Masooda Begum  
r/o Mohd. Aqil  
s/o 2210-Gali Dangotran,  
Turkman Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

One house No. 3804, situated in Gali Magazine, Churi Walan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi

Date : 7-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 81

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/SR-II/11-80/3967—Whereas I  
VIMAL VASISHTbeing the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Kila Nos. 30/4, 30/5, 23/24 & 23/25 situated at  
village Julambi Khurd, Delhi,(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(1) Shri Ram Mehar & Sh. Mehr Chand  
s/o Sh. Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Gupta  
w/o Sh. Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi  
or her nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are  
defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(b) facilitating the concealment of any income or any  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One half share in Kila Nos. 30/4 (4-16); min. (2-8); 23/24  
(4-16) and 23/25 min. (2-8) of village Julambi Khurd, Delhi.VIMAL VASISHT  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Bedrol Islam  
s/o Shri Haji Abdul Salam  
2. Shri Abdul Hannan  
S/o Sh. Abdul Mannan both r/o  
2225, Gali Hinga Beg, Phatak Habash Khan,  
Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Karwan Gupta and  
2. Shri Ram Niwas Gupta  
s/o late Sh. Chander Bhan both r/o Main Bazar,  
Bahadurgarh, District-Rohtak, Haryana.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II,

H BLOCK VIKAS BHAVAN- I. P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7202—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1925 Ward-III, situated at Naya Bazar, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A 3 1/2 storeyed house bearing Mpl. No. 1925 (old), 4104, 4105 & 4154 (New) in ward No. III at Burn Bostan Road, now known as Naya Bazar, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 14-7-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

INCOME TAX ACQUISITION RANGE II  
H BLOCK VIKAS BHAVAN I.P.ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3966—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30/14(4-00); 30/7 &amp; 30/15 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Ram Mehr & Shri Mehr Chand  
s/o Sh. Pop Singh  
r/o Vill. Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Virendra Kur. Gupta  
s/o Late Shri Raghbir Saran Gerg,  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi. or his nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One half share in Kila Nos. 30/14(4-00); 30/7 (4-16); 30/6 min (2-8) and 30/15 min (2-00) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Shri Ram Mehar, Shri Mehar Chand  
s/o Pop Singh  
of village Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Jain  
w/o Shri Shiam Behari Lal,  
4, Under Hill Goad, Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS VHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3969—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30/5 & 23/25 situate at Village Hulambi Khurd, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 30/5 min (2-8) and 23/25 min (2-8) of village Hulamb Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM I.M.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3970—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9.30/4, 30/5 &amp; 23/25 situate at Village Hulambi Khurd, Delhi at Near Bansidhar Soc. Amul Devi Road, Anand (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mehr Chand & Ram Mehr  
s/o Shri Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi.  
(Transferor)

(2) Smt. Sudha Gupta  
w/o Shri Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines, Delhi or her nominee.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

One half share in kila Nos. 30/4 (4-16); 30/5 min (2-8) 23/24 (4-16) and 23/25 min (2-8) of village Hulambi Khurd Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Ram Mehar, Mehar Chand  
s/o Pop Singh  
of village Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. B. Lal  
s/o Shri Jainendra Prasad,  
4, Underhill Road,  
Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3971—Wheras I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 30/6 min (2-08), 3015 situated at Village Hulmabi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila No. 30/6 min (2-08), 30/15 (2-00) of Village Hulmabi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range II Delhi/New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—176GI/81

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3965—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 30/14, 30/7 &amp; 30/15 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Mehr Chand & Sh. Ram Mehar s/o Sh. Pooran Singh r/o Village Peepal Thala, Delhi.  
(Transferor)

(2) Sh. Virendra Kumar Gupta s/o L. Sh. Raghbir Saran Gard r/o 1, Shandkaracharya Marg, Civil Lines, Delhi, or his nominee  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

one half share in kila Nos. 30/14 (4-00); 30/7 (4-16); 30/6 min (2-8) and 30/15 min (2-00) of Village Mulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Mchar, Sh. Mehr Chand s/o Pop Singh  
r/o Village Peepal Thala, Delhi

(Transferor)

(2) Miss Rajita (minor) d/o Sh. Virendra Kumar Gupta  
s/o L. Sh. Raghbir Saran Garg r/o 1, Shankaracharya  
Marg, Delhi.

(Transfree)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE II, N. DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3968—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/17 & 23/16 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Killa Nos. 23/17 (4-16) and 23/16m (2-8) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3901— Whereas I,  
VIMAL VASISHT  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at Punjabi Bagh, Madipur Delhi State, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has  
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)  
in the office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Sri Ashok Kumar Dua R/o 41, Dua Bhawan, Arya  
Nagar Rohtak & others.

(Transferor)

(2) Sh. Mahesh Kumar s/o Sh. Shanker Dass & Sh. Rajender  
Kumar s/o Sh. Bhola Nath R/o F-65, Mansarovar  
Garden, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8, on Road No. 46, mg. 279.55 sq. yds. situated  
at Punjabi Bagh, area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi

Dated : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Ram Mehar, Sh. Mehar Chand s/o Pop Singh r/o  
Vill. Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sudhir Jain s/o Sh. Shiam Behari Lal 4, Underhill  
Road, Civil Lines, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANQE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. 9 No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3972—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/16 min. (2-B) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Killa Nos. 23/16 min. (2-B) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/II-80/3954—Whereas I,

VIMAL VASISHT  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila Nos. 23/4 (4-16); 23/5; 6/24 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

(1) Shri Hari Singh s/o Shri Neki r/o Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Monika Gupta (minor) Sh. Virendra Kr. Gupta r/o 1, Shankaracharya Marg, Delhi, Through her father or nominee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/4 (4-16); 23/5 min (2-8); 6 /24 (1-2) and 6/25 min (0-10) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 15th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sh. Hari Singh s/o Sh. Neki r/o Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Vibha Jain w/o Shri Rajiv Jain r/o 1, Shankaracharya Marg, Civil Lines, Delhi or her nominee.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3955—Whereas I,  
VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/7/1 (0-16) & 23/6 (2-8) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/7/1/ (0-16) and 23/6 (2-8) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15th July, 1981  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Smt. Gurmeet Gulati,  
w/o Sh. N. S. Gulati,  
r/o 8/30, West Patel Nagar,  
New Delhi.

(2) Smt. Joginder Kaur  
w/o Sh. Avtar Singh Anand,  
r/o 17/54,  
Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE II

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7121.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. G-50, situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at on November 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Single storeyed house on Plot No. G/50, mg. 200 sq. yd. at Bali Nagar, area of vill. Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Dated : 8-7-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3956.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/51/1 & 24/11/1 (2-00) situated at Village Hulambi Khurd Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hari Singh,  
S/o Neki,  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Reena Jain,  
W/o Sh. Sudhir Jain,  
4, Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22-176GI/81

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 23/15/1 min. (0-17) and 24/11/1(2-00) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Dated : 15-7-81

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Hari Singh,  
S/o Shri Nakhi,  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transeror)

(2) Shri Rehul Jain (Minor),  
S/o Shri Sudhir Jain,  
4 Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## INCOME TAX ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3952.—Whereas I,  
**VIMAL VASISHT**,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding,  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/6 & 24/10 situated at Village Humbali Khurd,  
Delhi

and more fully described, in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/6 min(2-8) and 24/104 (4-16) of Village Hulambi  
Khurd, Delhi.

**VIMAL VASISHT**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Dated : 15-7-81  
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3973.—Whereas I,  
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/14/2(3-00) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ram Mehar & Mehar Chand,  
s/o Pop Singh,  
r/o Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(2) Miss Kavita Gupta,  
d/o Shri Virendra Kumar Gupta  
r/o 1, Shankaracharya Marg,  
Civil Lines,  
Delhi or her nominee.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/14/2(3-00) of village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 15-7-81

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE

H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3960.—Whereas

I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 39/1, 2, 3 Vill. Matiala situated at Village Matiala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Taris Singh,  
S/o Sh. Kurey,  
R/o Vill. Singhola,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Milap Chand Jain,  
s/o Jait Mal Jain,  
Shri Ashok Jain and Nagin Jain  
s/o Milap Chand Jain,  
R/o 153-D, Kamla Nagar,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas 17 biswas Khasra No. 39/1,2,3 Vill Matiala, Delhi.

VIMLA VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II,  
Delhi/New Delhi.

Dated : 15-7-81  
Seal :

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II  
H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE NEW DELHI  
New Delhi, the 10th July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3983.—Whereas  
I VIMAL VASISHT  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Qr. No. 15-B, Block No. 24 situated at Tilak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Joginder Kaur,  
w/o S. Kuldip Singh,  
r/o 24/15-B, Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Joginder Kumari,  
r/o 2/17, Tilak Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEME

Govt. built Qr. No. 15-B, Block No. 24 Tilak Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-II  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 10-7-81  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Dhapo w/o late Sh. Mir Singh r/o 61, Sarai Peepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj Bajaj, Subhash Chander Bajaj and Rajinder Kumar s/o Sh. Amar Nath c/o M/s Jai Hindi Timber Store, 6926/137, Jai Puria Mills, Clock Tower, Subzimandi, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 14th July 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3929—Whereas 1,  
VIMAL VASISHT  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Agr. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Land mg. 9 bighas and 12 biswas out of Kh. No. 53/16  
23, 24, and 25 at Vill. Holambi Kalan, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.

Dated : 14th July, 1981

Seal :

## FORM ITNS---

(1) Shri 1. Jage Ram s/o Sh. Maha Singh

2. Kartar Singh .

3. Chander Bhan and

4. Mohinder Singh s/o Sh. Mir Singh r/o 61, Sarai Pcepal Thala, Delhi.

(Transferor)

(2) S/Sh. Inderjit Bajaj, Baldev Raj Bajaj, Subhash Chander and Rajinder Kumar Bajaj s/o Sh. Amar Nath Bajaj c/o M/s Jai Hind Timber Store, 6926/137, Ja Puria Mills Clock Tower, Subzimandi, Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NFW DELHI.

New Delhi, the 14th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq.-I /SR-II/11-80/3922—Whereas I  
VIMAL VASISHT  
being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Holambi Kalan, Delhi.  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering  
office at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property within 45 days from the date of the publication  
of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Land mg. 20 bighas and 7 biswas out of Kh. Nos. 54/21/2,  
22, 57/1 Min 2 Min and 3 Min at vill. Holambi Kalan, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 14th July, 1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Rishi Raj s/o Sh. Jawala Sahai r/o 7-A/9, WEA Karol Bagh, New Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Arora s/o Sh. Tara Chand r/o 31/6, Punjabi bagh Extension, New Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II H-BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 8th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq-II/SR-I/11-80/7106—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. G-29, situated at Bali Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. G/29, mg. 200 sq. yd. situated at Bali Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated 8th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 10th July 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/3991--Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 30, situated at North Avenue Road, Punjab Bagh, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—176GI/81

(1) Shri S. Gurbachan Singh s/o S. Labh Singh L-102, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Deopak Arora s/o Sh. K. L. Arora Smt. Kailash Arora w/o Sh. K. L. Arora both r/o 23/13, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 30, North Avenue Road, Punjabi Bagh, Delhi mg. 557.41 sq. yd.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acq. Range, II Delhi/New Delhi.

Dated 10th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July, 1981

Ref : No. IAC/Acq. -II/SR-1/11-80/7107—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 242, situated at Vill. Azadpur, abadi Kewal Park, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Tej Ram Bansal s/o Sh. Lal Ji Mal Bansal r/o 242 Kewal Park, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Sham Lal Bansal s/o Sh. Ram Ditta Mal Bansal r/o F-14/22, Model Town, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 242, area 200 sq. yd. situated at vill. Azadpur, abadi Kewal Park, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acq. Range II, Delhi/New Delhi.

Dated : 8th July, 1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE II H BLOCK VIKAS BHAVAN,  
I.P. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 10th July, 1981

Ref : IAC/Acq.-II/SR-II/11-80/4006—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 32 Block C, situated at Rani Bagh, N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dinesh Chander Sharma s/o Sh. P. K. sharm r/o 2141, Rani Bagh, Shakurbasti, Delhi.  
(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Dua &amp; Sh. Prem Kumar Duas s/o Sh. Ram Lubhaya r/o 41, Arya Nagar Rohtak (Haryana)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

1 1/2 storeyed house, built on Plot No. 32 in Block C mg. 148 sq. yd. situated at Rani Bagh, area of vill. Salimpur Delhi, State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant commissioner of Income Tax  
Acq. Range II Delhi/New Delhi.Dated 10th July ,1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15 July, 1981.

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3949—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Kila 24/20 situated at (4-12) of village Hulambi Khurd, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at... .... on Nov. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. May Devi  
W/o Shri Hari Singh  
(D/o Shri Gyani Ram),  
r/o. Village Peepal Thale, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Sunder Jain  
S/o. Shri Shiam Behari Lal:  
4, Underhill Road, Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila 24/20 (4-12) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi

Dated : 15-7-1981.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II, DELHI

New Delhi, the 15 July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3950—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 29/1 (4-14) & 24/21 (4-16) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ..... on Nov. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Maya Devi  
D/o Shri Gyani Ram  
W/o Shri Hari Singh  
R/o Sarai Pipal Thale, Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Usha Rani Jain.  
W/o Sh. Shiam Behari Lal,  
4, Underhill Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila No. 29/1(4-14) and 24/21 (4-16) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

VIMAL VASISHT,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 15-7-1981

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, DELHI

New Delhi, the 15 July 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/11-80/3900—Whereas, I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. RL-28 situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatola, Chaukhandi Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ..... on November 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ramesh Chand Chanana alias Ramesh Chander  
S/o. Sh. Banshi Ram Chanana  
R/o. RL 28, Ganga Ram Vatika, New Delhi.  
(Transferor)

(2) S. Kuldip Singh Khurana  
S/o S. Mohan Singh Khurana,  
R/o RL-28, Ganga Ram Vatika, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

House No. RL-28 mg. 200 sq. yds. situated at Ram Lal Block, Ganga Ram Vatika, Chaukhandi Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,  
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Charan Singh R/o Village  
Hulambi Khurd,  
Delhi State,  
Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Khazani R/o  
Village Hulambi Khurd,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1881

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/12-80/4025—Whereas I, VIMAL VASISTH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. 51/1(2-1), 2(4-12) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 bighas and 13 biswas out of Mustatil No. 51 1(2-1), 2, (4-12) situated in village Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Kamla Rani alias Kamla Khanna w/o  
Shri Shyam Sunder Khanna  
R/o 21/42,  
Shakti Nagar,  
Delhi

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Om Prakash Taneja  
S/o Shri Bhola Ram,  
R/o 4/37,  
W.E.A., Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3914—Whereas I,  
**VIMAL VASISTH**  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing  
No. E-1 situated at Bhagwan Das Nagar area of Village Shakur-  
Pur, Delhi State, Delhi  
(and more fully described in the Schedule  
annexed hereto), has been transferred under the Registration  
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the official Gazette or  
a period of 30 days from the service of  
notice on the respective persons, whichever  
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said  
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

## THE SCHEDULE

Plot No. E-1, mg. 243 sq. yds. at Bhagwan Das Nagar,  
area of Village Shakurpur, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Delhi

Date : 15-7-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the  
following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3951—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila Nos. 29/10 &amp; 29/11 situated at Village Hulambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Maya Devi d/o  
Shri Gyani Ram,  
w/o Shri Hari Singh,  
r/o Sarai Popal Thale,  
Delhi.(2) Shri S.B. Lal s/o  
Shri Jaiendra Prasad,  
Underhill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila Nos. 29/10 (4-16) and 29/11 (4-00) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant of Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II  
Delhi/New DelhiNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
24—176 GI/81Date : 15.7.1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Hari Singh  
S/o Shri Neki  
r/o Village Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Madhvi Jain (minor)  
d/o Shri Sudhir Jain,  
4, Under Hill Road,  
Civil Line.  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/SR-II/11-80/3953—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 23/5 min. (2-8), 24/1 (4-14) situated at Village Hulambi Khurd, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/5 min. (2-8); 6/25 min. (0-6); 24/1 (4-14) and 5/21(0-3) of Village Hulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Smt. Maya Devi d/o  
Shri Gyani Ram,  
W/o Shri Hari Singh  
r/o Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Reena Jain  
w/o Shri Sudhir Singh Jain.  
4, Inder Hill Road,  
Civil Lines,  
Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-II/11-80/3948—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Kila No. 23/15/2 situated at Village Hulambi Khurd,  
Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kila No. 23/15/2 min. (1-8) and 24/11/2(2-16) of Village  
Mulambi Khurd, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi/Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 15-7-1980  
Seal 1

## FORM ITNB

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3931—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R-Shop/35 situated at Village Naraina, in the abadi of Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Amar Singh  
s/o Shri Narain Singh r/o  
H.No. EC-32,  
Inderpur Colony,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Har Raj Singh s/o  
Shri Bhagat Singh  
R/o RA-95, Inderpuri,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. R-Shop 35, measuring 207, 1/2 sq. yards. out of khasra No. 1608, 1631 situated in Village Naraina, in the abadi of Colony, New Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New DelhiDate : 15-7-1981  
Seal :-

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 14th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3921—Whereas I,

VIMAL VASISTH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Holambi Kalan, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Jagde Ram s/o  
Shri Maha Singh  
2. Kartar Singh  
3. Chander Bhan  
4. Mohinder Singh  
ss/o Shri Mir Singh  
r/o 61, Sarai Peepal Thala,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Bhasin, Tilak Raj Bhasin and Jagdish Lal Bhasin ss/o Sh. Ram Dass Bhasin r/o C-1/3D, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land mg. 21 bighas and 9 biswas bearing Kh. No. 54/23, 24, 25, 55/21, 22, 23 Min. 57/4/2, situated at Village Holambi Kalan, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISTH  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 14-7-81

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19 in Block A-2, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Miss Prem Pasricha d/o Late Shri Chuni Lal Pasricha r/o A-2/19, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Karan Sawhney,  
2. Anil Sawhney and others  
ss/o Shri M.L. Sawhney  
r/o 76, Tagore Park,  
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 1/2 storeyed house on Plot No. 19 in block No. A-2 mg. 449-37 sq. yds. at Model Town area of Village Mallpur Chhaoni, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7195—Whereas I,  
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. I/142, situated at Kirti Nagar, New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer  
as agreed to between the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object  
of :—

(1) Shri Manohar Lal  
s/o Shri Ganpat Mal  
r/o I/142, Kirti Nagar,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Annamma Alex  
w/o A. M. Alexander  
and other s r/o Chalakuzhiyil  
Kanakapalam P.O.  
Kerala .

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

2-1/2 storeyed building on Plot No. I/142 mg. 200 w sq. yd.  
at Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur, Delhi State,  
Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 9th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/Nov. 80/7136—Whereas I,  
**VIMAL VASISHT**,  
 being the Competent Authority under Section  
 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
 that the immovable property having a fair market value  
 exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. 2-A, situated at Metcalf Road, Shanker Acharya Marg,  
 Delhi  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
 at Delhi on Nov. 1980  
 for an apparent consideration which is less than the fair  
 market value of the aforesaid property and I have reason to  
 believe that the fair market value of the property as aforesaid  
 exceeds the apparent consideration therefor by more than  
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
 consideration for such transfer as agreed to between the  
 parties has not been truly stated in the said instrument of  
 transfer with the object of :—

(1) Smt. Sudha Chopra alias  
 Shakuntala Devi w/o  
 Shri A. C. Chopra r/o  
 2-A, Metcalf Road,  
 Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Sud s/o  
 Late Amar Nath Sud  
 and others r/o 45,  
 Lekhram Road,  
 Darya Ganj,  
 New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
 are defined in Chapter XXA of the said Act,  
 shall have the same meaning as given in  
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
 of the transferor to pay tax under the said Act, in  
 respect of any income arising from the transfer;  
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
 moneys or other assets which have not been or  
 which ought to be disclosed by the transferee for  
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Double storied property No. 2-A (i.e. 1/2 of 2) situated  
 at Metcalf Road, now known as Shankar Acharya Marg,  
 Delhi.

VIMAL VASISHT  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
 ing persons, namely :—

Date : 9-7-1981  
 Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq-II/S.R.-II/11-80/3958—Whereas I,  
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. situated at 5 Bigha 8 Biswas Agr. land, Village  
Nazafgarh, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax  
Act, 1957 (27 of 1957);(1) Shri Rawal Chand s/o  
Shri Kaka r/o  
38/53, Ramjas Road,  
Karol Bagh,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sushil Kumar s/o  
Shri G. D. Vaid,  
r/o C-182, Hari Nagar,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(b) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the  
respective persons, whichever period expires later.(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XVA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

5 Bigha 8 Biswas Agricultural land in Village Nazafgarh,  
Delhi.VIMAL VASISHT  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 15-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—  
25-176 GI/81

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th July 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/11-80/3957—Whereas I,

VIMAL VASISHT,  
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14 situated at Lal Dora Village old Roshanara, Nazafgarh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Munshi Ram s/o  
Shri Brij Ram r/o  
Village Mudhela Kalan,  
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh Singhal  
s/o Shri Hari Ram r/o  
Punjab National Bank,  
Overseas Branch,  
Con. Cir., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

H.No. 114, Lal Dora, Village Old Roshanpura Nazafgarh, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 15-7-1981  
Seal :

## FORM NO. LT.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 8th July 1981

Ref. No. I.A.C. Acq.-II/S.R.-I/Nov. 1980/7112—whereas I,  
VIMAL VASISHT,  
being the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. Mpl. No. 1690, Sunder Bhavan, situated at Gali Jogdhian,  
Chandni Chowk, Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Delhi on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of  
the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely:—

(1) Shri Shashi Kumar s/o  
Late Shri Chhannu Mal r/o  
2565, Gali Neem Wali,  
Kinari Bazar,  
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Satya & Paul Bansal s/o  
Shri Jagdish Rai  
2. Smt. Savitri Bansal w/o  
Shri Satya Paul Bansal  
r/o B/15,  
Greater Kailash,  
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of  
publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Three storeyed pacca built property bearing Mpl. No. 1690,  
known as Sunder Bhavan situated at Gali Jogdhian, Chandni  
Chowk, Delhi.

VIMAL VASISHT  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July 1981

Ref. No. 1134/Acq-23-II/81-82—Whereas I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 83/2, 83/3 and 83/4 and situated at Bholav, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 26th November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Haji Asmal Adam P.A. of  
2. Shri Ibrahim Asmal Adam;  
3. Shri Ami Asmal Adam;  
4. Shri Suleman Asmal Adam;  
5. Shri Yusuf Asmal Adam;  
Lusak Patti,  
Broach.

(Transferor)

(2) Shri Bhikhubhai Chunilal Surati;  
Partner of Meghdoot Land Corporation,  
1st Floor, Panchshil Park,  
Rani Talav, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 83/2, 83/3 and 83/4 at Bholav, duly registered on 26-11-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Date : 4-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th July, 1981

Ref. No. P.R. No. 1135/Acq.-23-II/81-82—Whereas I,  
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B. Tika No. 2/3 No. S. No. 236 situated at Radhakrishna Pole No. 1, Rajmahal Road, Baroda  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 12-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Smt. Champaben Anandlal Shah;  
2. Smt. Sheelaben Anandlal Shah;  
'Nandalay',  
Radha krishna Pole No. 1,  
Rajmahal Road,  
Baroda.

(Transferor)

(2) 1. Shri Shanti Lal Somalal Panchal;  
2. Shri Kanayalal Soma Lal Panchal;  
Soni Chakla,  
Near Parabdi,  
Jambusar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

3 storeyed building, Nandalay, situated at Radhakrishna Pole No. 1, bearing B. Tika No. 2/3 S. No. 236 on the Raj Mahal Road, and as fully described as per sale deed No. 6143 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 12-11-80

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 6-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4 July 1981

Ref. No. P.R. No. Acq-23-II/81-82—Whereas I, G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 106/1/1 (Part) situated at Jetalpur Sim, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fairmarket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Chimanbhai Naranbhai Patel;  
2. Smt. Shantaben Naranbhai Patel;  
3. Shri Ramanbhai Naranbhai Patel;  
3<sup>4</sup>, Arunoday Society,  
Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Associates;  
Ratnadeep Building,  
Narpura,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Open land bearing Jetalpur sim Survey No. 106/1/1 (Part) admeasuring 9406 sq. ft. situated close to New India Mills in the Jetalpur area of Baroda City and as fully described in the sale deed bearing Regn. 6270 registration in the Office of Sub-Registrar, Baroda in the month of November, 1980.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Date : 4-7-1981  
Seal

## FORM ITN9

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad the 7th July, 1981

Ref. P.R. No. 1137/Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G.C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 203 situated at Pratapnagar, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 18-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Parvati Commercial Estate;  
Opp. Apsara Cinema,  
Pratapnagar,  
Baroda .

(Transferor)

(2) 1. Shri Banubai Aboobacker and,  
2. Aminabai A. Gaffor.,  
15/17, Masjid Cross Lane,  
(2nd Floor),  
Bombay-3.

(Transferee)

(3) British Paints (Pvt.) Ltd.  
Parvati Commercial Chamber,  
Pravapnagar,  
Baroda.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

## THE SCHEDULE

Godown in the basement of Parvati Commercial Estate bearing R. S. No. 203 and as fully described in sale-deed bearing registration No. 6378 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 18-11-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Date : 7-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July, 1981

Ref. No. P. R. 1381/Acqi.-23-II/81-82—Whrea I, G.C.  
GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 170 situated at Nr. Drive-in Road, Vastrapur, Dist. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Punamchand Gokaldas Shah;  
22, Amrakunj Society, Ramnagar,  
Sabarmati,  
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Jyotmani Coop. Housing Society,  
through Smt. Jyotika Ramaulal Shah,  
31, Avanika Park, Khanpur,  
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 3808 (1 2 of 11616 sq. yds. paiki), bearing S. No. 170 situated at Vastrapur, Nr. Drive-in-theatre, Dist. Ahmedabad vide sale-deed No. 14541/26-11-80, i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad  
Date : 4-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Mihir Textiles Ltd.,  
through : 1. Shri L.D. Vasa, Director,  
2. Shri Jagdishchandara M. Patel  
authorised person  
Khokhramehmadabad,  
Ahmedabad-380008.

(Transferor)

(2) Mafatlal Industries Ltd.  
through: Shri B. K. Joshi,  
Secretary,  
Asarwa, Road,  
Ahmedabad-380016.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 4th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1380/Acq.-I/81-82—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 144/1 & 144/2, Mouje Darlapur Kazipur, F.P. 112/2 TPS 8 situated at Shahibaug, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 24-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

26—176GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building standing on land adm. 4598.1 sq. mts. & 771.7 sq. mts. bearing S. No. 144/1 and 144/2, F.P. Nos. 11 & 12, T.P. S. 8, situated at Shahibaug, Ahmedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale deed No. 15092/11-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 4-7-1981

Seal I

## FORM NO. I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1138/Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 90, P. No. 29, T.P.S. 9, situated at Majura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Chanchalben Wd/o Ratilal Motilal, Gale Mandi, Moti Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Laxmanbhai Bhagwandas Vatiani, Kaji Medan, Kanku Mention, 1/3149-B, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The land at S. No. 90, P.No. 29, T.P.S. 9, Majuna, duly registered on 14-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Govindji;  
 Smt. Sushilaben w/o  
 Mohanbhai Govindji,  
 Mahidhpura, Bhojabhai Sheri,  
 Surat. And  
 Shri Narottambhai Bhimbhai Desai as P. A. holder of  
 above. Begampura, Dudhara Sheri,  
 Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Hansaben urfe Ansuya  
 Kishorchandra Patel,  
 Mahidhpura, Thobha Sheri, Surat.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. 1139/Acq.-23-II/81-82—Whereas I, G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 2029, Wd. No. 6, Bhojabhai Sheri, Surat (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 9-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 6, Nondh No. 2029, Bhojabhai Sheri, Surat duly registered on 1-11-80.

G. C. GARG  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 8th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1140/Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 345-B situated at Kila Desai Khadki, Katargam, Surat  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 4-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jadavji Nagardas Mistry;  
17-Chala Latta,  
Kila Desai Khadki,  
Katargam,  
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Lalitaben Govindbhai Patel;  
Lal Darwaja,  
Gudi Sheri,  
Surat.

(Transferee)

\* Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property at Kila Desai Khadki, Katargam, Surat Nondh No. 345-B duly registered on 4-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 8th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1141/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,  
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 3430B, Wd. No. 4, situated at Nanpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sheikh Jafarbhai Shaikh Kamberbhai Moyapadi; Zampa Bazar, Devdi, Surat.
2. Sheikh Shabirhussein Mulla Ismail Zaki; Zampa Bazar, Devdi, Surat.

(Transferor)

1. Moizbhai Tayabbhai Natalwala; Wakola Bridge, Santacruz, Bombay.
2. Jetoonbai daughter of Tayabbhai Alibhai Natalwala; Noorpura, Zampa Bazar, Surat.
3. Fakirbhai Tayabbhai Ghasia, Noorpura, Zampa Bazar, Surat.
4. Rasida daughter of Tayabbhai Hasanali, Zampa Bazar, Surat.
5. Mariya daughter of Tayabbhai Hasanali, Zampa Bazar, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3430-B, Wd. No. 4, Nanpura, Surat duly registered in the month of November, 1980 at Regn. No. 53.

G. C. GARG,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad  
Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th July, 1981

Ref. No. P. R. No. 1382/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R. S. No. 683/2-3-4, of Dhudharoj situated at Surendranagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wadhwan City on 1-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thakkar Prathubhai Motibhai; Dhudharej, Surendranagar District.

(Transferor)

(2) Shri Nurmohamadi Ghar Bandhanari Sahakari Mandali; through Chairman :  
1. Nanubeg Khanbeg Mirza, Opp. Juna Power House, Surendranagar.  
and Secretary;  
2. Sokat Khan Anvar Khan, Nr. Mahalaxmi Cinema; Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 3 Acre 6 guntha bearing R. S. No. 683/2-3-4, of Dhudharej, situated Near Old Railway Station, Surendranagar and as mentioned in the sale-deed registered vide Regn. No. 2259 dated 1-11-1980.

G. C. GARG  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 10-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th July 1981

Ref. No. P. R. No. 1383/Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building situated at 10, Bhaktinagar Society, situated at Bhaktinagar Society, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri G. P. Mehta;  
10, Bhaktinagar Society,  
Rajkot.

(2) Shri B. H. Desai;  
Smt. Jyoti B. Desai;  
10, Bhaktinagar Society,  
Rajkot.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 500 sq. yds. situated at 10, Bhaktinagar Society, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide Regn. No. 2852 dated 6-11-1980.

G. C. GARG,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Mahesh Dhirajlal Jhaveri

(Transferor)

(2) Shri Samarthmal Phulchand Sheth

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II, MOMBAY

Bombay, the 22nd June, 1981

Ref. No. A. R.-II/3079-9/Nov. 80.—Whereas, I, SANTOSH DATTA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 369, 370 &amp; 371 of Mahim Division situated at Mahim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 25-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Scheduled as mentioned in Registered Deed No. Bom. 480/72 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 25-11-1980.

SANTOSH DATTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 22-6-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay the 4th July, 1981

Ref. No. A. R.-J/4490-5/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 1487 (Part) of Girgaum situated at Tata Road Nos. 1 & 2 near Charni Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-11-1980 (Document No. Bom. 1827/72). for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—176GI/81

- (1) 1. Shri Raghunath P. Radhelal  
2. Brijendra Raghunath Prasad  
3. Rajendra Raghunath Prasad  
4. Surendra Raghunath Prasad  
(Transferor)
- (2) The Prasad Chamber Premises Co-op. Society Ltd.  
(Transferee)
- (3) Members of the Society  
(Person in occupation of the property)
- (4) Members of the Society  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1827/72 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 13-11-1980.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 4-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th July, 1981

Ref. No. A. R.-I/4491-6/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 1487 (Peri) of Qirgaum Division situated at Tata Road Nos. 1 &amp; 2 near Charni Road (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (5 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 13-11-1980 (Document No. Bom. 1980-1981/72 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- 1) M/s. Sterling Investment Corporation Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2) The Prasad Chamber Premises Co-operative Society Limited. (Transferee)
- 3) Members of the Society. (Person in occupation of the property)
- 4) Members of the Society (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1980-1981/72 and registered with the Sub-registrar of Bombay, on 13-11-1980.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Khimji Chatrabhuj & Ors. (Transferor)  
 (2) Shree Jay Mahal C. H. S. Ltd. (Transferee)  
 (3) (Members of Society)  
 (Person in occupation  
on the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th July 1981

Ref. No. A.R.I./4498/80-81—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S.No. 1563 (pt.), New Sur. No. 7966 (pt.)

situated at Girgaon Divn.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Bombay on 27-11-80 Doc. No. Bom. 840/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.  
 (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. V.S. Bom./ 840/79 and registered with Sub-Registrar, Bombay on 27-11-1980.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 6-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shre Punjab Co-operative Housing Society,  
Sardar Harban Singh Sethi  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shre Punjab Co-operative Housing Society  
Sardar Harban Singh Sethi

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-III 1928/81-82—Whereas I, SUDHAKAR VERMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 205 situated at Village Mogra Andheri East (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-11-1980 (Doc. No. S. 640/76) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afores exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## THE SCHEDE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-640/76 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 29-11-80.

SUDHAKAR VERMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Incomr-Tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-III/1930/81-82A. P. 372—Whereas I, SUDHAKAR VERMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 57, H No. 5 (pt.) City X Survey No. 13 (pt.) situated at Village Mulgaon Andheri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-11-1980 Document No. S/942/80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Terrance Mathew Nunes,  
Godfrey Nunes,  
Mrs. Janet Nunes,  
Judy Mathew Nunes,  
Russel Mathew Nunes,  
Ovita Mathew Nunes,  
Legal heirs of  
Late Bridget Nunes,  
Shri Satya narayan Bajrang Nevetia.

(Transferor)

(2) Smt. Ginibai Satyanaratan Nevetia  
Ramya Jeevan Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

(Transferee)

(3) Ramya Jeevan C.H.S.L.

(Person in occupation  
of the property)

(4) 1. Terrance Mathew Nunes,  
2. Godfrey Mathew Nunes,  
3. Janet Mathew Nunes,  
4. Judy Mathew Nunes,  
5. Russel Mathew Nunes,  
and  
6. Ovita Mathew Nunes,  
Legal heirs of late  
Mrs. Bridget Nunes,  
(Original Vendor).

(Person whom the undersigned  
knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-942/80 and registered with the Sub-Registrar Bombay, on 29-11-1980.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 7-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th July 1981

Ref. No. A.R.-I/4501-16/81-82—Whereas I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 808 of Mandvi Division situated at Dariastha n Street Dongri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-11-1980 Doc. No. Bom. 882/1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mulraj Pragjit Hariani  
2. Smt. Maniben Mulraj Hariani  
3. Suresh Mulraj Hariani  
and  
4. Sudhir Mulraj Hariani  
Hamidabano wife of  
Mohamed Yunus

(Transferor)

- (2) Tenants,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 882/1980 and registered on 27-11-1980 with the Sub-Registrar, of Bombay.

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner Of Income-Tax  
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 7-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

(1) Swastik Textile Mills Ltd.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. M. J. Chavan,

(Transferee)

(3) Swastik Textile Mills Ltd.

[Person(s) in occupation of the Property]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1981

Ref. No. A.R.-III/1927/2/81-82/A. P. 373—Whereas I, SUDHAKAR VARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T. S. No. 36 (pt.) S. No. 14-A situated at Sion-Trombay Road, Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1980 Doc. No. S. 2436/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 2436/79 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-11-1980.

SUDHAKAR VARMA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Hiran Kumar Ghose

(Transferor)

(2) Shri Chandra Kumar Gopaldas Mehra

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 8th July 1981

Ref. No. A.R.-II/3077-71/Nov. 80— Whereas I, SANTOSH DATTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 365, H.No. 1 (pt.) Ward No. 3629, Sl. No. (18), C.S. No. 748 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-1758/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay on 20-11-1980.

SANTOSH DATTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 8-7-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th June 1981

Ref. No. I.A.C./C.A.5/S.R. Bom'/Nov. 1980/517/81—82—

Whereas I, A. C. CHANDRA

being the Competent Authority  
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 437, 438B, 453P, 454, 455 situated at Panchpakhadi, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer  
at S. W. Bombay on 15-11-1980for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property, and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—(1) Shri Anant Pandurang Pandit,  
at Ramedi, Bassein  
Taj. & Dist. Thane.

(Transferor)

(2) Shri S.H. Kelkar & Co. Ltd.  
L.B.S. Marg,  
Mulund West,  
Bombay-400008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for the  
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 437, 438B, 453P, 454, 455 Panchpakhadi,  
Thane.Property described in the sale-deed registered under document  
No. 2362, dt. 15-11-1980 in the office of the Sub-Registrar,  
Bombay.A. C. CHANDRA  
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 17-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely:—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 17th June 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR. Niphad/Nov. '80/519/81-82.—Whereas I, A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 290, situated at Takli Vinchur Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at S.R. Niphad on Nov. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Dattatraya Vasudev Deshpande,  
2. Shri Ashok Vasudev Deshpande,  
3. Smt. Sumatibai Vasudev Deshpande,  
At. Lasalgaon, Tal. Niphad,  
Dist. Nasik.

(Transferors)

(2) The Lasalgaon Kharedi Vikri Sangh Ltd.,  
Chairman : Shri Rajaram Ganpat Jagtap,  
Maralgaoi Khurd, Tal. Niphad,  
Dist. Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## THE SCHEDULE

Property bearing Gat No. 290 at Takli Vinchur, South side near Railway Line, Lasalgaon, Tal. Niphad, Dist. Nasik, N.A. land.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 1804, dt. Nov. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Niphad.).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 17-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June 1981

Ref. No. I.A.C./C.A. 5/S.R. Haveli-I/Dec. 1980/514/81-82.—Whereas I, A. C. CHANDRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 81, C. S. No. 2156 with a building thereon situated at Vijay Nagar Colony, Sadashiv Peth, Pune-30 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

S. R. Haveli-I on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri R. L. Khaire,  
898, Shukrawar Peth,  
Pune-2.

(2) Shri T. R. Khaire,  
898, Shukrawar, Peth,  
Pune-2.

(3) Shree R. L. Khaire and Shree T. R. Khaire,  
898, Shukrawar Peth, Pune.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Plot No. 81, C. S. No. 2156, Vijay Nagar Colony, Sadashiv Peth, Pune-30. In the limits of Poona Municipal Corporation, with a building therein.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 4823, dt. Dec. 1980 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-I, Dist. Pune).

A. C. CHANDRA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poone

Date 19-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 19th June, 1981

Ref. No. J.A.C./C.A. 5/S.R. Haveli-II/Jan. 81/515/81-82.—  
 Whereas, I, A. C. CHANDRA  
 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
 No. Sub-plot No. 6 Out of F. P. No. 1000, T.P.S. No. 1 situated at Navi Peth, Pune-30 with a building thereon  
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jt. S. R. Haveli-II on Jan. 1981  
 for an apparent consideration  
 which is less than the fair market value  
 of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. New Union Construction Co.,  
 No. 7, Parvati Darshan,  
 Shree Prasad Society,  
 Pune-411009.

(Transferor)

(2) Pranav Co-op. Housing Society Ltd.,  
 F. P. No. 1000,  
 Navi Peth,  
 Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Sub-plot No. 6 Out of F. P. No. 1000 of T. P. Scheme No. 1 in Navi Peth, Pune-30 with a building thereon.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 64, dt. Jan. 1881 in the office of the Jt. Sub Registrar, Haveli-II, Dist. Pune.)

A. C. CHANDRA  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
 Acquisition Range, Pune

Date : 19-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th June, 1981

Ref. No. C.A.5/S.R. Bombay/Dec. 80/518 /81-82—Whereas  
I, Smt P.LALWANI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 33, Hissa No. 1, Tikka No. 22, C.T.S. No. 84 situated at Gokhale Road, Naupada, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Krishnaji Narayan Gore  
2. Mrs. Indumati Krishna Gore  
3. Madan Krishna Gore  
4. Mohan Krishna Gore  
5. Mahendra Krishna Gore  
6. Mrs. Vidya Mohan Gore  
7. Mangla Krishna Gore  
8. Amol Mohan Gore  
9. Manisha Mohan Gore  
1, 2 & 7 residing at Navpada, Thane and the remaining at Santacruz, Bombay.

(Transferor)

- (2) Shri Prem Singh Alias Pramod Bala Singh Rajput Datta Nivas, Ghokhale Road, Navpada, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property plot and building bearing S. No.33, Hissa No. 1, Tikka No. 22 C.T.S. No. 84 at Gokhale Road, Navpada, Thane admeasuring 518.38 sq. mtrs.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 1295 t. 18-12-80 in the office of the Sub-Registrar, Bombay.)

P. LALWANI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 26-6-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 30th June, 1981

Ref. No. C.A.S./S.R. B'bay/Dec. 80/516/81-82—Wheras, I  
S. T. KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 156-A, C.T.S. No. 244 situated at Village Walvan Tal. Maval, Dist. Haveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Gobaldas Toolsidas  
6/1, Woosteel,  
16, Calcutta  
2. Ravindra Mulraj  
3. Balwant Singh  
4. Indumati Ravindra  
5. Lalit Kumar Gopaldas  
6. Jawaher Mulraj  
Trustee of Bai Jeveribai Mulraj,  
Karsondas Chritable Trust

(Transferor)

(2) M/s. Madhu Builders & Associates  
205, Loha Bhawan,  
P. D. Mello Road,  
Bombay-400009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land with building at vill. Valan Tal. Maval, Dist. Pune Part of R. S. No. 156-A being part of C.T.S. No. 244, admeasuring 7058 sq. m.

Property as described in the sale deed registered under document No. 1620 dt. 20-12-1980 in the office of the Sub-registrar, Bombay.)

S. T. KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Poona

Date : 30-6-1981

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune the 3rd July, 1981

Ref. No. I.A.C. /C.A5/S.R. Bom./Nov. '80/520/81-82.  
Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.T.S. No. 35, 36, 37, &amp; 38, H. No. 13, Ward 'F' situated at Lonavala, Dist. Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri S. G. Kuckreja,  
2. Shri D. G. Kuckreja.  
3. Shri H. G. Kuckreja,  
At Lonavala,  
Dist. Pune.

(Transferor)

(2) Miss Sucheta Kumari Kedernath Sethi,  
Jaymahal, 4th Floor,  
"A" Road, Bombay-20.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing C.T.S. No. 35, 36, 37 &amp; 38 area 1800 sq. fts. and building thereon bearing H. No. 13, Ward 'F', Lonavala, Dist. Pune, along with furniture and fixtures thereon.

(Property as described in the sale-deed registered under document No. 717, dt. 15-11-1980 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SHASHIKANT KULKARNI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune

Date : 3-7-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow the 12th May 1981

Ref. No. G. I. R. No A-97-Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing —

No. one house -Land area 397-50 Sq. mtrs. situated at Mohalla-Gal-Shaheed, Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Moradabad on 9-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Mathura Prasad  
Through his Attorney-holder,  
Shri Mohd. Umar.

(Transferor)

(2) 1. Shri Abdul Khalil  
2. Shri Shakil Ahmed  
3. Shri Jamil Ahmad  
4. Shri Abdul Rashied

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

One house—land measuring 397-50 sq. mtrs. situated at Mohalla Galshaheed, Moradabad, and all that description which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5651, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Moradabad on 9-12-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. C. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1981  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd June 1981

G. I. R. No. L-34/Acq.:—WHEREAS I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khasra No. 1007 situate at Village Shahpur Tigri, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad, on 15-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
29—176GI/81

(1) Shri Sukhan S/o Sri Shibba,  
R/o Vill : Majta Khushhalpur,  
Pargana & District : Moradabad.

(Transferor)

(2) M/s. Labour's Sahkari Avas Samiti Limited Moradabad, Through Its President : Mohammad Hasan S/o Sri Chuttan Secretary : Moinuddin S/o Hafiz Khurshid Hussain R/o Mohalla—Asalatpura, Moradabad.

(Transferee)

(3) Above transferees.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :** The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bhumidhari plot of land khasra No. 1007 measuring two acres and thirty-two decimals situate at village Khushhalpur, Pargana and Distt. Moradabad and all that description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 4952 which have duly been registered in the Office of the Sub-Registrar Moradabad on 15-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 2-6-1981

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. P-85/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10-out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 10-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sah Samiti Limited, 877-A Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv), Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balrampur House, Allahabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Parma Nand Misra, R/o 15—Chaukhandi, Keydganj, Allahabad.  
(Transferee)
- (3) Above Transferor.  
Person in occupation of the Property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 10 measuring 488.75 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5530 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 10-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.  
Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad,  
Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House,  
Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Prasad Gupta,  
R/o 6/7—Hastings Road,  
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferee.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Lease hold plot no. 11 measuring 488.75 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-deed and Form 37G No. 5697 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-211/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-out of property No. 1A situate at Matiyara Road, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad, on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey  
S/o Sri Harbans Pandey,  
R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Sahu Dev Prasad,  
R/o 9, Matiyara Road, Alopibagh,  
Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferor.  
Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

## THE SCHEDULE

Free-hold plot no. 2 measuring 200 sq. yds. out of properties no. 1A Matiyara Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37G No. 5550 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 11-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-212/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 40-out of property no. 9 & 11 situate at Strachey Road, Allahabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad, on 17-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eavan Nirman Sahkari Samiti Limited, 877-A Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Santosh Kumar, R/o 328, Attarsuiya, Allahabad.

(Transferee)

(3) Above transferor.

Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 40 measuring 450.71 sq. yds. out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5695 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. S-215/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24-Out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad, on 17-11-1980)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited,  
877-A Dariyabad Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balrampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Shri Shiv Shankar Tewari,  
Village & Post Puras,  
Distt. Ballia.

(Transferee)

(3) Above transferor.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 24 measuring 316.18 sq. yds. out of properties no. 38 and 40, Sardar Patel Marg, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5699 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd June 1981

G. I. R. No. T-251/Acq.:—Whereas I, A. S. BISEN,  
 being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 25-out of property no. 9 and 11 situate at Strachey Road, Allahabad  
 (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on  
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) The Prayag Upniveshan Avas Eevam Nirman Sahkari Samiti Limited, 877-A Dariyabad, Allahabad through its Secretary (Sachiv) Sri Sita Ram Pandey S/o Sri Harbans Pandey, R/o 66 Balampur House, Allahabad.

(Transferor)

(2) Km. Tara Devi, R/o 56, Civil Lines, Satna, Madhya Pradesh.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the Property]  
 [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Lease-hold plot no. 25 measuring 316.18 sq. yds., out of properties no. 9 and 11 Strachey Road, Allahabad and all the description of the property which is mentioned in the Sale-Deed and Form 37 G No. 5701 which have duly been registered in the Office of Sub Registrar, Allahabad on 17-11-1980.

A. S. BISEN,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-6-1891.  
 Seal :

## FORM ITNS

(1) Hridya Ranjan Tapadar and others.

(Transferor)

(2) Partha Sarathi Kundu and others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 29th May 1981

Ref. No. AC-16/R-II/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-S-Dag No. 63 situated at Patipukur, P. S. Lake Town, Cal-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipore, Dum Dum on 26-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 K. only at Patipukur, P.S. Lake Town, Calcutta-48 (Dag No. 63). More particularly described in deed No. 8611 dt. 26-11-80 of S.R. Cossipore, Dum Dum.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Calcutta

Date : 29-5-1981  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

(1) Shri Sikhar Nath Sett.

(Transferor)

(2) Resolute Traders (Pvt.) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. TR-427/SL. No. /Acq. R.I.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 90 situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—176GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of three storeyed building of 90, Chittaranjan Ave. Calcutta having a land of 11 kottahs 2 chittacks 11 sq. ft. registered vide deed No. I-6378 dated 11-11-80 in the Registrar of Assurance, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Calcutta

Date : 8-7-1981.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Sankar Nath Sett.

(Transferor)

(2) M/s. Resolute Traders (P.) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-577/TR-428/81-82.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90, situated at Chittaranjan Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 11-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share of three storeyed building at 90 Chittaranjan Avenue, Calcutta having land of 11 kottahs 2 Chittacks 11 sq. ft. registered on 11-11-80 in the office of Regr. of Assurance Cal. vide deed No. I-6379.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 8-7-1981  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Uma Nath Seth.

(Transferor)

(2) M/s. Resolute Traders (P) Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-578/TR-429/81-82:—Whereas I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90 situated at Chittaranjan Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 11-11-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 Share of three Storyed building situated at 90, Chittaranjan Avenue, Cal. on a land of 11 Kottah 2 Chittacks 11 sq. ft. registered vide Deed No. I-6380 in the office of Regr. of Assurance Cal. on 11-11-1980.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range No. I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
(2nd floor) Calcutta-700016.

Date : 8-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Gouri Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. S-579/TR-481/81-82:—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9C situated at Hanspukur Lane, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:**—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th Share of three Storyed building of a land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. at 9C Hanspukur Lane Cal. registered Vide deed No. I-10746 dated 29-11-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-70016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Gomti Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. S-580/TR-482/81-82:—Whereas, I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9C situated at Hanspukur Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three storied building on land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. at 9C Hanspukur Lane, Cal. registered under Regr. of Assurance, Cal vide deed No. I-10749 dated 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
(2nd floor) Calcutta-700016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. S-581/TR-483/81-82:—Whereas I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9c situated at Hanspukur Lane,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kaushik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three Storeyed building situated on a land of 2 Kottah 2 chittack 20 sq. ft. at 9c Hanspukur Lane, Calcutta registered in the office of Regr. of Assurance vide deed No. I-10748 dt. 29-11-80.

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date : 8-7-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS—

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi Kaushik.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. TR-484/SL No. 582:—Whereas I, I.V.S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

9c situated at Hanspukur Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of three Storeyed building situated at 9c Hanspukur Lane, Calcutta on a land of 2 Kottah 2 chittacks 20 sq. ft. registered vide deed No. I-10747 dated 29-11-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I. V. S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981.  
Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Smt. Kamala Devi Kaushiki.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July, 1981

Ref. No. TR-485/SI. No. 583/Acq. R-I:—Whereas I, I.V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9-C situated at Hanspukur Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share of three storeyed building situated on a land of 2 cottahs 2 chittacks 20 sq. ft. at 9-C, Hanspukur Lane, Calcutta registered in the office of Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-6731 dated 29-11-80.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

I. V.S. JUNEJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-7-1981.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shyamal Jhunjhunwala.

(Transferor)

(2) Kamala Devi Kaushiki.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th July 1981

Ref. No. TR-482/Sl. No. 384/Acq. R-I.—Whereas I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 9-C situated at Hanspukur Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 29-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Undivided 1/12th share of three storeyed building of 9-C, Hanspukur Lane, Calcutta, having a land of 2 kottahs 2 chittacks 20 sq. ft. registered vide No. I-10750 dated 29-11-80 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Calcutta

Date : 8-7-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
31—176GI/81

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC-36/R-IV/61/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

23 situated at Murat Mohal, Birhata, Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burdwan on 11-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Radha Krishna Ganguly,  
Pranab Kr. Ganguly,  
of Kogram, Mangalhat,  
Burdwan.

(2) Sri Arun Kumar Jash & Smt. Juthika Jash,  
of Murat Mohal Lane,  
Birhata, Burdwan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land situated at 23 Murat Mohal, Birhata, Burdwan, measuring 8 Kh. 9 Ch. of land along with building more particularly described as per Deed No. 7474 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC-37/R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30/2B situated at Beharilal Pant Street, Cal.-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, on 26-11-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

(1) Jistaren H. Palan,  
30/2B Beharilal Pant Road,  
Cal.-36.

(2) Sri Manick Lal Chatterjee,  
30 B. K. Mitra Road,  
Cal.-36.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 1 K. 8 Ch. with building situated at 30/2B Beharilal Paul Street, P. S. Baranagar, more particularly described as per Deed No. 1483 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981.  
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 13th July 1981

Ref. No. AC/38/R-IV/Cal/81-82:—Wheras I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Mouza-Lahagarh Tea Estate, Naxalbari situated at Siliguri, Darjeeling  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 24-11-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. National India Traders Pvt. Ltd.  
59-Apollo Street,  
Fort Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. East India Produce Ltd.,  
49-Stephen House,  
4-B.B.D. Bag,  
Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 814.37 acres together with all tea bushes and standing timber as also buildings, godowns structures etc. situated at Lohagarh Tea Estate, Naxalbari, Siliguri, Darjeeling, more particularly described as per Deed No. 6590 of 1980.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 13-7-1981.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th July, 1981

No. Acq/773/GBD/81-82—Whereas I, BIBEK BANERJI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 24-11-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Devendra Kumar Kapoor,  
139, New Gandhinagar,  
Ghaziabad.

(2) Deoraj Mahajan, Smt. Karuna Mahajan,  
w/o. Shri Deoraj Mahajan,  
r/o. DDA Flat No. 28, Shekh Sarai,  
Malviyanagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property No. 213, situated at Gandhinagar, Ghaziabad.

BIBEK BANERJI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur

Date: 9th July, 1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

